ಶುಭ್ ಲಾಭ್
खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
DAILY
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

तीन विधानसभा क्षेत्रों के कुल 45 उम्मीदवारों की किस्मत का फैसला 23 को @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । गुरुवार, 14 नवंबर, 2024 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-6 । अंक-314

हिंदुओं से फ्रॉड कर लूटा पैसा हिंदुओं के खिलाफ लगाया

जालसाजी से हड़पे 125 करोड़ वोट जेहाद में लगे

मुंबई, 13 नवंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में हिंदुओं का धन हड़प कर उसका इस्तेमाल हिंदुओं के खिलाफ चल रही जेहादी गतिविधियों में लगाया गया। फ्रॉड करके हिंदुओं से लूटे गए करोड़ों रुपए हिंदुओं के खिलाफ वोट-जेहाद में इस्तेमाल किए गए। जेहादी फ्रॉड के सरगना सिराज अहमद की सरगर्मी से तलाश की जा रही है। उसके खिलाफ दर्जनों मुकदमे दर्ज होने के बाद मुंबई पुलिस हरकत में आई है।

महाराष्ट्र के मालेगांव में लोगों को नौकरी का झांसा देकर उनके पैसे हड़पने वाले सिराज अहमद के बारे में अब नए नए खुलासे हो रहे हैं। सिराज अहमद के खिलाफ दर्जनभर से अधिक लोगों ने एफआईआर दर्ज करवाई है। सिराज अहमद पर वोट जेहाद में हिंदुओं का पैसा लगाने की करतूत भी उजागर हुई है। सिराज अहमद ने दर्जनों हिंदुओं के खाते से फर्जीवाड़ा करते तकरीबन सौ करोड़ रुपए निकाले। उसने हिंदुओं को सरकारी नौकरी का झांसा देकर उनके बैंक खातों का डिटेल्स लिया और वहां से पैसे निकाल लिए। राहुल काले, मनोज मिसाल, प्रतीक जाधव, पवन जाधव, ललित मोरे, राजेंद्र गिरी, धनराज बच्छव, भावेश घुमरे, दिवाकर घुमरे और दत्तात्रेय कैलास समेत दर्जनों लोग उसके झांसे में आ गए और उनके करोड़ों रुपए डूब गए। छावनी पुलिस स्टेशन में सिराज के खिलाफ शिकायतें दर्ज कराई गईं। भारतीय न्याय संहिता की

धारा 3(5), 316(5), 318 (4) (धोखाधड़ी), 336(3), 340(2) और 338 (जालसाजी) के तहत दर्जनों एफआईआर दर्ज की गई है।

यह भी खुलासा हुआ है कि सिराज अहमद ने हिंदुओं के नाम से तमाम फर्जी खाते मालेगांव में एक सहकारी बैंक में खुलवाए। ये खाते 27 सितंबर को खोले गए थे। एफआईआर के अनुसार, खाताधारकों में से एक ने अपने खाते की जांच की तो पता चला कि उसके खाते से करोड़ों रुपए का लेन-देन हुआ है। इसके बाद उसने बाकी लोगों से संपर्क किया। यह सभी जब बैंक पहुंचे तो उन्हें पता चला कि उनके महज 12 खातों से कुल 90 करोड़ का लेनदेन हुआ है। उन्हें चिंता हुई कि उनके खातों का अवैध गतिविधियों के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है, इसलिए उन्होंने व्यापारी के खिलाफ धोखाधड़ी की शिकायत दर्ज करवाई। प्राथमिक छानबीन में उस पैसे का ट्रांजैक्शन उन लोगों के खाते में किया गया जो महाराष्ट्र के विधानसभा चुनाव में भाजपा के खिलाफ वोट करने के लिए मुसलमानों को भड़काने में लगे हैं। ऐसे 180 एनजीओ का पता चला है, जो बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों को मतदाता सूची में शामिल कराने के काम में लगे हैं। इसमें शासन में बैठे अधिकारी कर्मचारी भी साथ दे रहे हैं और मोटी रिश्वत खा रहे हैं।

▶10 पर

प्रधानमंत्री ने बिहार को दी 12 हजार करोड़ की विकास योजनाएं

दरभंगा में खुलेगा दूसरा एम्स, पीएम ने रखी आधारशिला

60 साल तक देश में एक एम्स था, आज 24 एम्स हैं: मोदी

प्रधानमंत्री ने मैथिली भाषा में मिथिलांचल वासियों को किया नमन

दरभंगा, 13 नवंबर (एजेंसियां)। पीएम नरेंद्र मोदी ने 12 हजार करोड़ के योजनाओं की सौगात बिहारवासियों को दी है। उन्होंने दरभंगा एम्स के निर्माण की आधारशिला रखी। इसमें एक सुपर-स्पेशियलिटी अस्पताल और एक आयुष ब्लॉक, एक मेडिकल कॉलेज, एक नर्सिंग कॉलेज, एक रैन बसेरा और आवासीय सुविधाएं होंगी। इसके अलावा बिहार में करीब 5,070 करोड़ रुपए की लागत वाली कई राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इतना ही नहीं दो रेलवे ओवर ब्रिज का भी उद्घाटन किया। प्रधानमंत्री ने बंधुगंज में एक प्रमुख पुल का भी उद्घाटन किया। यह जहानाबाद को बिहार शरीफ से जोड़ेगा। पीएम नरेंद्र मोदी ने आठ राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे। 1,740 करोड़ रुपए से अधिक की रेलवे परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। साथ ही औरंगाबाद जिले के चिरालापोथु से बाघा बिशुनपुर तक 220 करोड़ रुपए से अधिक की सोनेनगर बाइपास रेलवे लाइन की आधारशिला रखी।

पीएम मोदी ने कहा कि दरभंगा में एम्स का सपना साकार होने की तरफ एक बड़ा कदम उठाया है। दरभंगा एम्स से बिहार, बंगाल और नेपाल के लोगों को फायदा मिलेगा। एम्स से रोजगार और स्वरोजगार के अवसर बनेंगे।

▶10 पर

घुसपैठियों ने आपकी रोटी बेटी और माटी छीन ली

देवघर, 13 नवंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने झारखंड में बांग्लादेशी घुसपैठियों के कारण हुई बुरी हालत पर गहरी चिंता व्यक्त की और कहा कि बांग्लादेशी घुसपैठियों ने आदिवासियों की रोटी, बेटी और माटी तीनों छीनी है। आदिवासियों की जमीनें हड़पी हैं और सत्ताधारी झारखंड मुक्ति मोर्चा और कांग्रेस ने घुसपैठियों को स्थायी निवासी बनाने के लिए हर गलत काम किया है। पीएम मोदी ने कहा, झारखंड की पहचान बदलने की बहुत बड़ी साजिश हो रही है। प्रधानमंत्री ने कहा, झारखंड में मैं जहां भी गया, सबसे बड़ी चिंता घुसपैठ को लेकर सामने आई। उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक संथाल में आदिवासियों की आबादी घटकर आधी रह गई है। हमें अपने आदिवासी परिवारों और हर झारखंडी को इससे बचाना है। झारखंड की पहचान बदलने की बहुत बड़ी साजिश हो रही है। झामुमो-कांग्रेस ने पानी, जंगल, कोयला और बालू लूटा, अपने लोगों को सरकारी नौकरियां दीं और आपके बच्चों का भविष्य बर्बाद कर दिया। ▶10 पर

उत्तरी दिल्ली नगर निगम के बुलडोजर एक्शन पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा

एक्शन के पहले गाइडलाइन का पालन करना होगा

15 दिन पहले देना होगा नोटिस कार्रवाई की वीडियोग्राफी होगी

नई दिल्ली, 13 नवंबर (एजेंसियां)। जमीयत उलेमा-ए-हिन्द बनाम उत्तरी दिल्ली नगर निगम से संबंधित मामले में बुलडोजर एक्शन पर रोक लगाने की मांग करने वाली याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए शीर्ष कोर्ट ने कहा कि कानून का शासन यह सुनिश्चित करता है कि लोगों को यह पता हो कि उनकी सम्पत्ति को बिना किसी उचित कारण के नहीं छीना जा सकता। सुप्रीम कोर्ट ने बुल्डोजर एक्शन के लिए सख्त दिशा निर्देश जारी किए हैं और संबंधित जिले के जिलाधिकारी को इस पर निगरानी रखने को कहा है।

सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया है कि किसी भी सम्पत्ति का विध्वंस तब तक नहीं किया जा सकता, जब तक उसके मालिक को पंद्रह दिन पहले नोटिस न दिया जाए। कोर्ट ने कहा कि यह नोटिस मालिक को पंजीकृत डाक के जरिए से भेजा जाएगा और इसे निर्माण की बाहरी दीवार पर भी चिपकाया जाएगा। नोटिस में अवैध निर्माण की प्रकृति, उल्लंघन का विवरण और विध्वंस के कारण बताए जाएंगे। इसके अलावा, विध्वंस की प्रक्रिया की वीडियोग्राफी भी की जाएगी और अगर इन दिशा-निर्देशों का उल्लंघन होता है तो यह कोर्ट की अवमानना मानी जाएगी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि आम नागरिक के लिए अपने घर का निर्माण कई वर्षों की मेहनत, सपने और आकांक्षाओं का परिणाम होता है। घर सुरक्षा और भविष्य की एक सामूहिक आशा का प्रतीक है और अगर इसे छीन लिया जाता है, तो अधिकारियों को यह साबित करना होगा कि यह कदम उठाने का उनके पास एकमात्र विकल्प था। ▶10 पर

बुल्डोजर एक्शन को लेकर सुप्रीम कोर्ट के दिशा-निर्देश

1. ध्वस्तीकरण के आदेश को चुनौती देने के लिए कुछ समय दिया जाना चाहिए।
2. जगह खाली करने के लिए पूरा समय दिया जाना चाहिए।
3. यह निर्देश सार्वजनिक स्थानों पर हुए अवैध निर्माण को हटाने पर लागू नहीं होंगे।
4. पूर्व नोटिस दिए बिना तोड़फोड़ नहीं होगी। जवाब देने के 15 दिन का समय दिया जाए।
5. नोटिस को डाक से भी भेजना होगा और निर्माण पर भी चिपकाया जाना चाहिए।
6. तोड़फोड़ की वीडियोग्राफी होगी और रिपोर्ट नगर आयुक्त को भेजी जाएगी।

जम्मू-कश्मीर में सक्रिय 119 आतंकियों में अधिकांश पाकिस्तानी

इस साल अब तक मारे जा चुके 61 दहशतगर्द

जम्मू, 13 नवंबर (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर में बड़े स्तर पर विदेशी आतंकी सक्रिय हैं। इन आतंकियों के गतिविधियां चलाने और भर्ती करने के तौर तरीकों में भी बदलाव देखा जा रहा है। आतंकी सीमा पर घुसपैठ से अधिक आंतरिक इलाकों में हमले कर रहे हैं। सेना और खुफिया एजेंसियां भी यह मानती हैं कि अब आतंकियों को स्थानीय समर्थन कम मिल रहा है। इस वजह से उनके खिलाफ सटीक ऑपरेशन भी चलाया जा रहा है। खुफिया एजेंसियों का कहना है कि प्रदेश में 119 आतंकी सक्रिय हैं। इनमें से 79 पीर पंजाल में हैं। जिनमें 18 स्थानीय और 61 पाकिस्तानी हैं। पीर पंजाल के दक्षिण में 40 सक्रिय आतंकी हैं। इनमें 34 पाकिस्तानी नागरिक हैं, जबकि केवल 6 स्थानीय आतंकी हैं।

इस वर्ष अब तक 25 आतंकी घटनाएं हुई हैं। इन घटनाओं में 24 जवान शहीद हुए। पिछले वर्ष 27 जवान शहीद हुए थे। इस साल 61 आतंकी मारे गए। इनमें 45 अंदरूनी इलाकों में और 16 नियंत्रण रेखा पर ढेर हुए।

▶10 पर

31 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव के लिए हुआ मतदान

वायनाड लोकसभा में पांच बजे तक 60.79 फीसदी वोटिंग

नई दिल्ली, 13 नवंबर (एजेंसियां)। वायनाड लोकसभा सीट के अलावा 10 राज्यों की 31 विधानसभा सीटों पर भी मतदान जारी है। चुनाव आयोग के मुताबिक शाम पांच बजे तक केरल की वायनाड लोकसभा सीट पर हुए उपचुनाव में 60.79 फीसदी मतदान हुआ।

चुनाव आयोग के मुताबिक असम की पांच विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनाव में दोपहर तीन बजे तक 64 फीसदी मतदान हुआ था। बिहार की चार सीटों पर हुए उपचुनाव में शाम पांच बजे तक औसत 53 प्रतिशत वोटिंग हुई थी। राजस्थान की सात विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनाव में शाम पांच बजे तक औसत 60 फीसदी से अधिक वोटिंग हुई। पश्चिम बंगाल की छह विधानसभा सीटों के लिए हुए उपचुनाव में शाम पांच बजे तक औसतन 70 फीसदी से अधिक वोटिंग हुई थी। गुजरात की एक विधानसभा सीट के लिए शाम पांच बजे तक 67.13 प्रतिशत मतदान हुआ। कर्नाटक की तीन विधानसभा सीटों के लिए हुए उपचुनाव में शाम पांच बजे तक औसत 75 प्रतिशत वोटिंग हुई। केरल की एक विधानसभा सीट के लिए हुए उपचुनाव में पांच बजे तक 69.39 प्रतिशत और छत्तीसगढ़ की एक विधानसभा सीट के लिए हुए उपचुनाव में शाम पांच बजे तक 46.43 प्रतिशत मतदान हुआ था। मध्य प्रदेश की दो विधानसभा सीट के लिए हुए उपचुनाव में शाम पांच बजे तक 75 प्रतिशत मतदान हुआ।

▶10 पर

झारखंड विधानसभा चुनाव के पहले चरण में 43 सीटों पर मतदान

64.86% से अधिक मतदान, 10 सीटों पर 70% से अधिक मतदान

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 77,540/- (प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 92,250/- (प्रति किलोग्राम)

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 31^0

न्यूनतम : 21^0

मीट कारोबारियों के 1200 करोड़ नगद का मिल नहीं रहा हिसाब

आयकर विभाग का सनसनीखेज खुलासा, केंद्र को भेजी रिपोर्ट

यूपी से कश्मीर भेजा जा रहा मांस के धंधे का पैसा

लखनऊ, 13 नवंबर (एजेंसियां)। यूपी के मीट कारोबारियों के ठिकानों पर हुए आयकर विभाग के छापों के बाद कई सनसनीखेज खुलासे हुए हैं। इनमें 1200 करोड़ रुपए का हिसाब नहीं मिल रहा है। आयकर विभाग ने केंद्र सरकार को भेजी अपनी गोपनीय रिपोर्ट में कहा कि इन कंपनियों ने 1200 करोड़ रुपए नकदी को कहां खपाया है, इसका जांच में पता नहीं चल सका है। इतना ही नहीं, ये कंपनियां कश्मीर की निजी सुरक्षा एजेंसियों की सेवाएं ले रही हैं, जिनकी भूमिका संदिग्ध है। ये देश की सुरक्षा के लिए खतरे का सबब बन सकता है, लिहाजा उच्चस्तरीय जांच कराना जरूरी

है।आयकर विभाग ने दिसंबर 2022 में बरेली के मारिया ग्रुप, रहबर ग्रुप, अल-सुमामा ग्रुप, लखनऊ एवं उन्नाव के रुस्तम ग्रुप और आगरा के एचएमए ग्रुप के ठिकानों पर छापा मारा था। यहां मिले दस्तावेजों की करीब एक साल तक हुई गहन पड़ताल में सामने आया कि संभल के प्रवीण रस्तोगी ने मीट कंपनियों को मनी लांड्रिंग के जरिए 524 करोड़ रुपए की नकद दिए थे। रहबर ग्रुप की 68 करोड़ की काली कमाई का खुलासा भी हुआ। साथ ही, रुस्तम ग्रुप का 535 करोड़ रुपए और मारिया ग्रुप की 102 करोड़ रुपए की बोगस बिक्री का पता चला। आयकर विभाग ने अपनी रिपोर्ट में 1200 करोड़ रुपए की इस रकम को संदिग्ध गतिविधियों में खपाने में आशंका जताई है। खासकर देश के संवेदनशील इलाके के युवाओं को सुरक्षा का काम देने और बड़ी तादाद में ▶10 पर

उस पैसे का क्या हो रहा इस्तेमाल? सवाल सुलझा रही खुफिया एजेंसियां

बीफ के निर्यात में यूपी की अप्रत्याशित बढ़त संदेहास्पद

लखनऊ, 13 नवंबर (एजेंसियां)। बीफ के निर्यात में उत्तर प्रदेश ने देश के कई राज्यों को पीछे छोड़ दिया है। यह प्रसन्नता वाली बात नहीं है, बल्कि यह गंभीर चिंता का विषय है कि बीफ मांस का निर्यात अप्रत्याशित रूप से कैसे बढ़ गया। भैंसे के मांस की आड़ में कहीं उसमें गोवंशीय पशुओं का मांस तो नहीं मिलाया जा रहा है। प्रदेश सरकार इसकी गहराई से छानबीन करा रही है। प्राथमिक जांच में यह सामने आया है कि प्रदेश के स्लॉटर हाउसों को एनओसी देने में जमकर धांधली की गई। स्लॉटर हाउसों को अनुमति प्रदान करने में खेल किए गए और मुख्यमंत्री को धोखे में रखा गया। ▶10 पर

कार्टून कॉर्नर

तप त्याग से जन्मोत्सव मनाया

जन-जन को धर्म से जोड़ने का महान उपकार किया गुरु चौथमल एवं गुरु गणेश ने: डॉ. वरुणमुनि

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ राजाजीनगर के तत्वावधान में उप प्रवर्तक पंकजमुनि के सानिध्य में जैन दिवाकर चौथमल एवं कर्नाटक गज केसरी गणेशीलाल की जन्म जयंती तप, त्याग, सामायिक एवं गुणगान द्वारा मनाई गई। जैन दिवाकर का गुणगान करते हुए डॉ. वरुणमुनि ने कहा कि जैन धर्म के अनुयायी होते हुए भी उन्होंने अन्य सभी संप्रदायों और धर्मों का सम्मान किया।

धर्म और जीवन के सार को वें बहुत स्पष्ट रूप से समझते थे। प्रेम और सहानुभूति से मित्रता स्थापित करने का सफल प्रयास किया। वे जातिगत भेदभाव, क्षेत्रवाद और संप्रदाय-भावनाओं से ऊपर थे। उन्होंने दूसरों को धार्मिक और महान बनने के लिए प्रोत्साहित किया।

उनमें दूसरों के प्रति साहस और सहानुभूति थी। उनका व्यक्तित्व बहुत ही प्रभावशाली और उनकी गतिविधियां अनुकरणीय थी। अहिंसा के विस्तार और जीवन के विकास में उनका योगदान उल्लेखनीय रहा। भारतीय राज्यों के कई शासकों, अधिकारियों, विद्वान व्यक्तियों, करोड़पति, साहूकारों और रंक व अन्य लोगों को उन्होंने आकर्षित किया। वे उच्चकोटि के साधक और धार्मिक साहित्य के बहुत अच्छे लेखक थे। उन्होंने काव्य और गद्य दोनों की रचना की। इसके अलावा दिवाकर दिव्यज्योति नामक पुस्तक में उनके स्वयं के व्याख्यानों का संग्रह 20 भागो में प्रकाशित हुआ। वे एक प्रसिद्ध वक्ता, समाज सुधारक, क्रांतिकारी, एकता में विश्वास रखने वाले और युग के महान व्यक्ति थे। हमें आने वाले युगों के लिए आकाश में सूर्य के रूप में प्रबुद्ध करता रहेगा। उनके द्वारा किए गए कार्य पूरे जैन समुदाय को प्रेरणा देते रहेंगे और युगों-युगों तक याद आते रहेंगे। गुरु गणेश का गुणगान करते हुए डॉ. वरुणमुनि ने कहा कि कर्नाटक गज केसरी गणेशीलाल महाराज महान व्यक्तित्व के धनी थे। उन्होंने जनमानस में व्याप्त मिथ्यात्व के अंधकार को दूर करके सम्यक्त्व के प्रकाश से अंतर्मन को आलोकित किया। उन्होंने धर्म का विशुद्ध स्वरूप समझाकर जन-जन को धर्म से जोड़ने का महान उपकार किया। उनका प्रारंभिक जीवन बहुत ही संघर्ष के दौर से गुजरा लेकिन कभी भी सिद्धान्तों के साथ उन्होंने समझौता नहीं किया। उनके मन में संकल्प के प्रति दृढ़ता और लक्ष्य के प्रति समर्पण गजब का था। उनके उत्कृष्ट तप त्याग के समक्ष मनुष्य तो क्या देव शक्ति भी नत मस्तक होती थी।

वे वीतराग मार्ग के साधक शिरोमणि थे। उन्होंने कहा जीवन रूपी सरिता के जन्म और मृत्यु दो किनारे हैं। महत्व किनारों का नहीं बल्कि इनके बीच बहने वाली नदी का होता है।

उन्हीं का जन्मोत्सव स्मरण के योग्य होता है जिनका जीवन संयमित और समाधिस्थ होता है। गुरु गणेश का दक्षिण वासीयों पर अनंत उपकार रहा है। उन्होंने दक्षिण के गाँव गाँव में विचरण करके लोगों को धर्म भावना के प्रति ओतप्रोत किया। यही कारण है आज दक्षिण भारत में गणेशलाल महाराज के प्रति लोगों में अनन्य आस्था व श्रद्धा के भाव है।

इस अवसर पर जीतो बेंगलूरु नार्थ चैप्टर के उपाध्यक्ष कमल पुनमिया ने जीतो के तीन आयाम सेवा, शिक्षा और आर्थिक सूदृढ़ता के अन्तर्गत सेवा कार्यो की संपूर्ण जानकारी दी। श्रमण आरोग्यम संयोजक दिनेश खीवेंसरा ने भी अपने विचार रखे। राजाजीनगर त्रिशला महिला मंडल की अध्यक्ष सुशीलाबाई बोहरा ने अपने विचार रखे और मंडल की सदस्याओं ने विदाई गीत की प्रस्तुति दी। संघ अध्यक्ष प्रकाश चाणोदिया ने आभार ज्ञापित किया और संचालन संघ मंत्री नेमीचंद दलाल ने किया।

वक्फ बोर्ड के अन्याय के विरुद्ध विहिप का आंदोलन

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो।

विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल हुब्बल्ली महानगर द्वारा किसानों की खेती की भूमि और अन्य धार्मिक स्थलों सहित मालिकाना जमीनों का कानून के विपरीत अधिग्रहण करने के विरोध में हुब्बल्ली महानगर के 7 अलग अलग स्थानों पर विरोध प्रदर्शन किया गया।

साथ ही तहसीलदार को ज्ञापन देकर इस पर रोक लगाने की मांग की गई। इस दौरान आयोजित विरोध प्रदर्शन में शहर के बन्कापुर चौक में विहिप महानगर अध्यक्ष संजय बडसाकर, सेवाप्रमुख सुभाष डंक, बजरंग दल संयोजक गंगाधर सनम शेट्टर सहित अनेक किसान नेताओं और विहिप बजरंग दल के सदस्यों ने भाग लिया। विहिप महनगर अध्यक्ष ने कहा कर्नाटक सरकार वक्फ बोर्ड के बहाने किसानों और आम जनता को नोटिस देकर परेशान कर रही है। अगर इसको नहीं रोका गया तो अभी तो हम सांकेतिक प्रदर्शन कर रहे और आगे बहुत बड़े पैमाने में विरोध प्रदर्शन कर सरकार की नींद हराम कर देंगे।

विहिप महानगर सेवा प्रमुख सुभाष डंक ने कहा कि सरकार तुष्टीकरण की निति पर काम कर रही है और आम जनता को परेशान कर नित नए बहाने ढूंढ कर हिन्दुओं को परेशान करने का कार्य कर रही है। इसको रोकना होगा। बजरंग दल संयोजक गंगाधर सनम शेट्टर समेत अन्य नेता भी मौजूद थे।

सोशल मीडिया का सही उपयोग पर कार्यशाला आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

अभातेममं द्वारा निर्देशित टी.दासरहल्ली तेरापंथ महिला मंडल द्वारा समृद्ध राष्ट्र योजना के अन्तर्गत 7वें चरण के संस्कारशाला के तहत खुशी का रास्ता नामक कार्यशाला कालम्मा सरकारी स्कूल में आयोजित किया गया। जिसका विषय सोशल मीडिया का सही उपयोग था। मंडल सदस्यों ने जय जिनेंद्र से सभी छात्रों व शिक्षकों का अभिवादन किया। अध्यक्ष नेहा चावत ने सभी का स्वागत अभिनंदन किया एवं विषय पर समझाया कि सोशल मीडिया पर आगे बढ़ने की कोशिश करने वाले किसी भी व्यक्ति के लिए सबसे अच्छी सलाह यह है कि वह वास्तविक और अपरिवर्तनीय बना रहे। कार्यशाला का शुभारंभ नमस्कार महामंत्र से हुआ। तत्पश्चात सामूहिक महाप्राण ध्वनि का प्रयोग करवाया गया। कार्यकारिणी सदस्य सुनीता भटेवरा एवं मंत्री नम्रता पितलिया ने विषय पर डिबेट व पीपीटी द्वारा फायदा-नुकसान समझाया। साइबर-धमकी, गोपनीयता और सुरक्षा, फोन की लत, अनुचित या हानिकारक सामग्री तक पहुँच, नींद में खलल जैसे चीजों को नकारात्मक बताया। साथ ही जोर देते हुए दोस्तों और परिवार के साथ जुड़े रहने, बच्चों के एक अधिक विविधतापूर्ण समूह के साथ बातचीत करने, जिसकी वे आदत नहीं रखते, किसी अभियान, गैर-लाभकारी संस्था या धर्मार्थ संस्था में स्वयंसेवक के रूप में शामिल होने को सकारात्मक बताया। विचारों, संगीत और कला को साझा करके अपनी रचनात्मकता को बढ़ाएं, समान रुचि वाले अन्य लोगों से मिलें, शिक्षकों और साथी छात्रों के साथ संवाद करें, स्वास्थ्य संबंधी जानकारी प्राप्त करें, वर्तमान घटनाओं के बारे में जाने जब वे दुखी या चिंतित महसूस करते हैं तो उन्हें सहायता मिलती है। बच्चों में तनाव नाशक, डिप्रेशन, एकाग्रता बढ़ाने हेतु सुरभि मुद्रा व ध्यान का प्रयोग संयोजिका किरण मेहर ने करवाया। संगठन मंत्री सरोज मारू ने कुशल संचालन एवं सकारात्मकता के साथ आभार ज्ञापित किया। शाला के प्राध्यापक हनुमंथप्पा ने मंडल की सरहाना की।

बारह व्रत धारियों का सम्मान

व्रत संकल्पों को धारण करने से मर्यादित एवं संयममय जीवन का होता है विकास: साध्वी सिद्धप्रभा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

युगप्रधान आचार्य श्री महाश्रमण जी की सुशिष्या साध्वी श्री सिद्धप्रभा जी के सानिध्य में अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद के निर्देशन में तेरापंथ युवक परिषद् विजयनगर द्वारा सम्मान व्रत चेतना कार्यक्रम तेरापंथ सभा भवन विजयनगर में आयोजित किया गया। साध्वी सिद्धप्रभा जी ने भगवान महावीर द्वारा प्ररूपित अनगार धर्म और आगार धर्म की व्याख्या करते हुए बताया कि श्रावकों के लिए पूर्ण संयमी बनना कठिन है, परंतु आवश्यक्ताओं और उपभोग के सीमांकन द्वारा व्रती बन सकते हैं। व्रत चेतना को जागृत कर, व्रतों को समझकर बिना अधिक कठिनाई के संकल्पों को स्वीकार किया जा सकता है। कार्यक्रम की शुरुआत साध्वी द्वारा प्रदत्त मंगल मंत्रोच्चार से हुआ। तेयुप अध्यक्ष कमलेश चोपड़ा ने सभी का स्वागत करते हुए साध्वी द्वारा 12 व्रती बनाने हेतु किए गए अथक श्रम एवं प्रेरणा के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की।

साथ ही आगामी संघ यात्रा की जानकारी प्रदान की। सभा अध्यक्ष मंगल कोचर, महिला मंडल अध्यक्ष मंजू गादिया ने शुभकामनाएं प्रेषित की। कार्यक्रम में उपस्थित उपासक भंवरलाल मांडोत, सुमित्रा बरडिया, सभी 12 व्रती श्रावक श्राविकाओं का अभिनंदन किया गया। विशेष शुभकरण, पवन बैद परिवार के सभी सदस्यों ने बारह व्रत स्वीकार किए। कार्यक्रम में सहमंत्री कमलेश दक, निवर्तमान अध्यक्ष राकेश पोखरणा, पूर्व अध्यक्ष श्रेयांस गोलछा, भवन निर्माण समिति अध्यक्ष पुखराज श्रीश्रीमाल, कार्यकारिणी सदस्य और समाज के गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। कार्यक्रम का कुशल संचालन मंत्री संजय भटेवरा, सहमंत्री पवन बैद ने किया। साध्वी सिद्धप्रभा जी चातुर्मास सम्पन्नता के बाद 16 नवंबर को प्रातः 8.35 बजे विहार कर मनोहर बोहरा के निवास स्थान पर पहुंचेंगी। मंगल भावना कार्यक्रम 14 और 15 नवंबर को प्रवचन काल में रहेगा।

मुमुक्षु देशना का किया अभिनन्दन

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो। महावीर इंटरनेशनल हुब्बल्ली शाखा द्वारा शाखा के सहमंत्री विजय गोलेछा की सुपुत्री मुमुक्षु देशना गोलेछा का सम्मान कर अभिनन्दन किया गया। इस दौरान मुमुक्षु बहन ने कहा कि 14 दिसम्बर को चेन्नई के केसरवाड़ी में श्रमणी गणनायक, आचर्य श्रीमद विजय अभयशेखर सूरीश्वर जी के सान्निध्य में दीक्षा संपन्न होगी। इस अवसर पर सभी को आमंत्रित करते हुए कहा की दीक्षा जीवन का उद्धार करने का बहुत ही बड़ा अवसर है। विजय गोलेछा ने सभी सदस्यों से दीक्षा समारोह में भाग लेने का निवेदन किया। शाखा अध्यक्ष सुरेश मेहता ने कहा हुब्बल्ली दीक्षा की भूमि है और अनेको मुमुक्षु दीक्षा ग्रहण कर जैन धर्म का प्रचार प्रसार कर रहे है। शाखा के कार्यदर्शी प्रकाश पारेख, कोषाध्यक्ष अशोक ओस्तवाल ने भी अपने विचार रखे। इस अवसर पर सुभाष डंक सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

जीतो सदस्यों ने गुरु भगवंतों के दर्शन वंदन का लिया लाभ

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

बेंगलूरु के अलग अलग क्षेत्रों में विराजित गुरु भगवन्तों के दर्शन की श्रृंखला में बुधवार को जीतो टीम ने राजाजीनगर स्थानक में विराजित पंकजमुनिजी एवं वरुणमुनिजी के दर्शन वंदन का लाभ लिया।

मुनि पंकज ऋषि जी ने जीतो टीम को आशीर्वाद प्रदान करते हुए विहारधाम की सुविधाओं एवं मेडिकल कार्ड पंजीकरण की सराहना की।

साथ ही उन्हें इसी तरह समाज और आध्यात्मिक विकास के लिए कार्यरत रहने के लिए प्रेरित किया। जीतो के सह चेयरमैन कमल पुनमिया ने जीतो द्वारा हो रहे कार्यों के बारे में जानकारी दी, जिसमें श्रमण आरोग्यम जेटीएफ विहारधाम शामिल था। उन्होंने बताया संस्था जैन समाज में नई-नई योजना के माध्यम से समाज को लाभान्वित कर रही है। वही श्रमण आरोग्यम के संयोजक जैन दिनेश खिवेंसरा ने राजाजीनगर के ऐतिहासिक चातुर्मास पर बधाई दी एवं गुरुदेव से श्रमण आरोग्यम कार्ड बनाने की विनती की। इस अवसर पर राजाजीनगर स्थानक अध्यक्ष प्रकाश चाणोदिया, मंत्री नेमीचंद दलाल, पूर्व अध्यक्ष मिश्रीमल कटारिया, वरिष्ठ सदस्य प्यारेलाल तपरावत, राकेश दलाल एवं पारसमल भलगट उपस्थित थे।

जीतो बेंगलूरु नॉर्थ कमेटी की ओर से कोषाध्यक्ष नरेंद्र आच्छा, मंत्री अशोक भंडारी, मदन मुणोत, प्रीतेश जैन, कार्यकारिणी से नितेश गांधी, सुनील लोढ़ा, शेखर चोनोदिया, राकेश चौधरी, सुरेश कुमार कानूगा एवं सतीश पोरवाड़ भी मौजूद थे।

बाबा श्याम का जन्मोत्सव मनाया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

बन्नेरघट्टा नेशनल पार्क के सामने स्थित श्री खाटू श्याम मंदिर में कार्तिक मास की देवउठनी एकादशी पर बाबा श्याम का जन्मोत्सव मंदिर प्रांगण में धूमधाम से मनाया गया।

इस अवसर पर पूरे मंदिर परिसर को रंगबिरंगी रोशनी से सजाया गया व बाबा श्याम का फूलों से भव्य श्रृंगार किया गया। सुबह से ही श्याम भक्तों की दर्शन व निशान चढ़ाने की भीड़ लगी रही। सायं 4 बजे से भजन संध्या कार्यक्रम हुआ और बाबा श्याम का जन्मोत्सव मिल्क केक काटकर मनाया गया। उपस्थित भक्तों ने जय श्री श्याम के जयकारों से पूरे मन्दिर परिसर को श्याममय बना दिया।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। ध्रुवतारे मासिक पत्रिका द्वारा राजाजीनगर स्थित राघवेंद्र स्वामी मठ में आयोजित कार्यक्रम में समाज सेवा के लिए महेंद्र मुणोत को पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर ध्रुवतारे मासिक पत्रिका के पत्रकार, मठ के पदाधिकारी गणेश राव एवं अन्य उपस्थित थे।

कार्तिक पूर्णिमा के शुभ दिवस शत्रुंजय महातीर्थ भाव यात्रा कल

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुडी के तत्वावधान में सफलतम चातुर्मास सम्पन्न करने के पश्चात कृतज्ञता ज्ञापन समारोह का आयोजन शुक्रवार को प्रातः बसवनगुडी आराधना भवन में आयोजित होगा। ट्रस्ट के अध्यक्ष तेजराज मालानी ने बताया कि गच्छाधिपति युगदिवाकर, अवन्ती तीर्थोद्धारक आभ श्री जिनमणिप्रभसूरिश्वरजी के सुशिष्य मुनिराज श्री मलयप्रभसागरजी एवं साध्वीजीवर्या श्री प्रियस्वर्णांजनाजी के प्रति दादावाड़ी ट्रस्ट और समस्त संस्थाओं के पदाधिकारी साधु साध्वी जी भगवन्तों को चातुर्मास के दौरान इतनी सुन्दर ज्ञान, ध्यान, स्वाध्याय की आराधना करवाने हेतु अपनी कृतज्ञता व्यक्त करेंगे।

महामंत्री कुशलराज गुलेच्छा ने कहा कि यह हमारा कर्तव्य भी बनता है। गुरुदेव और गुरुवर्याजी, जिन्होंने चार माह में निरन्तर हमें इतनी सुन्दर आराधना करवाई है, उनके प्रति कृतज्ञता का भाव रखते हुए समारोह का आयोजन किया गया है। प्रवक्ता अरविन्द कोठारी ने जानकारी दी कि इससे पूर्व शुक्रवार को प्रातः भोर वेला में शत्रुंजय गिरिराज की भाव यात्रा और कार्तिक पूर्णिमा की आराधना करवाई जाएगी। ट्रस्ट के ललित डाकलिया ने जानकारी दी की गुरुदेव और गुरुवर्या जी का चातुर्मास परिवर्तन विहार शनिवार को प्रातः महावीर रिजेंसी त्यागराज नगर की ओर होगा।

प्रदेश की 3 सीटों पर शांतिपूर्ण हुआ मतदान

तीन विधानसभा क्षेत्रों के कुल 45 उम्मीदवारों की किस्मत का फैसला 23 को

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। चन्नपट्टना, शिग्गांव और संदूर विधानसभा क्षेत्रों के उपचुनाव के लिए बुधवार को हुए मतदान, जो सत्तारूढ़ और विपक्षी दलों के युद्ध के मैदान हैं, ज्यादातर शांतिपूर्ण रहे। मतदान सुबह 7 बजे से शुरू हुआ और तीनों निर्वाचन क्षेत्रों में वोट डालने के लिए मतदान केंद्रों के पास मतदाताओं की कतार लगने का दृश्य लगभग आम था। सुबह से ही वोटिंग जोरों पर थी। स्वतंत्र और शांतिपूर्ण मतदान के लिए मतदान केंद्रों पर पर्याप्त पुलिस उपस्थिति उपलब्ध कराई गई थी। मतदाताओं ने मतदान कर तीन विधानसभा क्षेत्रों के कुल 45 उम्मीदवारों की किस्मत का फैसला कर दिया है। वोटिंग मशीन के नतीजों के लिए उम्मीदवारों को 23 नवंबर तक इंतजार करना होगा।

इस उपचुनाव में पूर्व मुख्यमंत्री एचडी कुमारस्वामी के बेटे निखिल कुमारस्वामी, बसवराज बोम्मई के बेटे भरत बोम्मई, सांसद ई. तुकाराम की पत्नी ई. अन्नपूर्णा, भाजपा उम्मीदवार बंगारू हनुमंतु, पूर्व मंत्री सीपी योगेश्वर की राजनीतिक किस्मत छिपी है। राज्य का मिनी महासमर माना जाने वाला चन्नपट्टना विधानसभा उपचुनाव विपक्षी दलों जद (एस) और भाजपा की प्रतिष्ठा की लड़ाई का मैदान है।

चन्नपट्टना विधानसभा क्षेत्र में एनडीए उम्मीदवार निखिल कुमारस्वामी और कांग्रेस उम्मीदवार सीपी योगेश्वर सहित अधिकतम 31 उम्मीदवार मैदान में हैं। इस निर्वाचन क्षेत्र में 1,12,324 पुरुष, 1,20,617 महिला और 8 तृतीय लिंग मतदाताओं सहित कुल 2,32,949 मतदाता मतदान करने के पात्र थे। शिग्गांव निर्वाचन क्षेत्र में भाजपा उम्मीदवार भरत बोम्मई और कांग्रेस उम्मीदवार पठान यासिर अहमद खान सहित कुल 8 उम्मीदवारों ने चुनाव लड़ा। इस निर्वाचन क्षेत्र में 1,21,443 पुरुष, 1,16,076 महिला और 6 तृतीय लिंग मतदाताओं सहित कुल 2,37,525 मतदाता हैं। संदूर विधानसभा क्षेत्र में भाजपा उम्मीदवार बंगारू हनुमंतु और कांग्रेस उम्मीदवार ई. अन्नपूर्णा सहित कुल 6 उम्मीदवार मैदान में हैं।

इस निर्वाचन क्षेत्र में 1,17,885 पुरुष, 1,18,435 महिला और 29 तृतीय लिंग मतदाताओं सहित कुल 2,36,349 मतदाता मतदान करने के पात्र हैं। प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में महिलाओं द्वारा संचालित 5 सखी मतदान केंद्र, एक युवा मतदान केंद्र, दिव्यांगों द्वारा संचालित 1 मतदान केंद्र, 1 विषयगत मतदान केंद्र स्थापित किए गए थे। चन्नपट्टना निर्वाचन क्षेत्र में 208, शिग्गांव में 196 और संदूर में 153 मतदान केंद्र खोले गए। चन्नपट्टना के 276, शिग्गांव के 121 और संदूर के 127 मतदान केंद्रों पर वेबकास्टिंग की गई। इस उपचुनाव में महिलाएं और युवा मतदाता उत्साहपूर्वक मतदान करने के लिए मतदान केंद्र पर पहुंचे। मतदान कर्मियों ने मतदान करने आए बुजुर्गों को व्हीलचेयर उपलब्ध कराकर मतदान की सुविधा प्रदान की। चन्नपट्टना चक्करे मतदान केंद्र पर गौरमा नाम की 85 वर्षीय महिला व्हीलचेयर पर पहुंची और अपना वोट डाला।

सुबह डोड्डामलूर गांव के मतदान केंद्र पर बड़ी संख्या में महिलाओं ने आकर मतदान किया। शिग्गांव के मतदान केंद्र 99 पर बड़ी संख्या में महिला मतदाता कतार में लगकर वोट डालती नजर आईं। मतदाताओं को मतदान की सुविधा देने के लिए तीनों निर्वाचन क्षेत्रों में छुट्टी दी गई थी। सुबह ग्रामीण इलाकों में मतदान तेज रहा, जबकि शहरी इलाकों में मतदान थोड़ा धीमा रहा।

चन्नपट्टना विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र की गिनती सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेज, रामनगर में होगी, शिग्गांव निर्वाचन क्षेत्र की गिनती सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेज, हावेरी जिला, देवगिरी में होगी। जबकि संदूर निर्वाचन क्षेत्र की गिनती सरकारी पॉलिटेक्निक कॉलेज, बेल्लारी में होगी। परिणाम उसी दिन घोषित किया जाएगा। मतदान समाप्ति के बाद मतगणना केंद्रों के सभी वोटिंग मशीनें स्ट्रांग रूम में रखी गई, जहां कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई है।

राज्य की तीनों सीटों पर शांतिपूर्वक हुआ मतदान : हितेंद्र

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कानून एवं व्यवस्था विभाग के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक हितेंद्र ने कहा कि राज्य में तीन विधानसभा क्षेत्रों के उपचुनाव शांतिपूर्ण हुए। बुधवार शाम को पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने बताया कि सबसे ज्यादा पुलिस की मौजूदगी चन्नपट्टना विधानसभा क्षेत्र में की गई। छिटपुट घटनाओं के अलावा कोई अप्रिय घटना नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि मतदान बहुत शांतिपूर्वक चला। जिले के एसपी जहां विधानसभा क्षेत्र में तैनात हैं, वहीं अन्य पुलिस अधिकारी गश्त पर हैं। उन्होंने बताया कि सुरक्षा के लिए स्थानीय पुलिस के साथ केंद्रीय बलों की 18 कंपनियां तैनात की गई हैं।

विधायक ने कार से उतर कर यातायात किया नियंत्रित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। केआर पुरम विधानसभा क्षेत्र में ट्रैफिक की समस्या को हल करने के लिए विधायक बैरती बसवराज ने खुद सड़क पर खड़े होकर ट्रैफिक पुलिसकर्मी की तरह काम किया और ट्रैफिक जाम खुलवाया। जब वे केआर पुरम में आईटीआई के पास काम पर जा रहे थे तो जाम लग गया और काफी देर तक इंतजार करने के बाद भी समस्या का समाधान नहीं हुआ। जिसके बाद वे खुद कार से उतरकर आईटीआई सर्किल के पास पहुंचे और वाहनों को एक तरफ भेजकर जाम खुलवाया। यहां पर ट्रैफिक पुलिस कर्मियों की कमी के कारण ट्रैफिक की समस्या थी। केआर पुरम ट्रैफिक समस्या के समाधान के लिए आईटीआई से मेदाहल्ली तक फ्लाईओवर की जरूरत है, जिसे कांग्रेस सरकार ने रोक दिया है। उन्होंने कहा कि अगर यह पुल आ गया तो यातायात में कोई परेशानी नहीं होगी। उन्होंने लोगों से अपील की कि भले ही देर हो जाए लेकिन यातायात नियमों का पालन करें।

पूर्वोत्तर मानसून के दौरान तटीय क्षेत्र में लक्ष्य से अधिक हुई बारिश

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। पूर्वोत्तर मानसून में हाल ही में आई सुस्ती के बावजूद, तटीय क्षेत्र ने इस मौसम के लिए अपने अपेक्षित वर्षा लक्ष्य को पार कर लिया है। इसे केवल एक महीने के भीतर हासिल कर लिया है।

आमतौर पर, तटीय क्षेत्र में पूर्वोत्तर मानसून अवधि के दौरान औसतन 259.4 मिमी वर्षा होती है, जो 1 अक्टूबर से दिसंबर के अंत तक होती है।

हालांकि, अब तक, क्षेत्र में 308.9 मिमी वर्षा दर्ज की गई है, जो औसत की तुलना में 41 प्रतिशत अधिक है। 1 अक्टूबर से विभिन्न तटीय क्षेत्रों में वर्षा की तुलना में महत्वपूर्ण भिन्नता दिखाई देती है। बेल्टांगडी (23 प्रतिशत), बंटवाल (6 प्रतिशत), मेंगलूरु (35 प्रतिशत), पुत्तूर (16 प्रतिशत), सुल्लिया (30 प्रतिशत), मूदबिद्री (23 प्रतिशत) और कडाबा (33 प्रतिशत) ने औसत से अधिक वर्षा दर्ज की है। इसके विपरीत, मुल्की (-37 प्रतिशत), उल्लाल (-23 प्रतिशत), ब्रह्मवर (-8 प्रतिशत) और कौप (-41 प्रतिशत) में कमी देखी गई है। उडुपी जिले के करकला (10 प्रतिशत), कुंडापुरा (112 प्रतिशत), उडुपी (17 प्रतिशत), बिंदूर (66 प्रतिशत) और हेब्री (92 प्रतिशत) में वर्षा में वृद्धि देखी गई। इस साल की शुरुआत में दक्षिण-पश्चिम मानसून भी मजबूत रहा था, जिसमें औसत वर्षा से 20 प्रतिशत अधिक बारिश हुई थी।

अक्टूबर में पूर्वोत्तर मानसून की शुरुआत के साथ ही तटीय क्षेत्र में लगातार और पर्याप्त बारिश हुई। पूर्वोत्तर मानसून अवधि के दौरान, तटीय क्षेत्र में पिछले कुछ वर्षों में वर्षा में अलग-अलग रुझान देखे गए हैं। 2016 में, वर्षा औसत से काफी कम थी, जिसमें 57 प्रतिशत की कमी थी। अगले वर्षों में भी कमी देखी गई, 2017 में 25 प्रतिशत और 2018 में 28 प्रतिशत की कमी हुई।

हालांकि, 2019 में तेज वृद्धि दर्ज की गई, जिसमें औसत वर्षा से 124 प्रतिशत अधिक दर्ज की गई। यह प्रवृत्ति 2020 में औसत से 27 प्रतिशत अधिक और 2021 में 122 प्रतिशत अधिक रही। हालांकि, वर्ष 2022 में 14 प्रतिशत की कमी के साथ एक और गिरावट देखी गई। 2023 में, वर्षा औसत से थोड़ी अधिक 6 प्रतिशत रही।

12 नवंबर 2024 तक, इस क्षेत्र में वर्षा में 41 प्रतिशत की पर्याप्त वृद्धि दर्ज की गई है, जो इस वर्ष एक मजबूत पूर्वोत्तर मानसून के मौसम का संकेत है। इस वर्ष, तटीय क्षेत्र में पूर्वोत्तर मानसून के दौरान वर्षा में असाधारण वृद्धि देखी गई है, जो पिछले वर्षों की तुलना में एक महत्वपूर्ण बदलाव है।

आबकारी निधि के आरोप का मामला

क्या प्रधानमंत्री मोदी गलत साबित होने पर इस्तीफा दे देंगे? सीएम सिद्धरामैया

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राज्य के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से पूछा कि अगर आबकारी विभाग में 700 करोड़ रुपये के भ्रष्टाचार के आरोप साबित नहीं होते हैं तो क्या वह प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे देंगे। सिद्धरामैया ने कहा कि अगर आबकारी विभाग में एक रुपये का भी भ्रष्टाचार साबित हो जाता है तो वह राजनीति से संन्यास ले लेंगे। उन्होंने सवाल किया कि अगर यह साबित नहीं होता है तो क्या प्रधानमंत्री भी ऐसा ही करेंगे। कर्नाटक में भ्रष्टाचार के आरोपों के बारे में महाराष्ट्र में अपने चुनावी भाषण के दौरान पीएम नरेंद्र मोदी के बयान के बारे में मीडियाकर्मियों के एक सवाल का जवाब देते हुए सिद्धरामैया ने कहा हमने कोई भ्रष्टाचार नहीं किया है और हम ऐसा नहीं करेंगे। यह पिछली भाजपा के नेतृत्व वाली राज्य सरकार थी जिसने बहुत भ्रष्टाचार किया था और इसके सबूत हैं। कोविड महामारी के दौरान पीपीई किट की खरीद में उनके द्वारा किए गए भ्रष्टाचार पर सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति डॉ कुन्हा आयोग की एक रिपोर्ट है। उन्होंने प्रत्येक किट को 2140 रुपये की लागत से खरीदा था, जबकि इसकी वास्तविक दर सिर्फ 330 रुपये थी। पीएम मोदी इस बारे में क्या कहेंगे? उन्होंने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने चुनावी भाषणों में कर्नाटक और सिद्धरामैया पर निशाना साध रहे हैं, क्योंकि यह एक बड़ा राज्य है और विधानसभा चुनाव में 136 भाजपा नेता हार गए हैं। रायचूर के सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी एमपी कुमार नायक के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय की जांच के बारे में उन्होंने कहा उन्हें कानून के अनुसार जांच करने दें। हम उनके रास्ते में नहीं आते। मैं इस पर टिप्पणी नहीं करूंगा। मैं बस इतना कह सकता हूं कि वे झूठे मामलों की जांच कर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें विधानसभा उपचुनाव में तीनों सीटें जीतने का भरोसा है। एच डी कुमारस्वामी पर मंत्री जमीर अहमद खान की टिप्पणी के बारे में उन्होंने कहा वे सगे-संबंधी थे। मुझे उनके रिश्ते के बारे में नहीं पता। जमीर ने पहले ही स्पष्ट कर दिया है। मैं इस पर टिप्पणी नहीं करूंगा। पूर्व सांसद एच डी देवेगौड़ा का सत्तारूढ़ मुख्यमंत्री पर टिप्पणी करना कैसे सही था, जिन्होंने कहा था कि वे सिद्धरामैया के अहंकार को तोड़ देंगे। सरकारी कामों में मुस्लिम ठेकेदारों के लिए आरक्षण के प्रस्ताव के आरोपों पर उन्होंने कहा इसकी मांग की जा रही है, लेकिन इस संबंध में कोई निर्णय नहीं लिया गया है। उन्होंने आगे कहा कि भाजपा नेता सांप्रदायिकता को बढ़ावा देते हैं और विभिन्न समुदायों के बीच संघर्ष को भड़काते हैं। वे नहीं चाहते कि लोग शांति और भाईचारे के साथ रहें। नागेंद्र को फिर से मंत्री बनाए जाने पर सीएम ने कहा जब लोगों ने एच डी कोटे में एक समारोह में इसके बारे में पूछा, तो मैंने केवल विधानसभा उपचुनाव के बाद इसका आकलन करने की बात कही थी। इससे पहले मुख्यमंत्री ने रविवार रात हावेरी जिले के शिग्गांव में एक चुनावी रैली में कहा था कि मुझे यह देखकर आश्चर्य होता है कि देश के प्रधानमंत्री इतना झूठ बोलते हैं। महाराष्ट्र में कहीं प्रचार करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा था कि कर्नाटक में कांग्रेस ने महाराष्ट्र, झारखंड भेजने और उपचुनावों पर खर्च करने के लिए आबकारी विभाग के माध्यम से 700 करोड़ रुपये एकत्र किए हैं। सीएम ने कहा मैं आज नरेंद्र मोदी को चुनौती देता हूं कि अगर वह इन आरोपों को साबित कर पाए तो मैं राजनीति से संन्यास ले लूंगा। अगर आप ऐसा नहीं कर सकते तो आपको रिटायर हो जाना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि जब प्रधानमंत्री इस तरह के आरोप लगाते हैं तो उन्हें सच सामने लाना चाहिए। मगर यह आरोप इससे काफी दूर हैं। भारत में इस तरह पहले कभी कोई प्रधानमंत्री नहीं देखा गया, जो इतना झूठ बोलता हो।

उपचुनाव में कांग्रेस तीनों सीटें जीतेगी

मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने भरोसा जताया कि कांग्रेस पार्टी राज्य की तीनों सीटों पर उपचुनाव जीतेगी। मीडिया से बात करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्हें उपचुनाव में पार्टी की जीत का सौ फीसदी भरोसा है। मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) मामले में ईडी की जांच के बारे में सिद्धरामैया ने कहा कि सरकार कानूनी तरीके से की गई किसी भी जांच का विरोध नहीं करेगी। हालांकि, सीएम सिद्धरामैया ने ईडी की जांच की निष्पक्षता पर टिप्पणी करने से परहेज किया। उन्होंने कहा जांच झूठे आरोपों पर आधारित है।

बांदीपुर में रात्रि यातायात प्रतिबंध में ढील देने का कोई प्रस्ताव नहीं: सीएम

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने कहा कि बांदीपुर से होकर रात्रि यातायात प्रतिबंध हटाने या कम करने का कोई प्रस्ताव राज्य सरकार के समक्ष नहीं है। यहां मीडियाकर्मियों से बात करते हुए सिद्धरामैया ने कहा कि न तो सरकार के स्तर पर कोई चर्चा हुई है और न ही उनके समक्ष ऐसा कोई प्रस्ताव है। जब उनसे कहा गया कि उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने केरल के वायनाड में ऐसा बयान दिया था, तो सिद्धरामैया ने कहा कि यह सवाल उनसे नहीं बल्कि शिवकुमार से पूछा जाना चाहिए। शिवकुमार ने कहा था कि सरकार बांदीपुर से होकर रात्रि यातायात प्रतिबंध हटाने के लिए हर संभव कदम उठाएगी, जिससे कर्नाटक में वन्यजीव संरक्षणवादियों में रोष फैल गया था। उन्होंने इस मुद्दे पर उपमुख्यमंत्री के रुख पर सवाल उठाया था और कहा था कि कर्नाटक उच्च न्यायालय ने भी रात्रि यातायात प्रतिबंध को बरकरार रखा है। शिवकुमार की टिप्पणी पर राजनीतिक प्रतिक्रिया शुरू हो गई थी और विपक्ष ने उपमुख्यमंत्री पर निशाना साधा था। मैसूरु के सांसद और भाजपा नेता यदुवीर कृष्णदत्त चामराजा वाडियार ने सोशल मीडिया पर टिप्पणी की थी कि बांदीपुर के वन्यजीवों को संरक्षण मिलना चाहिए, न कि राजनीतिक समझौतों की। कर्नाटक के पारिस्थितिकीय खजाने को चुनावी लाभ के लिए बलिदान नहीं किया जाना चाहिए। कर्नाटक के अन्य भाजपा नेताओं ने भी बांदीपुर में रात्रि यातायात को आसान बनाने के बारे में शिवकुमार की टिप्पणी की आलोचना की थी।

शुभ लाभ DAILY

प्रशंसक की हत्या मामला

मैंने दर्शन की जमानत के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अपील के लिए सहमति दे दी : गृह मंत्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक के गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने बुधवार को कहा कि उन्होंने कन्नड़ सुपरस्टार के प्रशंसक की हत्या के सनसनीखेज मामले में दर्शन को जमानत दिए जाने के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अपील दायर करने के लिए सहमति दे दी है। बेंगलूरु में पत्रकारों से बात करते हुए गृह मंत्री परमेश्वर ने कहा पुलिस ने चिकित्सा आधार पर दर्शन की जमानत पर सवाल उठाते हुए सुप्रीम कोर्ट में अपील करने के लिए गृह विभाग से अनुमति मांगी है। उन्होंने कहा गृह विभाग के सचिव सर्वोच्च न्यायालय में अपील करने के बारे में फैसला करेंगे। यह पूछे जाने पर कि क्या अपील करने के लिए अनुमति में देरी हो रही है, परमेश्वर ने कहा कि अपील याचिका दायर करने का निर्णय लेने में कोई देरी नहीं है। मैंने गृह विभाग के सचिव को यह भी बताया है कि अगर वे दर्शन के मामले में उच्च न्यायालय में अपील करना चाहते हैं तो वे ऐसा कर सकते हैं। उन्होंने कहा इन मामलों में प्रक्रियाओं की अनदेखी नहीं की जा सकती। कानून और गृह विभाग को इस पर फैसला लेना होगा। 131 दिनों तक जेल में बंद कन्नड़ अभिनेता दर्शन को 30 अक्टूबर को कर्नाटक उच्च न्यायालय द्वारा प्रशंसक हत्या मामले में चिकित्सा आधार पर छह सप्ताह के लिए सशर्त जमानत दिए जाने के बाद जेल से रिहा कर दिया गया। पीठ ने कहा कि चिकित्सा उपचार प्राप्त करना विचाराधीन कैदी का अधिकार है और गंभीर पीठ दर्द के इलाज के लिए अंतरिम जमानत दी। विशेष लोक अभियोजक (एसपीपी) प्रसन्न कुमार की दलील के अनुसार पीठ ने अभिनेता का पासपोर्ट जब्त करने का निर्देश दिया है। यह प्रस्तुत किया गया कि दर्शन को पीठ में गंभीर दर्द हो रहा है और एल5 और एस1 के बीच की डिस्क उभरी हुई है। अदालत को यह प्रस्तुत किया गया कि वह एक चिकित्सा आपात स्थिति का सामना कर रहे थे। दर्शन 2022-23 से इस संबंध में उपचार करा रहे हैं और अदालत को सभी रिकॉर्ड दिए गए। उच्च न्यायालय की पीठ ने दर्शन को अपनी पसंद के अस्पताल में इलाज कराने की अनुमति दी है। उनसे सात दिनों के भीतर अपने उपचार का विवरण और रिपोर्ट प्रस्तुत करने को भी कहा गया है। दर्शन, उनकी साथी पवित्रा गौड़ा और 15 अन्य को 11 जून को चित्रदुर्ग से रेणुकास्वामी का अपहरण करने और बेरहमी से हत्या करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। रेणुकास्वामी ने कथित तौर पर पवित्रा गौड़ा को अपमानजनक और अश्लील संदेश भेजे थे क्योंकि वह शादीशुदा होने के बावजूद पवित्रा गौड़ा के साथ अभिनेता के रिश्ते से नाराज थे। बेंगलूरु सेंट्रल जेल में उनके साथ शाही व्यवहार की तस्वीरें सामने आने के बाद दर्शन को बल्लारी जेल में स्थानांतरित कर दिया गया था। इस संबंध में उनके खिलाफ तीन एफआईआर दर्ज हैं। पुलिस ने प्रशंसक हत्या मामले में 4 सितंबर को 3,991 पन्नों की चार्जशीट दाखिल की।

कूरियर घोटाले के नाम पर व्यक्ति को 20 लाख रुपए का चूना

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो। एक व्यक्ति को उस वक्त 20 लाख रुपए का चूना लगा, जब एक दूसरे व्यक्ति ने खुद को कूरियर सेवा देने वाला बताकर दावा किया कि उसके द्वारा भेजे गए पार्सल में प्रतिबंधित सामान है। माल्पे पुलिस को दी गई शिकायत में पीड़ित धनुष ने कहा कि 7 नवंबर को शाम 4:52 बजे फेडएक्स से होने का दावा करने वाले आकाश वर्मा नामक व्यक्ति ने कूरियर प्रतिनिधि बनकर उसे फोन किया। कॉल करने वाले ने धनुष को बताया कि उसने जो पार्सल भेजा है, उसमें दो किलो कपड़े, चार एक्सपायर हो चुके पासपोर्ट, चार डेबिट कार्ड, एक लैपटॉप और 420 ग्राम एमडीएमए ड्रग्स हैं। कॉल करने वाले ने दावा किया कि यह पैकेज मुंबई में एनसीबी के पास है और यह अरमान अली नामक व्यक्ति को भेजा गया है। कॉल करने वाले ने बाद में धनुष को पुलिस क्लीयरेंस के लिए स्काइप वीडियो कॉल में शामिल होने का निर्देश दिया, जिसके दौरान उसे सत्यापन के लिए अपने आधार कार्ड और बैंक स्टेटमेंट की प्रतियां जमा करने के लिए कहा गया। दस्तावेजों की पुष्टि करने के बहाने, कॉलर ने धनुष के आईसीआईसीआई बैंक आईमोबाइल ऐप तक पहुंच प्राप्त की और उन्हें जालसाज द्वारा बताए गए खाते में 20 लाख रुपये की व्यक्तिगत ऋण राशि स्थानांतरित करने का निर्देश दिया। निर्देशों का पालन करते हुए, धनुष ने कुल 20 लाख रुपये स्थानांतरित कर दिए और बाद में उन्हें एहसास हुआ कि उनके साथ धोखाधड़ी हुई है। शिकायत के आधार पर मालपे पुलिस ने आईटी एक्ट की धारा 66(सी) और 66(डी) तथा धारा 318(3) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया है। जांच जारी है। एक अन्य मामले में उडुपी में पार्ट-टाइम जॉब के नाम पर एक महिला ने 1,94,529 रुपए गंवा दिए। उडुपी सीईएन स्टेशन में दर्ज शिकायत में अर्चना ने बताया कि उसने ऑनलाइन पार्ट-टाइम जॉब के अवसरों की खोज की और इंस्टाग्राम पर ऐसी जॉब के बारे में एक लिंक पर क्लिक किया। इसके बाद उसे व्हाट्सऐप पर अमेजन फ्रेशर्स जॉब इन इंडिया नाम से पार्ट-टाइम जॉब ऑफर करने वाले मैसेज मिले, जिसमें टास्क पूरा करने और पैसे निवेश करने के बदले में मुनाफा देने का वादा किया गया था। उन पर विश्वास करके अर्चना जालसाजों द्वारा उपलब्ध कराए गए विभिन्न यूपीआई आईडी पर फंड ट्रांसफर करने के लिए राजी हो गई। 18 अक्टूबर से 24 अक्टूबर के बीच उसने कुल 1,94,529 रुपए ट्रांसफर किए। हालांकि, जब उसे वादा किए गए रिटर्न नहीं मिले, तो उसे एहसास हुआ कि उसके साथ धोखाधड़ी हुई है। आईटी अधिनियम की धारा 66 (सी) और 66 (डी) और धारा 318 (4) बीएनएस के तहत शिकायत दर्ज की गई है।

लिफ्ट के दरवाजे और शाफ्ट के बीच फंसने से व्यक्ति की मौत

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। रिचमंड रोड पर एक व्यावसायिक इमारत में लिफ्ट के दरवाजे और शाफ्ट की दीवार के बीच फंसने से 52 वर्षीय लक्ष्मण प्रमाणिक की मौत हो गई। उन्हें गंभीर चोटें आईं और उन्हें माल्या रोड स्थित वैदेही अस्पताल ले जाया गया, जहां बाद में उनकी मौत हो गई। 52 वर्षीय लक्ष्मण पश्चिम बंगाल के रहने वाले थे और पिछले 26 वर्षों से व्यावसायिक इमारत में स्थित एक आभूषण की दुकान में काम कर रहे थे। सूत्रों के अनुसार, यह घटना 12 नवंबर को दोपहर करीब 12.30 बजे हुई। लक्ष्मण दरवाजे बंद होने के दौरान लिफ्ट में प्रवेश करने का प्रयास कर रहे थे।

जब वह फंस गए, तो लिफ्ट ऊपर की ओर बढ़ गई, जिससे वह लिफ्ट और शाफ्ट की दीवार के बीच फंस गए। लिफ्ट के अंदर मौजूद एक पुरुष और एक महिला ने दुर्घटना को देखकर मदद के लिए चिल्लाया। अवरोध के कारण लिफ्ट पहली मंजिल पर रुक गई, लेकिन उसके दरवाजे जाम हो गए, जिससे लक्ष्मण शाफ्ट में फंस गया। मौके पर दमकल कर्मी और पास के अस्पताल से एक डॉक्टर पहुंचे, जिन्होंने फंसे हुए लोगों को ऑक्सीजन दी और उन्हें आराम देने की कोशिश की। दमकलकर्मियों ने गैस वेल्डर का इस्तेमाल करके जाम हुए लिफ्ट के दरवाजे खोले और एक घंटे से ज्यादा समय बाद लक्ष्मण को बाहर निकाला। दुर्भाग्य से, अस्पताल पहुँचने के कुछ समय बाद ही उनकी मौत हो गई। लक्ष्मण के परिवार में उनकी पत्नी और दो बेटे हैं। वह 26 साल से इसी बिल्डिंग में स्थित एक ज्वैलरी स्टोर में काम कर रहे थे। उनके परिवार की शिकायत के बाद अशोक नगर पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 109 (लापरवाही के कारण मौत) के तहत मामला दर्ज किया।

शिग्गांव के सावनूर में कुछ निवासियों ने मतदान का किया बहिष्कार

हावेरी/शुभ लाभ ब्यूरो। सावनूर के दांडिनपेट में रहने वाले कुछ परिवारों ने उन्हें अधिभोग अधिकार का रिकॉर्ड नहीं दिए जाने के विरोध में शिग्गांव में मतदान का बहिष्कार किया।

अधिकारियों द्वारा उन्हें समझाने के प्रयासों के बावजूद उन्होंने बहिष्कार किया। निवासियों ने कहा कि वे पिछले 70 वर्षों से दांडिनपेट में रह रहे हैं। हालांकि, उन्हें अधिभोग अधिकार का रिकॉर्ड देने के बजाय, राजस्व विभाग ने जमीन अंजुमन-ए-इस्लाम को दे दी थी और इसलिए उन्होंने मतदान न करने का फैसला किया। निवासी हिंदू और मुस्लिम दोनों समुदायों से हैं और उन्होंने अपने फैसले का कारण बताते हुए चुनाव का बहिष्कार करने वाला बैनर लगाया है। संपर्क करने पर, हावेरी के डिप्टी कमिश्नर विजयमहंतेश दानमन्नावर ने बताया कि यह मुद्दा कुछ दिनों पहले उनके संज्ञान में आया था और तहसीलदार और अन्य लोग उन्हें समझाने गए थे। उन्होंने कहा अधिकारियों से बातचीत के बाद वे विरोध वापस लेने के लिए लगभग राजी हो गए हैं। इलाके में करीब 42 परिवार हैं और मेरी जानकारी के अनुसार, छह या सात परिवारों को छोड़कर बाकी ने अधिकारियों द्वारा मनाए जाने के बाद मतदान में भाग लिया है। डिप्टी कमिश्नर ने यह भी कहा कि इस मुद्दे से संबंधित एक मामला कर्नाटक उच्च न्यायालय में लंबित है।

अमेरिका से आकर अपने मताधिकार का किया प्रयोग

हावेरी/शुभ लाभ ब्यूरो। शिग्गांव उपचुनाव के दौरान अमेरिका से आई एक युवा महिला ने मतदान कर ध्यान आकर्षित किया। अनुषा, जो मंगलवार रात अपनी मां के साथ अमेरिका से आई थी, शिग्गांव के ममलेदेसाई स्कूल पहुंची और मतदान किया। इस लिहाज से वह युवाओं के लिए एक आदर्श बनी। मतदान के बाद पत्रकारों से बातचीत में अनुषा ने कहा मैं अमेरिका के टेक्सास राज्य में हूं। यह मेरा सोभाग्य है। अनिवार्य मतदान हर किसी का अधिकार है। उन्होंने कहा कि अब वे वोट दे चुकी हैं और वापस जाने की तैयारी कर रही हैं। यह हम सभी का कर्तव्य है कि हम नेतृत्व गुणों वाले व्यक्ति को चुनें। उन्होंने कहा कि यह सोच कर वोट किया कि ऐसा व्यक्ति निर्वाचित होगा तो हमारे क्षेत्र का उत्थान होगा।

दीवाली स्नेह मिलन सह मासिक सभा आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। घर घर भक्ति हर घर भक्ति के नारे तले स्थापित बेंगलूरु माँ सुसवाणी महिला मंडल की दीवाली स्नेह मिलन सह मासिक सभा के साथ माताजी की चौकी तथा भक्ति का आयोजन शकुन्तलादेवी, मगनराज सुराना के कॉटनपेट स्थित निवास स्थान पर किया गया। मंडल सदस्यों के पारंपरिक वेशभूषा में अंताक्षरी सहित अनेक कार्यक्रम और भक्ति गीतों से प्रारंभ हुए चौकी मंडल का मासिक सभा के साथ समापन हुआ।

भक्ति में अनेक लोकप्रिय गीतो की गंगा बही। संस्थापिका अध्यक्ष संगीता विजय कुमार सुराना ने मंडल के आगामी कार्य योजना को विस्तार से बताया। जिसे सभा ने सर्व सम्मति से पारित किया। संरक्षिका दुर्गा देवराज सुराना ने मंडल विस्तार की सलाह देते हुए कार्य योजना पर प्रकाश डाला। सचिव हेमलता ने कार्यक्रम के सफलतापूर्वक सम्पन्न होने पर संतोष व्यक्त कर सभी का आभार जताया। इस अवसर पर गुणवंती सुराना, मधु सुराना, इन्द्रा सुराना, पुष्पा सुराना, मीना दुग्गड, रश्मि सुराना, काजल सुराना सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे।

***बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।** ओकिनावा ड्रैगन मार्शल आर्ट शॉटोकन सिटी द्वारा डॉ. राजकुमार ऑडिटोरियम बेंगलूरु में राष्ट्र स्तरीय ओपन कराटे चैंपियनशिप 2024 का आयोजन किया गया। क्षेत्र के विधायक गोपालैय्या ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। प्रतियोगिता में 250 से भी ज्यादा विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। विजेता प्रतिभागियों को मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने पुरस्कृत किया। संस्था के अध्यक्ष दिलीप कुमार एवं उपाध्यक्ष कविता शेट्टी ने अतिथियों को सम्मानित किया।*

केएसआरटीसी बेंगलूरु-सबरीमाला के बीच बसों का करेगा संचालन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक राज्य सड़क परिवहन निगम (केएसआरटीसी) ने बेंगलूरु और केरल में सबरीमाला तीर्थयात्रा के लिए आधार बिंदु निलक्कल के बीच एक नई वोल्वो बस सेवा की घोषणा की है। इस पहल का उद्देश्य सबरीमाला जाने वाले भक्तों के लिए अधिक सुविधाजनक यात्रा विकल्प प्रदान करना है। एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार यह सेवा 29 नवंबर, 2024 को शुरू होगी। वोल्वो बस दोपहर 1:50 बजे बेंगलूरु के शांतिनगर बस स्टेशन से रवाना होगी और अगले दिन सुबह 6:45 बजे निलक्कल पहुँचेगी। निलक्कल से वापसी की यात्रा शाम 6 बजे रवाना होगी और अगले दिन सुबह 10 बजे बेंगलूरु पहुँचेगी।

एकतरफा यात्रा के लिए टिकट की कीमत प्रति यात्री 1,750 निर्धारित की गई है।

कोर्ट ने वाल्मीकि निगम घोटाला मामले पर यूनियन बैंक की याचिका खारिज की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने बुधवार को यूनियन बैंक ऑफ इंडिया द्वारा दायर याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें सरकार को कर्नाटक महर्षि वाल्मीकि अनुसूचित जनजाति विकास निगम लिमिटेड से संबंधित कथित घोटाले की जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को सौंपने का निर्देश देने की मांग की गई थी। न्यायमूर्ति एम. नागप्रसन्ना की एकल पीठ ने मौखिक रूप से फैसला सुनाते हुए कहा मैंने धारा 35ए (बैंकिंग विनियमन अधिनियम) की व्याख्या को सीबीआई को सौंपने का आधार नहीं माना है।

अगर मैं इसकी अनुमति देता हूं तो हर बैंकिंग संस्थान पूछ सकता है। डीएसपी अधिनियम निरर्थक हो सकता है। उच्च न्यायालय ने पहले 30 सितंबर को दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था, विशेष रूप से इस बात पर कि क्या बैंक की याचिका अनुच्छेद 131 के तहत सर्वोच्च न्यायालय द्वारा विचार किए जाने की शर्तों को पूरा करती है, और क्या धारा 35ए दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना अधिनियम का उल्लंघन किए बिना सीबीआई को सौंपने को उचित ठहराती है। कर्नाटक सरकार ने बैंक की याचिका का विरोध करते हुए तर्क दिया कि राज्य पुलिस के पास मामले पर अधिकार है और केंद्र सरकार इस अधिकार क्षेत्र को खत्म नहीं कर सकती। राज्य का प्रतिनिधित्व करने वाले वरिष्ठ अधिवक्ता बी.वी. आचार्य ने तर्क दिया कि जांच करने की शक्ति राज्य पुलिस का वैधानिक अधिकार है और इसमें केंद्र का हस्तक्षेप नहीं हो सकता। उन्होंने यह भी तर्क दिया कि इस मामले को उच्च न्यायालय के बजाय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा संबोधित किया जाना चाहिए, क्योंकि इसमें केंद्र और राज्य सरकारों के बीच अधिकार क्षेत्र शामिल है। यह घोटाला तब सामने आया जब निगम के अधीक्षक चंद्रशेखरन ने आत्महत्या कर ली। उन्होंने एक नोट छोड़ा जिसमें करोड़ों के भ्रष्टाचार का आरोप लगाया गया था और कई अधिकारियों के नाम लिए गए थे। इसके बाद, अनुसूचित जनजाति कल्याण मंत्री बी. नागेंद्र ने इस्तीफा दे दिया और बाद में प्रवर्तन निदेशालय ने उन्हें हिरासत में ले लिया। 29 मई को, निगम के प्रबंध निदेशक ए. राजशेखर ने एक औपचारिक शिकायत दर्ज कराई जिसमें आर-ोप लगाया गया कि यूनियन बैंक ऑफ इंडिया में निगम के खाते से फर्जी बोर्ड प्रस्तावों के माध्यम से 94.73 करोड़ रुपये अवैध रूप से निकाले गए थे।

जन्मोत्सव समारोह को ऐतिहासिक बनाने को लेकर हुई चर्चा

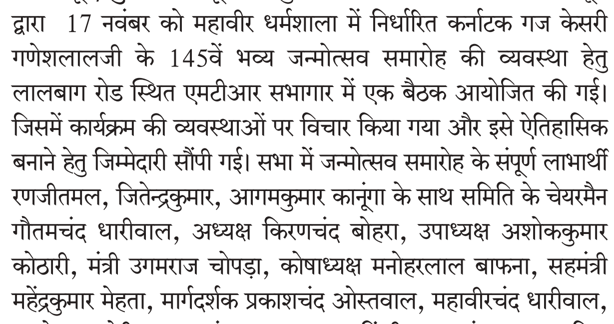

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री गुरु गणेश सेवा समिति कर्नाटक बेंगलूरु द्वारा 17 नवंबर को महावीर धर्मशाला में निर्धारित कर्नाटक गज केसरी गणेशलालजी के 145वें भव्य जन्मोत्सव समारोह की व्यवस्था हेतु लालबाग रोड स्थित एमटीआर सभागार में एक बैठक आयोजित की गई। जिसमें कार्यक्रम की व्यवस्थाओं पर विचार किया गया और इसे ऐतिहासिक बनाने हेतु जिम्मेदारी सौंपी गई। सभा में जन्मोत्सव समारोह के संपूर्ण लाभार्थी रणजीतमल, जितेन्द्रकुमार, आगमकुमार कानूंगा के साथ समिति के चेयरमैन गौतमचंद धारीवाल, अध्यक्ष किरणचंद बोहरा, उपाध्यक्ष अशोककुमार कोठारी, मंत्री उगमराज चोपड़ा, कोषाध्यक्ष मनोहरलाल बाफना, सहमंत्री महेंद्रकुमार मेहता, मार्गदर्शक प्रकाशचंद ओस्तवाल, महावीरचंद धारीवाल, अशोक नागोरी, प्रकाशचंद बाफना, रतन सिंघी, उत्तमचंद मुथा, अनिल बाफना, विनोद चोरड़िया, आशीष बाफना, अनिल पोखरना एवं जैन कॉन्फ्रेंस के वरिष्ठ मार्गदर्शक सुरेशचंद छल्लाणी, बेंगलूरु मित्र मंडल के शांतिलाल भंडारी, आदर्श कॉलेज के अध्यक्ष पदमराज मेहता आदि उप-स्थित थे। रणजीतमल कानूंगा ने सभी को धन्यवाद दिया।

मणिपुर में उग्रवादियों के मारे जाने के बाद लगातार तनाव

केंद्र ने सीआरपीएफ की 20 और कंपनियां भेजी

इंफाल, 13 नवंबर (एजेंसियां)।

मणिपुर में पिछले साल भड़की हिंसा अभी तक थमी नहीं है। ताजा हमलों और कानून-व्यवस्था के मद्देनजर केंद्र ने करीब 2,000 कर्मियों वाली 20 अतिरिक्त सीएपीएफ कंपनियों को राज्य में भेजा है। गृह मंत्रालय ने मंगलवार रात को इन इकाइयों को हवाई मार्ग से लाने और तत्काल तैनाती के आदेश जारी किए।

सोमवार को केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के साथ भीषण मुठभेड़ में कम से कम 10 संदिग्ध आतंकवादी मारे गए। यह मुठभेड़ तब हुई जब वर्दी पहने और अत्याधुनिक हथियारों से लैस उग्रवादियों ने जिरीबाम जिले के जाकुरधोर में बोरोबेक्रा पुलिस स्टेशन और उससे सटे

सीआरपीएफ कैंप पर अंधाधुंध गोलीबारी कर दी थी। भीषण मुठभेड़ के बाद बल ने अत्याधुनिक हथियारों का एक बड़ा जखीरा भी जब्त किया।

मणिपुर भेजी जाने वाली 20 नई केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) कंपनियों में से 15 सीआरपीएफ और पांच सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की हैं। ये इकाइयां सीएपीएफ की उन 198 कंपनियों में शामिल होंगी जो पिछले साल मई में राज्य में शुरू हुई जातीय हिंसा के बाद पहले से ही राज्य में तैनात हैं। इस हिंसा में 200 लोग मारे गए थे। गृह मंत्रालय के आदेशानुसार ये सभी सीएपीएफ इकाइयां 30 नवंबर तक मणिपुर सरकार के अधीन रहेंगी, लेकिन तैनाती बढ़ाए जाने की उम्मीद है। पिछले सप्ताह से ही जिरीबाम में हिंसा के नए दौर के कारण मणिपुर में तनाव बना हुआ है। राज्य पुलिस ने बताया कि सोमवार की घटना के बाद इंफाल घाटी में कई जगहों से ताजा हिंसा की खबरें आई हैं, जहां दोनों पक्षों के सशस्त्र समूहों के बीच गोलीबारी हुई।

महिला सशक्तिकरण के लिए गृह मंत्रालय ने उठाया बड़ा कदम

सीआईएसएफ की पहली महिला बटालियन के गठन को मंजूरी

नई दिल्ली, 13 नवंबर (एजेंसियां)।

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) में पहली महिला बटालियन के गठन को मंजूरी दे दी है। सरकार के इस कदम का उद्देश्य महिलाओं को सशक्त बनाना और राष्ट्रीय सुरक्षा में उनकी भूमिका को बढ़ाना है।

सीआईएसएफ ने कहा कि केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल में राष्ट्र की सेवा करने की इच्छा रखने वाली महिलाओं के लिए सीआईएसएफ एक पसंदीदा विकल्प रहा है, जो वर्तमान में बल का 7 प्रतिशत से अधिक है। एक महिला बटालियन के जुड़ने से देश भर में और अधिक महत्वाकांक्षी युवा महिलाओं को सीआईएसएफ में शामिल होने और राष्ट्र की सेवा करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। यह सीआईएसएफ में महिलाओं को

एक नई पहचान देगा।

सीआईएसएफ मुख्यालय ने नई बटालियन के मुख्यालय के लिए प्रारंभिक भर्ती, प्रशिक्षण और स्थान के चयन की तैयारी शुरू कर दी है।

प्रशिक्षण विशेष रूप से एक उत्कृष्ट बटालियन बनाने के लिए डिज़ाइन किया जा रहा है, जो वीआईपी सुरक्षा, हवाई अड्डों और दिल्ली मेट्रो रेल की सुरक्षा में कमांडों के रूप में विविध भूमिका निभाने में सक्षम हो। 53वें सीआईएसएफ दिवस समारोह के अवसर पर केंद्रीय गृह मंत्री के निर्देश के अनुसरण में बल में सभी महिला बटालियनों के निर्माण का प्रस्ताव शुरू किया गया था।

सुप्रीम कोर्ट ने दी अजित पवार गुट को कड़ी नसीहत

अपने पैरों पर खड़े हों, शरद पवार की फोटो का इस्तेमाल न करें

नई दिल्ली, 13 नवंबर (एजेंसियां)।

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के बीच सुप्रीम कोर्ट ने एनसीपी अजित पवार गुट को कड़ी नसीहत दी है। एनसीपी शरद की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि एनसीपी अजित पवार अपने पैरों पर खड़ी हो। चुनाव में शरद पवार की फोटो का इस्तेमाल न करें। क्योंकि दोनों पार्टियों के बीच वैचारिक मतभेद हैं।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति उज्जवल भुइयां की पीठ ने कहा कि शरद पवार और उनके भतीजे अजित पवार सुप्रीम कोर्ट के चक्कर लगाने की जगह चुनाव पर ध्यान दें। कोर्ट ने अजित पवार के वकील बलवीर सिंह से कहा कि अपने कार्यकर्ताओं से कहें कि चुनाव में शरद पवार की फोटो, पुरानी या नई वीडियो क्लिप का उपयोग न करें। अपने कार्यकर्ताओं, नेताओं और चुनाव से जुड़े प्रतिनिधियों के बीच ऑनलाइन सूचना जारी करके ऐसे निर्देश दें।

मामले पर सुनवाई के दौरान पीठ ने कहा कि हालांकि भारत के लोग बुद्धिमान हैं जो अजित पवार और शरद पवार के बीच अंतर समझते हैं।

लेकिन आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस के इस युग में वह धोखा भी खा सकते हैं। शीर्ष अदालत ने मामले की अगली सुनवाई मंगलवार को तय की है। मामले को लेकर शरद पवार गुट की ओर से याचिका दायर की गई थी। इसमें वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक सिंघवी ने कहा था कि अजित पवार गुट के एक एमएलसी ने समर्थन दिखाने के लिए शरद पवार का एक वीडियो क्लिप वायरल किया था।

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव 20 नवंबर को होने हैं, सभी 288 निर्वाचन क्षेत्रों के लिए वोटों की गिनती 23 नवंबर को होगी। कांग्रेस, शिवसेना (यूबीटी) और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एससीपी) से मिलकर बना विपक्षी एमवीए गठबंधन राज्य में सत्ता हासिल करना चाहता है, जो महायुति गठबंधन को चुनौती देता है, जिसमें एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और अजीत पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी शामिल हैं।

सूखे से त्रस्त कश्मीर वादी से प्रवासी पक्षी भी हो रहे दूर

सुरेश एस डुग्गर
जम्मू, 12 नवंबर।

कई महीनों के बाद कश्मीर में पिछले दिन हुई बारिश और बर्फबारी ने कश्मीरियों के चेहरों पर थोड़ी रौनक लाई है पर यह कड़वी सच्चाई है कि कश्मीर में चल रहे सूखे ने इस क्षेत्र में प्रवासी पक्षियों के आगमन को बुरी तरह प्रभावित किया है। होकरसर वेटलैंड में वर्तमान पक्षी आबादी में 40 प्रतिशत की कमी आई है। सूखे वाली परिस्थितियां इन प्रवासी पक्षियों को भी नहीं भा रही। होकरसर वेटलैंड को कश्मीर के अंतर्राष्ट्रीय पक्षी हवाई अड्डे के रूप में भी जाना जाता है, जो वेटलैंड्स की यात्रा करने वाले प्रवासी पक्षियों के लिए प्राथमिक प्रवेश बिंदु के रूप में माना जाता है।

जैसा कि पहले यह जानकारी मिली थी कि प्रवासी पक्षी पहले ही कश्मीर में आना शुरू हो चुके हैं, अधिकारियों को आने वाले दिनों में संख्या में वृद्धि की उम्मीद है। अधिकारियों ने होकरसर में अधिक पानी बनाए रखने और जल प्रतिधारण को बढ़ाने के लिए इसके किनारों पर बांध बनाने की योजना बनाई है। एक अधिकारी ने कहा कि हमने वेटलैंड के निकास बिंदुओं को बंद करके जल स्तर बढ़ाने के लिए जल द्वार सक्रिय कर दिए हैं। इससे वेटलैंड आने वाली पक्षी आबादी के लिए बहुत ज़रूरी पानी बनाए रखने में सक्षम होगा। उन्होंने कहा कि पिछले साल की तुलना में पक्षियों

की संख्या में लगभग 40 प्रतिशत की कमी आई है। ऐसा घाटी के जल निकायों को प्रभावित करने वाली लंबे समय से चली आ रही शुष्क परिस्थितियों के कारण है। जबक पर्यावरण क्षरण से और भी खतरे हैं जिनसे निपटने के रास्घ्ते खोजे जा रहे हैं।

इस बीच, पर्यावरण कार्यकर्ता राजा मुजफ्फर भट ने बताया कि अतिक्रमण व पानी में अवैध रूप से सीवेज डालने व खनन से आर्द्रभूमि का क्षरण हुआ है। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में नदियों में बड़े पैमाने पर खनन के कारण नदियों और आर्द्रभूमि दोनों में गाद का भारी संचय हुआ है, जिससे आर्द्रभूमि की प्राकृतिक वनस्पति और जीव-जंतुओं को नुकसान पहुंचा है, जल प्रवाह बाधित हुआ है और उनके स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचा है।

भट ने कहा, बड़े पैमाने पर खनन के कारण नदियों की सतह बदल गई है और आर्द्रभूमि में प्राकृतिक जल प्रवाह बाधित हो गया है। नदियों के सतही क्षेत्र में वृद्धि से पानी का प्राकृतिक प्रवाह बाधित हुआ है, जिससे स्थानीय वनस्पति और आर्द्रभूमि के स्वास्थ्य को खतरा है। इन संसाधनों के निरंतर दोहन से दीर्घकालिक पारिस्थितिक क्षति हो सकती है। प्रवासी पक्षियों के पैटर्न पर बारीकी से नजर रखने वाले पक्षी-प्रेमी रेयान सोफी ने पाया कि इस साल पक्षियों का आगमन काफी कम है। पिछले मौसमों की तुलना में होकरसर में केवल कुछ सौ पक्षी ही आए हैं। सोफी कहते हैं कि पानी की कमी और आवास क्षरण के कारण आर्द्रभूमि क्षेत्रों में पक्षियों के प्रवास पैटर्न में महत्वपूर्ण परिवर्तन हुए हैं।

पर्यावरणविदों और पक्षी देखने वालों ने घटते जल स्तर और बढ़ते आवास अतिक्रमण के बारे में चिंता जताई है, उनका कहना है कि इन कारकों के कारण पहले से संपन्न स्थलों में पक्षियों की आबादी, घनत्व और विविधता में काफी गिरावट आई है।

वर्षा की कमी और संरक्षण के प्रयास कश्मीर क्षेत्र में अक्टूबर और नवंबर में रिकार्ड 90 परसेंट वर्षा की कमी देखी गई है, जो इसी तरह के कम मानसून के मौसम के बाद हुई है। इस साल की शुष्क परिस्थितियों के कारण जल निकायों का स्तर बेहद कम हो गया है, जिससे आर्द्रभूमि का स्वास्थ्य और प्रवासी आगमन प्रभावित हो रहा है।

प्रवासी पक्षी जनगणना डेटा के अनुसार, 2024 से, होकरसर आर्द्रभूमि में 4,21,000 पक्षी दर्ज किए गए, जबकि ह्यगम आर्द्रभूमि में 4,00,000 पक्षी थे। यह संख्या 2023 से कमी को दर्शाती है जब होकरसर में 4,14,000 और ह्यगम में 4,96,000 पक्षी आए थे। अधिकारियों का दावा है कि कश्मीर वेटलैंड संरक्षण रिजर्व के लिए एकीकृत प्रबंधन कार्य योजना (आईएमएपी) के हिस्से के रूप में वेटलैंड के स्वास्थ्य को बहाल करने के लिए बड़े पैमाने पर प्रयास चल रहे हैं। पांच साल की पहल (2022-2027) के अनुसार, कार्यक्रम का उद्देश्य वेटलैंड पारिस्थितिकी तंत्र को बनाए रखने और उन्हें प्रवासी जलपक्षियों के लिए अनुकूल बनाने के लिए गाद, खरपतवार संक्रमण, प्रदूषण, आवास क्षरण और अतिक्रमण जैसे खतरों को दूर करना है।

यूपी में होगा कई प्रदेशों की जनजातीय संस्कृतियों का संगम

15से 20 नवंबर तक मनेगा अंतरराष्ट्रीय जनजाति भागीदारी उत्सव

लखनऊ, 13 नवंबर (एजेंसियां)।

योगी सरकार 15 से 20 नवंबर तक अंतरराष्ट्रीय जनजाति भागीद-ारी उत्सव मनाएगी। बिरसा मुंडा की जयंती (जनजातीय गौरव दिवस) पर उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी में मेजबान राज्य समेत देश-विदेश की लोकसंस्कृति उतरेगी। आयोजन का शुभारंभ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ करेंगे। इस दौरान उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी में मेजबान राज्य समेत देश-विदेश की लोकसंस्कृति उतरेगी। इसमें स्लोवाकिया व वियतनाम के लोककलाकारों द्वारा भी कार्यक्रम प्रस्तुत होगा।

समाज कल्याण मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण ने बताया कि उद्घाटन समारोह के उपरांत 11 बजे से सांस्कृतिक समागम शोभायात्रा भी निकलेगी, जिसमें मेजबान उत्तर प्रदेश समेत अनेक राज्यों के कलाकार शामिल होंगे। प्रतिदिन शाम पांच से सांस्कृतिक कार्यक्रम भी होंगे। इसमें सहरिया, बुक्सा आदि जनजाति के लोकनृत्य का भी अवलोकन किया जा सकेगा तो वहीं दूसरी तरफ जनजाति लोकवाद्यों को भी मंचीय प्रदर्शन होगा। पोथी घर में जनजाति साहित्य के पुस्तकों का भी अवलोकन कर सकेंगे। समाज कल्याण, अनुसूचित जाति व जनजाति कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण ने बताया कि 15 से 20 नवंबर तक 22 राज्यों के 38 लोकनृत्य का संगम होगा। इसमें मेजबान उत्तर प्रदेश के डोमकच, झीझी, जवारा, नगमतिया, चंगेली नृत्य से दर्शक अवगत होंगे। वहीं बिहार के उरांव, उत्तराखंड के झैंता, मध्य प्रदेश के भगौरिया, बैगा, रमढोला, पश्चिम बंगाल के नटुआ, मिजोरम के चेरांव, अरुणचाल प्रदेश के अका, पंजाब के शम्मी, केरल के इरुला, छत्तीसगढ़ के गंडी, भुंजिया, माटी मांदरी नृत्य से भी यूपी के दर्शक रूबरू होंगे। हिमाचल प्रदेश के सिरमौरी नाटी, राजस्थान के कालबेलिया, लंगा, मागजिहार व तेराताली, असम के बरदोई व शिखला लोकनृत्य की प्रस्तुति भी उत्तर प्रदेश में होगी। त्रिपुरा के हौजागिरी, झारखंड के खड़िया, गोवा के कुनबी, गुजरात के सिद्धि धमाल, जम्मू-कश्मीर के मोंगो (बकरवाल), सिक्किम के सिंघी छम, महाराष्ट्र के सांघी मुखौटा, ओड़िसा के घुड़का व कर्नाटक के फुगडी लोकनृत्य का संगम भी इस कार्यक्रम में होगा।

कार्यक्रम के दौरान पोथी घर में भारत के जनजाति साहित्य से जुड़ी पुस्तकों के स्टॉल भी लगेंगे। इसमें देश की जनजातीय पर उनके गीत, नृत्य, चित्रकला, संस्कार, खेलकूद व रहन-सहन आदि की पुस्तकों का विक्रय व प्रदर्शन किया जाएगा। वहां के रहन-सहन, खान-पान, संस्कृति के बारे में भी जान सकेंगे। 16 से 20 नवंबर तक अनेक प्रांतों के लोकनृत्य/लोकगीतों से जुड़े कार्यक्रम अनवरत चलते रहेंगे। दोपहर 12 बजे से विमर्श भी होगा। 16 को क्रांतिकारी बिरसा मुंडा का स्वतंत्रता संग्राम में यो-गदान, 17 को जनजाति शिक्षा व स्वास्थ्य-जागरूकता व समाधान पर विमर्श कार्यक्रम होगा।

18 को 'लोकल से ग्लोबल तक' जनजातियों में उद्यमिता विकास की संभावनाएं तक विमर्श होगा। 19 को इसका विषय जनजाति विरासत संरक्षण व संवर्धन है। 20 को जनजाति विकास में गैर सरकारी संस्थाओं की भूमिका पर विमर्श होगा।

19-20 नवंबर को मध्य प्रदेश की टीम की तरफ से जननायक बिरसा मुंडा के जीवन पर आधारित नाटक की प्रस्तुति होगी। जनजाति लोकवाद्यों का मंचीय प्रदर्शन भी होगा। बुक्सा, सहरिया जनजाति, त्रिपुरा के हौजागिरी नृत्य, छत्तीसगढ़ के भुंजिया आदिवासी लोकनृत्य का भी आनंद उठा सकेंगे। 20 नवंबर को जनजाति कवि सम्मेलन का भी आयोजन किया जाएगा। आयोजन में घूमंतु जाति के कलाकार भी अपनी कला का प्रदर्शन करेंगे। जादू के भी कार्यक्रम होंगे। आयोजन में देसी व्यंजनों का स्वाद भी आकर्षित करेगा।

कार्यक्रम में सिक्किम के जिग्मी भुतिया, महाराष्ट्र के छभीलदास गवली, राजस्थान की पूजा कामड़, छत्तीसगढ़ के सुरेंद्र सोरी, मध्य प्रदेश के मौजीलाल, उत्तर प्रदेश के चंगेली नृत्य पर बूटी बाई व टीम, राजस्थान के रावण हत्था पर सुगनाराम, उत्तर प्रदेश के सैंड आर्ट को लेकर भास्कर विश्वकर्मा अपनी प्रस्तुति देंगे। बिहार के उरांव लोकनृत्य पर विश्वजीत सिंह व टीम, उत्तराखंड के जौनसारी लोकनृत्य पर दुर्गेश राणा पर टीम, अरुणाचल प्रदेश के अका-अना ने विधा पर मियाली सिडोसा व उनकी टीम, ओड़ीशा के घुड़का विधा पर वासुदेव साहा व टीम, मध्य प्रदेश के जनजाति लोकवाद्यों का मंचीय प्रदर्शन संजू सेन बालोद व उनकी टीम करेगी। बिरसा मुंडा पर आधारित नाट्य प्रस्तुति राजकुमार रायकवार व उनकी टीम करेगी।

अनुसूचित जनजातियों के चौमुखी विकास के लिए योगी सरकार तत्पर

बुनियादी सुख सुविधाओं से लैस होंगे प्रदेश के जनजातीय गांव

लखनऊ, 13 नवंबर (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ प्रदेश के अनुसूचित जनजातियों के सामाजिक आर्थिक एवं शैक्षिक उत्थान के लिए कटिबद्ध हैं। यही वजह है कि योगी सरकार द्वारा जनजातियों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने तथा इनके चौमुखी विकास के लिए विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं से अच्छादित किया जा रहा है। योगी सरकार इनको बुनियादी सुविधाएं जैसे, आवास, स्वास्थ्य, शिक्षा, बिजली एवं पानी आदि की सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए केंद्र सरकार के साथ लगातार कदम से कदम मिलाकर आगे बढ़ रही है। योजनाओं के माध्यम से योगी सरकार जनजातीय आबादी के लिए समान अवसरों का सृजन, सामाजिक-आर्थिक स्तर का विकास, बुनियादी ढांचे के सुधार और स्वास्थ्य, शिक्षा व आजीविका के क्षेत्र में ठोस प्रगति

का खाका खींचा है।

प्रदेश के समाज कल्याण अनुसूचित जाति एवं जनजाति कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरूण ने बताया कि अनुसूचित जनजाति के कल्याण के लिए संचालित धरती आबा जनजातीय गाम उत्कर्ष अभियान के तहत योगी सरकार सभी जनजातीय परिवारों के जीवन स्तर में सुधार लाने के लिए कौशल विकास, उद्यमिता संवर्धन और स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध करा रही है। इसके लिए प्रदेश के में 500 या उससे अधिक जनसंख्या के गांव जिसमें अनुसूचित जनजाति की कम से कम 50 प्रतिशत जनसंख्या हो, इस योजना का लाभ प्राप्त कर सकेंगे। उन्होंने बताया कि प्रदेश के कुल 26 जनपदों अम्बेडकर नगर, बहराइच, बलिया, बलरामपुर, बाराबंकी, बस्ती, भदोही, बिजनौर, चन्दौली, देवरिया, गाजीपुर, गोरखपुर, जौनपुर, लखीमपुर-खीरी, कुशीनगर, ललितपुर, महराजगंज, महोबा, मिर्जापुर, पीलीभीत, प्रयागराज, संतकबीर नगर, श्रावस्ती, सिद्धार्थ नगर, सीतापुर और सोनभद्र के 47 ब्लाक व 517 गांवों को इस अभियान के तहत विभिन्न योजना के लाभ के लिए चिन्हित किया गया है।

योगी सरकार चिन्हित गांवों में सड़क, पानी, बिजली जैसी बुनियादी सेवाओं का विस्तार किया करेगी। सभी जनजातीय परिवारों को पक्का घर उपलब्ध कराया जाएगा। उनके गांवों में अधिक से अधिक मोबाइल मेडिकल यूनिट्स की स्थापना की जाएगी, ताकि स्वास्थ्य सेवाओं की बेहतर पहुंच सुनिश्चित की जा सके।

समाजवादी पार्टी के उकसावे पर प्रयागराज में छात्रों का प्रदर्शन जारी

यूपी लोकसेवा आयोग को अपनी मर्जी से चलाना चाहते हैं अभ्यर्थी

प्रयागराज, 13 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में हजारों की संख्या में अभ्यर्थी जुटे पड़े हैं। यह सभी उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग के मुख्यालय के बाहर प्रदर्शन कर रहे हैं। पीसीएस और आरओ/एआरओ अभ्यर्थी यहां अपनी कुछ मांगे लेकर आए हैं। अभ्यर्थियों की भीड़ ने सोमवार (11 नवंबर 2024) को पुलिस द्वारा लगाई गई बैरीकेडिंग भी तोड़ दी। इनको समझाने के लिए पुलिस प्रशासन की टीम भी पहुंची लेकिन कोई बात नहीं बन सकी। अभ्यर्थी सरलीकरण और सिंगल डे शिफ्ट की मांग को लेकर अड़े हुए हैं और कह रहे हैं कि यह पूरी होने पर ही यहां से हटेंगे।

प्रयागराज के आयोग मुख्यालय के बाहर जुटे अभ्यर्थी पीसीएस और आरओ/एआरओ भर्ती परीक्षा को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं। यह अभ्यर्थी सोमवार (11 नवंबर 2024) से जुटे हुए हैं। प्रयागराज में बड़ी संख्या में बाहर से आए अभ्यर्थी भी हैं। प्रदर्शन करने वाले अभ्यर्थियों की संख्या 10 हजार से अधिक बताई जा रही है। अभ्यर्थियों की जुटान सोशल मीडिया के माध्यम से भी हुई है। यहां पुलिस-प्रशासन को नियंत्रण करने में काफी मशक्कत करनी पड़ रही है।

यूपी लोकसेवा आयोग ने हाल ही में आरओ/एआरओ और पीसीएस परीक्षा के लिए तारीखें घोषित की थीं। पीसीएस की परीक्षा का प्रीलिम्स 7-8 दिसंबर 2024 को करवाई जाएगी। यह परीक्षा दो पाली में होगी। इसी तरह आरओ/एआरओ परीक्षा को 22-23 दिसंबर 2024 को करवाया जाएगा। इसकी तीन पालियां होंगी। परीक्षाओं के इस कार्यक्रम को लेकर ही अभ्यर्थी विवाद कर रहे हैं। उनकी मांग है कि परीक्षा को एक दिन में एक ही पाली में करवाया जाए और इसे दो दिन न खींचा जाए।

अभ्यर्थियों एक दिन में परीक्षा की मांग सरलीकरण (नॉर्मलाइजेशन) के चलते कर रहे हैं। आयोग ने इस परीक्षा में इस बार सरलीकरण का नियम लागू किया है। यह सरलीकरण का नियम इसलिए लागू किया गया है क्योंकि परीक्षा दो दिन में होनी है। अभ्यर्थियों का कहना है कि सरलीकरण में गड़बड़ी की आशंका होती है और ऐसे मामले कोर्ट में जाते हैं, इसलिए परीक्षा एक ही दिन में करवा ली जाए। अभ्यर्थियों का कहना है कि एक दिन में परीक्षा हो गई तो सरलीकरण नहीं करना पड़ेगा। वह कह रहे हैं कि बिना सरलीकरण का नोटिस लिए बिना वह प्रयागराज से नहीं हिलेंगे। अभ्यर्थियों का कहना है कि पीसीएस और आरओ/एआरओ में पहली बार नॉर्मलाइजेशन लागू किया है, जो कि सही नहीं है। सरलीकरण में अलग-अलग पाली होने वाली एक ही परीक्षा के कठिनाई के स्तर को देखते हुए अंक दिए जाते हैं। इसके अंतर्गत यदि किसी परीक्षा में 3 पाली हुई, जिसमें से तीसरी पाली का प्रश्नपत्र सबसे कठिन और पहली पाली का प्रश्नपत्र सरल हुआ तथा बीच की पाली का प्रश्नपत्र सामान्य रहा तो कठिन प्रश्न पत्र वाले को अंक बढ़ा कर दिए जाएंगे।

अभ्यर्थियों का तर्क है कि कुछ लोगों के लिए एक प्रश्नपत्र कठिन हो सकता जबकि दूसरे के लिए दूसरा कठिन होगा, ऐसे में सरलीकरण की प्रक्रिया सही नहीं है। उनका कहना है कि ऐसी परिस्थिति में कोर्ट में भर्ती फंस जाएगी और फिर समय बर्बाद होगा। अभ्यर्थियों का कहना है कि यह भर्ती पहले ही गड़बड़ हो चुकी है। उनका कहना है कि फरवरी, 2024 में आरओ/एआरओ परीक्षा लीक हुई थी और अब कई महीने के बाद यह होने का समय आया है, यही मामला पीसीएस के साथ है, आगे अगर गड़बड़ी हुई तो यह एक गलत परम्परा होगी।

आयोग ने दो दिन में परीक्षा करवाने पर अपने तर्क रखे हैं। आयोग का कहना है कि वह निजी संस्थानों में परीक्षा नहीं करवाना चाहती क्योंकि इससे लीक का खतरा बढ़ता है। ऐसे में सरकारी कॉलेज में ही परीक्षा करवाई जा रही है।

आयोग ने 41 जिलों में परीक्षा के लिए केंद्र बनाए हैं। उसने कहा है कि अभ्यर्थियों की संख्या भी अधिक है जिस कारण से एक दिन में इन कॉलेज में परीक्षा सम्पन्न नहीं हो सकती, तभी दो बार परीक्षा करवाई जा रही है। आयोग ने कहा कि सरलीकरण की प्रक्रिया भी कोर्ट के आदेश के अनुसार ही करवाई जाएगी।

मंगलवार (12 नवम्बर, 2024) को आयोग मुख्यालय के बाहर सोमवार से अधिक अभ्यर्थियों का जुटान है। आयोग पदाधिकारियों ने कहा है कि वह अभ्यर्थियों से वार्ता करने को तैयार हैं और पांच प्रतिनिधि अभ्यर्थी भेज सकते हैं। वहीं अभ्यर्थी कह रहे हैं कि अपनी मांग मनवाए बिना वह नहीं हटेंगे और कोई भी वार्ता नहीं करेंगे। उनका कहना है कि एक दिन में परीक्षा और सरलीकरण हटाने का नोटिस जारी कर दिया जाए, बस वह चले जाएंगे। इस बीच प्रशासन उन्हें समझाने की कोशिश कर रहा है। प्रशासन की तरफ से प्रयागराज के कमिश्नर और डीएम उनसे मंगलवार दोपहर को भी बात करने पहुंचे लेकिन कोई समाधान नहीं निकला है। पुलिस ने प्रदर्शन में शामिल होने आए कुछ गैर अभ्यर्थियों को हिरासत में भी लिया है। पुलिस अभी छात्रों के प्रदर्शन को हिंसक होने से रोक रही है।

सपा विधायक का तीन मंजिला आवास होगा कुर्क

विधायक की फरार पत्नी कोर्ट में हाजिर नहीं हो रही

भदोही, 13 नवंबर (एजेंसियां)। भदोही के सपा विधायक जाहिद जमाल बेग की मुश्किलें बढ़ गई हैं। कोर्ट के आदेश की अवहेलना पर न्यायालय ने उनके मालिकाना मोहल्ले स्थित तीन मंजिला मकान को कुर्क करने का आदेश दिया है। फरार चल रही विधायक की पत्नी सीमा बेग के खिलाफ धारा 209 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है।

भदोही के सपा के विधायक जाहिद जमाल बेग के मालिकाना मोहल्ले स्थित आवास में नौकरानी ने फंदे से लटककर आत्महत्या कर ली थी। मामले में पुलिस ने विधायक जाहिद बेग के साथ उनकी पत्नी सीमा बेग और बेटे जईम बेग के खिलाफ बाल श्रम, बंधुआ मजदूरी और आत्महत्या के लिए उकसाने समेत अन्य मामलों में मुकदमा दर्ज किया था।

पुलिस ने इस मामले में बेटे की गिरफ्तारी की। जिसके बाद विधायक ने एमपीएमएल कोर्ट में आत्मसमर्पण किया था। इस समय विधायक प्रयागराज के नैनी और बेटा जईम वाराणसी जेल में बंद है। दूसरी तरफ कोर्ट ने फरार चल रही उनकी पत्नी को न्यायालय में उपस्थित होने का आदेश दिया था।

कोर्ट की नोटिस का समय बीतने के बाद भी न्यायालय में उपस्थित न होने पर भदोही कोतवाली के विवेचक कमलेश कुमार ने विधायक की पत्नी के खिलाफ धारा 209 के तहत मुकदमा दर्ज कराया। वहीं न्यायालय के आदेश की अवहेलना के आरोप में कोर्ट ने मालिकाना मोहल्ले स्थित उनकी तीन मंजिला मकान को कुर्क करने का आदेश दिया है। एएसपी डॉ. तेजबीर सिंह ने बताया कि न्यायालय ने भदोही के सपा विधायक के आवास के कुर्की का आदेश दिया है। जल्द ही आदेश का अनुपालन किया जाएगा

महाकुंभ 2025 : भारत, इज़राइल, अमेरिका और फ्रांस के सेनाधिकारी करेंगे गंगा आरती

प्रयागराज, 13 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं को महाकुंभ की नव्यता, दिव्यता और भव्यता का एहसास कराने की तैयारी में जुटी है। वहीं दुनिया के विशिष्ट लोग भी महाकुंभ में सम्मिलित होने और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात करने को लालायित हैं। महाकुंभ के दौरान पहली बार इज़राइल, अमेरिका और फ्रांस समेत तमाम देशों के दिग्गज गंगा आरती में शामिल होने की तैयारी कर रहे हैं। उनके साथ सेना के जवान भी शामिल होंगे।

हरिहर गंगा आरती समिति रामघाट प्रयागराज के अध्यक्ष सुरेश चन्द्रा ने बताया कि काशी के तर्ज पर प्रयागराज में वर्ष 1997 में गंगा आरती की शुरुआत की गई। जिसके बाद से लेकर आज तक यह क्रम अनवरत जारी है। इसी के तहत, महाकुंभ के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ ही देश के कोने-कोने से आ रहे विशिष्ट संतों का सम्मान करने की योजना बनाई गई है।

भारत के सभी प्रमुख तीर्थ स्थलों के संतों का एक साथ महाकुंभ के महा आयोजन में शामिल होना अविस्मरणीय होगा।

भारत के सबसे बड़े राज्य के मुखिया योगी आदित्यनाथ के प्रति विश्व के ताकतवर देशों के लोगों में क्रेज लगातार बढ़ रहा है। इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि भारत के जवानों के साथ इज़राइल, अमेरिका, फ्रांस, वियतनाम, इटली, कनाडा और म्यांमार के नामी लोग मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिलने भारत आ रहे हैं। उन्होंने बताया कि ये सभी विदेशी मेहमान यहां की प्रसिद्ध गंगा आरती में शामिल होंगे। उनके साथ भारतीय सेना के बड़े अधिकारी भी रहेंगे। ये सभी हरिहर गंगा आरती समिति के मेहमान होंगे।

महाकुंभ के दौरान अयोध्या के प्रसिद्ध साधु संत महाकुंभ को यादगार बनाने के लिए पौधरोपण भी करेंगे। राम वैदेही मंदिर के प्रमुख संत स्वामी दिलीप दास त्यागी ने बताया कि अयोध्या के संतों ने पर्यावरण को स्वच्छ रखने के लिए एक लाख ग्यारह हजार पौधे लगाने का संकल्प लिया है, जिसे महाकुंभ के दौरान अंतिम रूप दिया जाएगा। स्वामी दिलीप दास जी के साथ अयोध्या के कई और भी प्रमुख संत महाकुंभ को अविस्मरणीय बनाने की तैयारी में हैं।

गोरखपुर में बन रहा राज्य का पहला आयुष विश्वविद्यालय

गोरखपुर, 13 नवंबर (एजेंसियां)। सिटी ऑफ नॉलेज के रूप में ख्याति अर्जित कर रहे गोरखपुर में प्रदेश के पहले आयुष विश्वविद्यालय का निर्माण कार्य इस माह के अंत तक पूरा हो जाने की उम्मीद है। महायोगी गुरु गोरखनाथ के नाम पर बने इस विश्वविद्यालय में आयुष से जुड़े सभी चिकित्सा पद्धतियों पर पारंपरिक पाठ्यक्रमों के साथ आज के दौर की आवश्यकताओं के अनुरूप यूनिक कोर्स भी चलाए जाएंगे।

इसे लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर आयुष विभाग के अफसर देश के अन्य राज्यों में चलाए जा रहे आयुष पाठ्यक्रमों के तुलनात्मक अध्ययन में जुटे हैं ताकि यहां चलाए जाने वाले और नए कोर्स की ड्राफ्टिंग की जा सके। फिलहाल पीएचडी समेत दर्जनभर पाठ्यक्रमों को चलाने की रूपरेखा तैयार कर ली गई है।

भटहट के पिपरी में 52 एकड़ क्षेत्रफल में बन रहे महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय का शिलान्यास 28 अगस्त 2021 को तत्कालीन राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने किया था। आयुष विश्वविद्यालय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के ड्रीम प्रोजेक्ट में से एक है। शिलान्यास के बाद वह यहां आकर कई बार निर्माण कार्य का जायजा ले चुके हैं। अब इसका निर्माण लगभग पूरा हो चुका है। फिनिशिंग से संबंधित जो कुछ कार्य शेष हैं, उसके भी 30 नवंबर 2024 तक पूर्ण हो जाने की उम्मीद है। उल्लेखनीय है कि आयुष विश्वविद्यालय के अस्तित्व में आने से पहले आयुर्वेद, यूनानी, होम्योपैथी, प्राकृतिक चिकित्सा, योग, सिद्धा की चिकित्सा पद्धति, जिन्हें समन्वित रूप में आयुष कहा जाता है, के लिए अलग-अलग संस्थाएं रही हैं। पर, सत्र 2021-22 से प्रदेश के सभी राजकीय और निजी आयुष कॉलेजों का नियमन अब आयुष विश्वविद्यालय से ही होता है। वर्तमान सत्र 2024-25 में प्रदेश के 97 आयुष शिक्षण (आयुर्वेद, होम्योपैथी और यूनानी) के कॉलेज/संस्थान इस विश्वविद्यालय से संबद्ध हैं। इस सत्र में इन सभी कॉलेजों में कुल मिलाकर स्नातक और परास्नातक पाठ्यक्रमों के करीब सात हजार विद्यार्थी अध्ययनरत हैं।

महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एके सिंह बताते हैं कि स्नातक और परास्नातक के साथ मुख्यमंत्री की मंशा के अनुरूप समयानुकूल कई और रोजगारपरक पाठ्यक्रम शुरू किए जाएंगे। पाठ्यक्रमों को लेकर आयुष विश्वविद्यालय ने जो आगामी कार्ययोजना बनाई है उसमें पीएचडी, बीएससी नर्सिंग आयुर्वेद, बी फार्मा आयुर्वेद, बी फार्मा होम्योपैथ, बी फार्मा यूनानी, पंचकर्म असिस्टेंट डिप्लोमा, पंचकर्म थेरेपिस्ट डिप्लोमा, विदेशी छात्रों के लिए डिप्लोमा, क्षारसूत्र डिप्लोमा, अग्निकर्म डिप्लोमा, उत्तरवस्ति डिप्लोमा और योग नेचुरोपैथी डिप्लोमा शामिल है। इसके अलावा कुछ सर्टिफिकेट कोर्स भी शुरू किए जाएंगे।

आयुष विश्वविद्यालय में आयुष ओपीडी का शुभारंभ 15 फरवरी 2023 को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया था। तब से प्रतिदिन यहां आयुर्वेद, होम्योपैथी और यूनानी की ओपीडी में औसतन 300 मरीज परामर्श लेते हैं। ओपीडी शुभारंभ के बाद अब तक करीब एक लाख आयुष चिकित्सकों से परामर्श लाभ ले चुके हैं। अब जल्द ही यहां आयुष अस्पताल शुरू होने से आयुर्वेद, यूनानी, होम्योपैथ योग, प्राकृतिक चिकित्सा पद्धति आदि से उपचार की बेहतरीन सुविधा भी उपलब्ध होने लगेगी।

लगातार वृद्धि कर रहा उत्तर प्रदेश का टूरिज्म सेक्टर

2020-21 से 2023-24 के बीच 44.9% की वृद्धि

लखनऊ, 13 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश सरकार ने पर्यटन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए कई बड़े और महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। इन प्रयासों का मुख्य उद्देश्य प्रदेश में पर्यटकों की संख्या बढ़ाना, स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूत करना और रोजगार के अवसरों में इजाफा करना है।

योगी सरकार का मानना है कि पर्यटन सेक्टर में किये जा रहे प्रयासों से प्रदेश को देश के अग्रणी पर्यटन गंतव्य स्थलों में से एक बनाने की दिशा में मजबूती मिलेगी।

साथ ही प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर को विश्व स्तर पर पहचान मिलेगी। योगी सरकार का सर्वाधिक फोकस पर्यटकों के ठहरने संबंधी समस्याओं का समाधान करने को लेकर है।

योगी सरकार का विशेष जोर प्रदेश में पर्यटकों के ठहरने की सुविधाओं को बेहतर बनाने पर है।

राज्य में होटलों की कमी को देखते हुए सरकार ने नए होटलों के निर्माण के लिए नियमों को और अधिक अनुकूल बनाया है। वर्तमान में उत्तर प्रदेश में प्रति लाख जनसंख्या पर होटलों की संख्या 30 कमरे हैं, जबकि राष्ट्रीय औसत लगभग 180 कमरे प्रति लाख है।

इस अंतर को पाटने के लिए योगी सरकार ने होटलों के निर्माण के लिए नई नीतियों को मंजूरी दी है। इसके तहत राज्य के आवास विकास विभाग ने आधिकारिक आदेश जारी कर दिए हैं, जिससे निवेशकों को प्रोत्साहन मिलेगा और राज्य में होटल निर्माण को बढ़ावा मिलेगा। नए होटलों की स्थापना से न केवल पर्यटकों के ठहरने की समस्या का समाधान होगा बल्कि स्थानीय व्यापारियों और छोटे उद्यमियों को भी फायदा पहुंचेगा।

पिछले कुछ वर्षों में उत्तर प्रदेश के पर्यटन क्षेत्र में काफी सुधार देखा गया है।

2020-21 से 2023-24 के बीच पर्यटन सेक्टर में 44.9% की वृद्धि दर्ज की गई है। इस बढ़ती हुई प्रवृत्ति को देखते हुए, योगी सरकार ने 2023-24 से 2024-25 तक इसमें और 19.2% की वृद्धि का लक्ष्य निर्धारित किया है। इसके लिए राज्य सरकार ने कई पर्यटन स्थलों के विकास पर जोर दिया है, जिससे राज्य की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर को वैश्विक पहचान मिलेगी।

प्रदेश के महत्वपूर्ण पर्यटन स्थलों को और अधिक आकर्षक बनाने के लिए योगी सरकार ने व्यापक योजनाएं तैयार की हैं। नैमिषारण्य और प्रयागराज जैसे प्रसिद्ध स्थलों के लिए पर्यटन मास्टर प्लान तैयार किया गया है। इन योजनाओं के तहत विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) को स्वीकृति दी गई है और परियोजनाओं के कार्यान्वयन के लिए विभिन्न एजेंसियों के चयन की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है। इसके अलावा, प्रदेश के अन्य छह प्रमुख पर्यटन सर्किट्स के विकास के लिए भी कार्य योजनाएं बनाई जा रही हैं। इन सर्किट्स की संरचना और सुविधाओं में सुधार लाने के लिए सरकार ने गैप एनालिसिस के लिए विशेषज्ञ एजेंसियों की नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू की है। इन प्रयासों का उद्देश्य पर्यटकों के अनुभव को और बेहतर बनाना है, जिससे वे बार-बार उत्तर प्रदेश की यात्रा के लिए प्रेरित हों।

योगी सरकार के पर्यटन क्षेत्र को बढ़ावा देने के इन प्रयासों से न केवल राज्य में पर्यटकों की संख्या में इजाफा होगा, बल्कि इससे स्थानीय लोगों के लिए भी रोजगार के अवसर पैदा होंगे। नई होटल परियोजनाओं, पर्यटन स्थलों के विकास और अन्य योजनाओं के कार्यान्वयन से प्रदेश की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। इसके साथ ही स्थानीय हस्तशिल्प, खाद्य उत्पाद और सांस्कृतिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा।

खेती की जमीन पर निर्माण से पहले लेनी होगी एनओसी

योगी सरकार ने जारी किया आदेश

लखनऊ, 13 नवंबर (एजेंसियां)। यूपी में अब खेती की जमीन पर किसी भी तरह का निर्माण करने से पहले एनओसी लेनी होगी। इसके लिए निर्देश जारी कर दिए गए हैं। बिना अनुमति निर्माण को रोकने के भी आदेश दिए गए हैं।

योगी सरकार ने उत्तर प्रदेश में खेती की जमीन पर निर्माण को लेकर अहम फैसला लिया है। अब बिना इजाजत कृषि योग्य भूमि पर किसी भी तरह का निर्माण नहीं किया जा सकेगा। सरकार ने यह फैसला खेती की जमीन पर अवैध रूप से हो रहे आवासीय और व्यावसायिक निर्माण को लेकर लिया है।

यूपी सरकार ने इस संबंध में आदेश जारी कर दिया है। प्रमुख सचिव आवास पी गुरुप्रसाद की ओर से जारी आदेश में कहा गया कि कृषि भूमि पर किसी भी तरह के निर्माण से पहले संबंधित विकास प्राधिकरण से एनओसी लेना अनिवार्य होगा। बिना एनओसी कराए जा रहे काम को तत्काल रोकने का भी आदेश दिया गया है।

इस आदेश से भूमाफियों पर लगाम लगाई जा सकेगी। इसके अलावा प्राधिकरण क्षेत्रों में हो रहे अवैध निर्माण पर भी रोक लगाई जा सकेगी।

इससे पहले 2022 में भी एक शासनादेश जारी किया गया था। इसमें ऐसे निर्माण पर रोक की बात कही गई थी लेकिन जिलाधिकारी और मंडलायुक्त की ओर से इस पर रोक नहीं लगाई जा सकी। अब इसे सख्ती से पालन करने को कहा गया है।

अब किसी भी विकास प्राधिकरण और विशेष विकास क्षेत्र के तहत स्थित कृषि भूमि का उपयोग अगर खेती की जगह किसी के लिए किया जा रहा है तो इसके लिए पहले अनुमति लेना आवश्यक होगा। पिछले कुछ समय से खेती की जमीन का अवैध रूप से इस्तेमाल आवासीय और व्यावसायिक निर्माण के लिए किया जा रहा है। ऐसे निर्माण के लिए कोई इजाजत नहीं ली जाती और कई मामलों में लोगों के साथ प्रोजेक्ट के नाम पर धोखाधड़ी की जाती है। अब एनओसी की अनिवार्यता से ऐसे मामलों में कमी आएगी।

संपादकीय

एक नहीं, पर सेफ हैं

भाजपा ने महाराष्ट्र के अखबारों में एक विज्ञापन छपवाया है-एक हैं, तो सेफ हैं। विज्ञापन के 'एक' शब्द में 46 टोपियां और पगड़ियां छापी गई हैं। वे महाराष्ट्र के विभिन्न वर्गों का प्रतिनिधित्व करती हैं, लेकिन एक टोपी गायब है। बेशक वह टोपी मुसलमान की है, जो बहुधा प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा के खिलाफ वोट देता है। यहीं से स्पष्ट होता है कि उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 'बंटेंगे, तो कटेंगे' का नारा क्यों लगाया था? उसी तर्ज पर प्रधानमंत्री मोदी चुनाव प्रचार के दौरान यह नारा क्यों लगवा रहे हैं-'एक हैं, तो सेफ हैं'। दोनों का भावार्थ एक ही है। प्रधानमंत्री ने अपने नारे को साजिश से जोड़ दिया है और समाज को बांटने के लिए कांग्रेस को लगातार आरोपित कर रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने संविधान की शपथ ली है कि वह पूरे देश के प्रधानमंत्री हैं। भाजपा-एनडीए के ही प्रधानमंत्री नहीं हैं, बल्कि समूचे विपक्ष के भी प्रधानमंत्री हैं। विज्ञापन और चुनाव प्रचार से यह भी साफ हो रहा है कि भाजपा हिंदू-मुसलमान की बात कर रही है। यह आश्चर्य है कि देश का 80 फीसदी बहुसंख्यक, 15 फीसदी अल्पसंख्यक की तुलना में, भयभीत और असुरक्षित महसूस कर रहा है। प्रधानमंत्री मोदी, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और भाजपा के प्रचारक नेता लगातार ये नारे बुलंद कर बहुसंख्यक हिंदुओं को लामबंद करना चाहते हैं। यह चुनावी लक्ष्य है। यह प्रधानमंत्री या वरिष्ठ नेताओं की राष्ट्रीय, सामाजिक, जातीय चिंता नहीं है। करीब 145 करोड़ की आबादी वाला भारत 'एक' हो ही नहीं सकता। विविधता तो भारत की खूबसूरती है। उत्तर, दक्षिण, पूर्वोत्तर भारत की संस्कृति, उनके रस्मो-रिवाज, उनकी भाषाएं-बोलियां, नस्लें, जातियां-उपजातियां और धार्मिक आस्थाएं बिल्कुल अलग-अलग हैं। प्रधानमंत्री के आह्वान के बावजूद वे 'एक' नहीं हो सकतीं, लेकिन भारत की संप्रभुता, एकता, अखंडता के सवाल पर वे सभी 'एक' हैं, 'भारतीय' हैं। प्रधानमंत्री को चिंता क्यों करनी चाहिए? बीते 77 साल से भारत राष्ट्र 'एक' है, बहुत कुछ भिन्न है। महाराष्ट्र और झारखंड में विधानसभा चुनाव हैं। उप्र समेत कई राज्यों में उपचुनाव भी हो रहे हैं। एक तरफ मुसलमानों के उलेमाओं, मौलानाओं ने बैठकें की हैं और महाविकास अघाड़ी के पक्ष में वोट करने के आह्वान किए हैं। उन्होंने महाराष्ट्र में मुसलमानों को 10 फीसदी आरक्षण देने जैसी भी शर्त रखी है। एक अन्य बैठक में 'वक्फ बिल' के विरोध में 24 नवंबर को 'दिल्ली कूच' का आह्वान खासकर मुस्लिम नौजवानों के लिए किया गया है। 25 नवंबर से संसद का शीतकालीन सत्र शुरू हो रहा है। दिल्ली केंद्रीय सत्ता की धुरी है। ऐसे आह्वान और विरोध-प्रदर्शन, कानून के दायरे में, किए जा सकते हैं। मुस्लिम मौलानाओं ने 'औकात' और 'रूह कांप जाएगी' सरीखे आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल किया है। यह सामाजिक, सांप्रदायिक अलगाव को दर्शाता है। दूसरी तरफ हिंदुत्व जनसंघ और भाजपा का बुनियादी, चुनावी विचार-बिंदु रहा है, लेकिन प्रधानमंत्री के स्तर पर इसे चुनावी मुद्दा क्यों बनाया गया है? यदि देश विभाजक अवस्था में लग रहा है, तो उसे दुरुस्त करना प्रधानमंत्री का प्रथम कर्त्तव्य है। 'बंटेंगे' और 'एक' पर कांग्रेस भी आक्रामक और उग्र मुद्रा में आ गई है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने योगी के नारे को 'आतंकवाद' से जोड़ दिया है और योगी की गेरुआ वेशभूषा पर भी सवाल किए हैं। इसकी प्रतिक्रिया में साधु-संत भी आक्रामक हो गए हैं और खड़गे के बयान को 'सनातन का अपमान' करार दिया है। प्रधानमंत्री और योगी के नारों से स्पष्ट है कि देश में हिंदुओं का अस्तित्व ही खतरे में है। भाजपा यह मुद्दा अपने जन्मकाल से ही उठाती रही है। देश के कुछ हिस्सों में मुस्लिम आबादी हिंदू जनसंख्या से अधिक हो गई है अथवा पहले से ही यही समीकरण थे। सिर्फ उसी आधार पर नारा नहीं दिया जा सकता-'एक हैं, तो सेफ हैं।' आरएसएस भी बांग्लादेशी घुसपैठियों का मुद्दा एक लंबे अंतराल से उठाता रहा है। बीते 10 साल से अधिक समय से भारत में भाजपा-संघ की सरकार है। घुसपैठियों को बाहर खदेड़ा क्यों नहीं गया? राज्यों में भी भाजपा की सरकारें सर्वाधिक हैं। 2011 की जनगणना में स्पष्ट संकेत मिले थे कि देश में जनसांख्यिकी के समीकरण बदल रहे हैं। अब 2025 में जनगणना होनी है।

प्रधानमंत्री मोदी ने संविधान की शपथ ली है कि वह पूरे देश के प्रधानमंत्री हैं। भाजपा-एनडीए के ही प्रधानमंत्री नहीं हैं, बल्कि समूचे विपक्ष के भी प्रधानमंत्री हैं। विज्ञापन और चुनाव प्रचार से यह भी साफ हो रहा है कि भाजपा हिंदू-मुसलमान की बात कर रही है। यह आश्चर्य है कि देश का 80 फीसदी बहुसंख्यक, 15 फीसदी अल्पसंख्यक की तुलना में, भयभीत और असुरक्षित महसूस कर रहा है। प्रधानमंत्री मोदी, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और भाजपा के प्रचारक नेता लगातार ये नारे बुलंद कर बहुसंख्यक हिंदुओं को लामबंद करना चाहते हैं। यह चुनावी लक्ष्य है। यह प्रधानमंत्री या वरिष्ठ नेताओं की राष्ट्रीय, सामाजिक, जातीय चिंता नहीं है। करीब 145 करोड़ की आबादी वाला भारत 'एक' हो ही नहीं सकता। विविधता तो भारत की खूबसूरती है।

प्रयागराज में गंगा का पानी इतना प्रदूषित हो गया है कि वह आचमन करने लायक भी नहीं रह गया

गंगा का मैल सख्ती व जवाबदेही से ही दूर होगा

ललित गर्ग

धार्मिक आस्था एवं पर्यटन की संभावनाओं को तलाशने की दृष्टि से वर्तमान उत्तरप्रदेश सरकार एवं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के तमाम प्रयासों के बावजूद गंगा आज भी मैली क्यों है? यह सवाल सरकार के नदियों को स्वच्छ बनाने के लिए लंबे समय से चल रही तमाम योजनाओं और कार्यक्रमों की पोल खोलते हैं। सरकार की ओर से घोषणाएं करने में शायद ही कभी कमी की जाती है, मगर उन पर अमल को लेकर कहां चूक या लापरवाही बरती जा रही है, इस पर गौर करना कभी जरूरी नहीं समझा जाता।

गंगा की सफाई, उसे प्रदूषण मुक्त करने एवं नदियों के माध्यम से आर्थिक विकास, धार्मिक आस्था एवं पर्यटन की संभावनाओं को तलाशने की दृष्टि से वर्तमान उत्तरप्रदेश सरकार एवं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के तमाम प्रयासों के बावजूद गंगा आज भी मैली क्यों है? यह सवाल सरकार के नदियों को स्वच्छ बनाने के लिए लंबे समय से चल रही तमाम योजनाओं और कार्यक्रमों की पोल खोलते हैं। सरकार की ओर से घोषणाएं करने में शायद ही कभी कमी की जाती है, मगर उन पर अमल को लेकर कहां चूक या लापरवाही बरती जा रही है, इस पर गौर करना कभी जरूरी नहीं समझा जाता। यह गौर करना राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण की उस टिप्पणी के कारण भी जरूरी हो गया है, जिसमें कहा गया है कि प्रयागराज में गंगा का पानी इतना प्रदूषित हो गया है कि वह आचमन करने लायक भी नहीं रह गया है। एनजीटी का यह खुलासा इसलिये भी चिंता बढ़ाने वाला है क्योंकि कुछ ही माह बाद यानी जनवरी 2025 की पौष पूर्णिमा से प्रयागराज में महाकुंभ की शुरुआत होने वाली है।

कुंभ मेले की तैयारियां अंतिम चरण में हैं और अखाड़ों की सक्रियता बढ़ गई है। महाकुंभ को लेकर देश ही नहीं विदेश में भी खूब चर्चा होती है। यदि गंगाजल की गुणवत्ता को लेकर ऐसे ही सवाल उठते रहे तो देश-दुनिया में अच्छा संदेश नहीं जाएगा। सवाल इस बात को लेकर भी उठेंगे कि विभिन्न सरकारों द्वारा शुरू की गई अनेक महत्वाकांक्षी व भारी-भरकम योजनाओं के बावजूद गंगा को साफ करने में हम सफल क्यों नहीं हो पाए हैं। आखिर कौन है गंगा को प्रदूषित करने के गुनहगार? सरकारों को यह समझना होगा कि उसे केवल गंगा को साफ ही नहीं करना, बल्कि उसकी निर्मलता एवं अविरलता के लिये एक अनूठा उदाहरण भी पेश करना है। ऐसा करके ही देश की अन्य नदियों को भी प्रदूषणमुक्त करने की दिशा में सकारात्मक वातावरण निर्मित किया जा सकेगा। यह जानकारी भी सामने आई कि उत्तरकाशी में सुरंग के निर्माण के कारण ढेर बने मलबे एवं कचरे को गंगा नदी के किनारे डाल दिया गया। औद्योगिक कारखानों का जहरीला कचरा ही नहीं बल्कि सरकार की अन्य विकास योजनाएं ही गंगा को प्रदूषित करने का जरिया बन रही है, जो अधिक शर्मनाक एवं चिन्ताजनक है। गंगा नदी एवं अन्य नदियों में उद्योगों से विभिन्न रसायन, चीनी मिल, भट्टी, ग्लिस्रिन, टिन, पेंट, साबुन, कताई,

रेयान, सिल्क, सूत, प्लास्टिक थेलियां-बोतले आदि जहरीला कचरा बड़ी मात्रा में सरकार की चेतावनियों के बावजूद मिल रहा है।

गंगा कायाकल्प का दृष्टिकोण 'अविरल धारा' (सतत प्रवाह), 'निर्मल धारा' (प्रदूषणरहित प्रवाह) को प्राप्त करके और भूगर्भीय और पारिस्थितिक अखंडता को सुनिश्चित करके नदी की अखंडता को बहाल करने की समग्र योजना और रखरखाव के बावजूद गंगा लगातार प्रदूषित हो रही है। जबकि सरकार क्रॉस-सेक्टोरल सहयोग को प्रोत्साहित करने वाली नदी बेसिन रणनीति को लागू करके गंगा नदी के प्रदूषण को समाप्त करने और पुनरोद्धार को सुनिश्चित करने की दिशा में काम कर रही है। यह पानी की गुणवत्ता और पारिस्थितिक रूप से जिम्मेदार विकास को बनाए रखने की दृष्टि से गंगा नदी में न्यूनतम जैविक प्रवाह भी सुनिश्चित करता है। वर्ष 2014 से गंगा की सफाई का महत्वाकांक्षी अभियान 'नमामि गंगे' में अब तक करीब चालीस हजार करोड़ की लागत से गंगा की सफाई की करीब साढ़े चार सौ से अधिक परियोजनाएं आरंभ भी की गई हैं। इस परियोजना के अंतर्गत गंगा के किनारे स्थित शहरों में सीवर व्यवस्था को दुरुस्त करने, उद्योगों द्वारा बहाये जा रहे अपशिष्ट पदार्थों के निस्तारण के लिये शोधन संयंत्र लगाने, गंगा तटों पर वृक्षारोपण, जैव विविधता को बचाने, गंगा घाटों की सफाई के लिये काफी काम तो हुआ लेकिन अपेक्षित परिणाम सामने नहीं आए हैं। जो हमें बताता है कि जब तक समाज में जागरूकता नहीं आएगी और नागरिक अपनी जिम्मेदारी का अहसास नहीं करेंगे, गंगा मैली ही रह जाएगी। अधिकारियों की लापरवाही या फिर गड़बड़ियों की वजह से किसी बड़ी और बेहद महत्वपूर्ण पहलकदमी का भी हासिल शून्य कैसे हो सकता है, इसका उदाहरण गंगा का प्रदूषण है।

दरअसल, लगातार बढ़ती जनसंख्या का दबाव और गंगा तट पर स्थित शहरों में योजनाबद्ध ढंग से जल निकासी व सीवरेज व्यवस्था को अंजाम न दिये जाने से समस्या विकट हुई है। गंगा को साफ करने के लिये जरूरी है कि स्वच्छता अभियान एक निरंतर प्रक्रिया हो। एक बार की सफाई निष्प्रभावी हो जाएगी यदि हम प्रदूषण के कारकों को जड़ से समाप्त नहीं करते। इसके लिये गंगा के तट वाले राज्यों में पर्याप्त जलशोधन संयंत्र युद्ध स्तर पर लगाए जाने चाहिए। साथ ही गंगा सफाई अभियान की नियमित निगरानी होनी चाहिए। इसमें आधुनिक तकनीक का भी सहारा लिया जाना चाहिए। लोगों को बताया जाना चाहिए कि गंगा सिर्फ नदी नहीं है यह खाद्य शृंखला को संबल देने वाली तथा हमारी आध्यात्मिक यात्रा से भी जुड़ी है। गंगा में जहरीला कचरा बहाने वाले उद्योगों पर भी आर्थिक दंड लगाना चाहिए। इसी से यह उम्मीद की जा सकती है कि इसके जरिए मानव सभ्यता के लिए एक बेहद जरूरी नदी में फिर से जीवन भर सकेगा। वास्तव में गंगा एक संपूर्ण संस्कृति की वाहक रही है, जिसने विभिन्न साम्राज्यों का उत्थान-पतन देखा, किंतु गंगा का महत्व कम न हुआ। आधुनिक शोधों से यह भी प्रमाणित हो चुका है कि गंगा की तलहटी में ही उसके जल के अद्भुत और चमत्कारी होने के कारण मौजूद है। यद्यपि औद्योगिक विकास ने गंगा की गुणवत्ता को दूषित किया है, किन्तु उसका महत्व यथावत है। उसका महात्म्य आज भी सर्वोपरि है। गंगा स्वयं में संपूर्ण संस्कृति है, संपूर्ण तीर्थ है, उन्नत एवं समृद्ध जीवन का आधार है, जिसका एक गौरवशाली इतिहास रहा है।

'नमामि गंगे' परियोजना व स्वच्छ गंगा हेतु राष्ट्रीय मिशन के अंतर्गत प्रदेश में गंगा किनारे के 1,604 गांवों में 3,88,340 शौचालयों का निर्माण करवाकर उन्हें खुले में शौच से मुक्त गांव घोषित किया गया और नदी किनारे एक करोड़ 30 लाख पौधों का रोपण किया गया। गंगा को निर्मल बनाने के लिए घाट, मोक्षधाम, बायो डायवर्सिटी आदि से जुड़े 245 प्रोजेक्ट पर तेजी से काम हो रहा है। गंगा की 40 सहायक नदियों में प्रदूषित जल का प्रवेश रोकने के लिए दिल्ली, उत्तर प्रदेश, बिहार में 170 परियोजनाओं पर काम चल है। एक और राहत की खबर जो उम्मीद की किरण बन कर सामने आयी है कि गंगा में विषाक्त कचरा उड़ेलने वाली औद्योगिक इकाइयों में कमी आ रही हैं।

दृष्टि कोण

आवासविहीन लोगों को कब मिलेगी छत

इसमें कोई शक नहीं कि पिछले 77 वर्षों में भारत ने बहुत उन्नति की है। 1947 में देश की केवल धरती का ही बंटवारा नहीं हुआ, लोग भी बंट गए, कट गए, उजड़ गए, दीनहीन, अनाथ होकर देश के करोड़ों लोग विस्थापित होकर अथवा सांप्रदायिक दंगों का शिकार होकर भूखे, अद्र्धनग्न सडक़ों पर जीने, तड़पने को मजबूर हो गए। भारत की तत्कालीन सरकार ने उस देश को संभाला। साढ़े पांच सौ से ज्यादा रियासतों में बंटे देश को सरदार पटेल जी जैसे नेता ने एक सूत्र में पिरोया और धीरे-धीरे शरणार्थी समस्या का भी समाधान करके उन देशवासियों को संभाला, गले लगाया जो सब कुछ लुटाकर भारत आए थे। समय ने उनके घाव तो शायद पूरी तरह न भरे हों, पर देशवासियों ने शरणार्थी बनकर आए अपने भाई-बहनों को घर-परिवार बसाने में पूरा सहयोग दिया। यह तो हो गई 77 वर्ष पुरानी त्रासदी की बात। इन वर्षों में देश का गौरव बढ़ा, संसाधन बढ़े, सीमाओं की रक्षा करने में हम समर्थ हुए। जल-थल-नभ के पहरेदार मजबूत होकर देश की रक्षा कर रहे हैं। इसी बीच कभी शिक्षा का अधिकार, कभी स्वास्थ्य सेवाओं का अधिकार दिया गया। कानून के समक्ष सब नागरिकों को समानता का अधिकार तो संविधान निर्माताओं ने ही दे दिया था, पर आज भी हम निश्चिंत नहीं हो सकते। एक तरफ तो यह समाचार मिलते हैं कि किसी धनपति ने 600 से ज्यादा कमरों वाला ऐसा महल बनाया जिसके गैराज में सैकड़ों कारें एक समय खड़ी हो सकती हैं। देश के राजभवनों, राष्ट्रपति भवन, नया संसद भवन एवं अन्य कुछ विशिष्ट इमारतों की सुंदरता, लंबाई-चौड़ाई की चर्चा यदा कदा होती रहती है। हमारे देश के टीवी चैनलों में भी ऐसी बहुत सी चर्चाएं होती हैं जिनका आम आदमी को तो कोई लाभ नहीं, पर कुछ नेताओं के आरोप-प्रत्यारोप और लड़ाई-झगड़े का मंच बना रहता है। अगर कभी नहीं चर्चा होती तो उन बेचारों की नहीं होती जो एक रैनबसेरे के अभाव में या एक छत को तरसते हुए रात भर ठंडी-गर्म सडक़ों पर पड़े ठिठुरते या सिकुड़ते आकाश के तारों को देखते हैं और अनेकशः वे तारे भी धुंध और कोहरे में लिपटे उन्हें दिखाई नहीं देते। नरेंद्र मोदी ने अपने प्रधानमंत्रीकाल में एक लक्ष्य बनाया है कि जिनके पास अपने घर नहीं, झुग्गी-झोंपड़ी में रहने को विवश हैं, उनको मकान दिए जाएं। बहुत से दिए भी गए, पर वह सब ऊंट के मुंह में जीरा है। ऐसी दुखद घटनाएं बार-बार सुनने को मिलती हैं कि लोग सडक़ पर सोये थे और तेज रफ्तार कार ने कुचल दिया। बड़े महानगरों में जहां फुटपाथ पर सोने वालों की संख्या भी बहुत ज्यादा है, ऐसी घटनाएं अधिक होती हैं। मुंबई से लेकर पंजाब तक यदा-कदा ऐसे दुखद, पर देश के विकास पर तीखा प्रश्नचिन्ह उठाने वाले समाचार मिलते हैं। बड़े-बड़े दावे ये सरकारें करती हैं कि रैनबसेरे बनाए गए। गरीबों को सोने के लिए जगह दी गई, पर जगह वहां मिलती है जहां कभी भी कहीं भी मौत झपटकर उन्हें ले जाती है। श्रम विभाग और मानव अधिकार आयोग भी नहीं देखता कि जहां ये मजदूर काम करते हैं वहां इनको मानव के योग्य स्थान और वातावरण दिया जाता है या नहीं। सडक़ों पर गरीबों के किसी न किसी वाहन से कुचले जाने की घटनाएं देश में सुनने को मिलती हैं। हरियाणा के हिसार के एक फुटपाथ पर सोये हुए मजदूर कार द्वारा कुचले गए। पांच की मौत हो गई। कुछ घायल हो गए। दिल्ली में भी फुटपाथ पर सोये लोगों की वाहनों से कुचलकर मौत के समाचार आ चुके हैं। मुंबई में तो ऐसा संभवतः कई बार हुआ होगा, लेकिन जब कार चालक कोई विशिष्ट अभिनेता या नेता हो तो उन बेचारों को न्याय भी नहीं मिल पाता जो बिना छत और बिना कंबल के सडक़ों पर सोने को मजबूर हो गए। खन्ना में अबोध बच्चों के कार द्वारा कुचले जाने के बाद यह प्रतीक्षा रही कि कोई टीवी चैनल या कलम का धनी इन बच्चों की बिलखती मां की पीड़ा देश और देश के शासकों तक पहुंचाएगा, पर ऐसा नहीं हुआ। जो मजदूर सडक़ों पर कुचले जाते हैं या जो बच्चे भूखे मर जाते हैं जैसा कि देश के कई भागों से समाचार आते हैं, उनका अधिक विवरण इसलिए नहीं मिलता क्योंकि वे वोट बैंक नहीं। दूसरे प्रांतों से आकर यह हमारे पुल बनाते हैं, सडक़ें चमकाते हैं, विकास की गति को आगे बढ़ाते हैं, पर उनका विकास तो किसी का दायित्व नहीं। अब फिर सर्दी का मौसम प्रारंभ हो गया है। पहाड़ों के ऊपरी भागों में बर्फ पडऩी प्रारंभ हो चुकी है। पिछले दिनों भी भूस्खलन, अधिक वर्षा और बाढ़ के कारण हिमाचल और उत्तराखंड में बहुत विनाश हुआ, पर ज्यादा पीड़ा उनको सहनी पड़ती है जो बेघर और बेआसरे हैं।

कुछ अलग

उनका ऐलान-ए-संन्यास

लंच टाइम में साहब के सिर पर हाथ रख साहब को साक्षी मानकर रिश्वत से संन्यास लेने का अचानक ऐलान किया तो उनका रिश्वत से संन्यास लेने पर औरों को तो छोड़िए उन्हें भी विश्वास नहीं हुआ। लगा, ज्यों पूरे ऑफिस में भूचाल आ गया हो। ऑफिस की दीवारों को सांप सूंघ गए हों। पर फिर उन्होंने अपने को जैसे कैसे विश्वास दिलाने के बाद अपने ऑफिस के हर एक को विश्वास दिलाया कि उन्होंने रिश्वत से सच्ची मुच्ची का संन्यास ले लिया है। अब इस ऑफिस में उनसे वास्ता रखने वाली जनता उन्हें रिश्वत मुक्त जीवी माने। रिश्वत से संन्यास लेने के तुंरत बाद उन्होंने ऑफिस के दूसरे रिश्वतजीवियों को संबोधित करते हुए कहा, 'हे मेरे ऑफिस के रिश्वतजीवियो! मुझे घोर खुशी है कि आज मैं रिश्वत से संन्यास ले रहा हूं। मेरे कल से इस ऑफिस में शुरू होने वाले ईमानदार चरित्र को शुभकामनाएं दीजिए ताकि कल फिर किसी को ऑफिस में काम करवाने आता देख मेरा संन्यास भंग न हो। शील तो मेरा आज तक कदम कदम भंग होता ही रहा। मित्रो! बहुत कम ऐसे महापुरुष होते हैं जो रिटायरमेंट से पहले रिश्वत से संन्यास लेने का साहस कर पाते हैं। उन्हीं साहसी आत्माओं में से एक मैं हूं। हमाम में नंगे नहाते खाते हुए एकाएक हमाम से बाहर निकलने का ऐसा अदम्य साहस त्यागी जीव ही कर सकते हैं। वर्ना यहां तो कई जीव ऐसे होते हैं जो रिटायरमेंट के बाद भी महीनों जनता को अंधेरे में रख मजे से रिश्वत खाते रहते हैं। मित्रो! इसे अजीब संयोग ही मानिए कि इसी दिन मैंने अपने सरकारी जीवन में रिश्वत लेना शुरू किया था। शुरू शुरू में ऑफिस के दूसरे रिश्वतजीवियों को देखकर मेरा मन भी रिश्वत लेने को मत पूछो तब कितना आतुर रहता था। जब मैंने पहली बार रिश्वत ली थी तो मत पूछो मैं कितना डरा था। पर धीरे धीरे ज्यों ज्यों मैं रिश्वत लेने में सिद्धहस्त होता रहा, त्यों त्यों मेरा डर पीछे छूटता रहा है और मैं वंदे भारत की गति से आगे बढ़ता रहा। पहले मैंने समाज में अपने को अपने पद से ऊंचा दिखाने के लिए रिश्वत का सहारा लिया, पर बाद में रिश्वत लेना कैसे मेरी आदत में शुमार हो गया, यह मुझे आज तक पता न चला। खैर, पता करने को मेरे पास वक्त भी नहीं था। मित्रो! रिश्वत से संन्यास लेने के बाद हालांकि मैं अपने को भीतर ही भीतर बहुत शर्मिंदा महसूस कर रहा हूं। मेरी आत्मा मुझे इस अपराध के लिए सरेआम जूते मार रही है। पर मैं चाहता हूं कि अब मैं अपने नए आने वालों के लिए इस मार्ग से हट जाऊं। रिटायरमेंट तक मैं ही जो रिश्वत लेता रहूंगा तो उन बेचारों को कैसे पता चलेगा कि रिश्वत का स्वाद कैसा होता है? इसलिए मेरा नैतिक कत्र्तव्य बनता है कि उनके लिए रास्ता दूं ताकि वे भी रिश्वत से समाज में अपने स्तर को अपने पद से ऊंचा उठा सकें। मित्रो! मानता हूं, नशे की आदत छूट सकती है। झूठ बोलने की आदत छूट सकती है। उल्लू बनने की आदत छूट सकती है, पर रिश्वत लेने की आदत ही एक ऐसी आदत है जो जितनी छोडऩे की कोशिश करो, उतनी बढ़ती ही जाती है। बंधुओ! यहां सब रिश्वत खाते हैं। यहां सब रिश्वत से अपना चरित्र सजाते हैं। यहां राजा भी रिश्वत खाता है। यहां वजीर भी रिश्वत खाता है। यहां मंत्री भी रिश्वत खाता है। यहां बजंतरी भी रिश्वत खाता है। मित्रो! माफ करना। मुझे नहीं मालूम कि अपने जीवन में मैंने कितनों से रिश्वत ली। कितनों ने मुझे रिश्वत दी। पर मुझे खुशी इस बात की है कि मैंने रिश्वत लेने के बाद किसी को निराश नहीं किया। मित्रो! याद रहे, असली रिश्वतखोर वह नहीं होता जो रिश्वत लेता है। कुशल रिश्वतखोर वह होता है जो रिश्वत लेते हुए कभी पकड़ा नहीं जाता। रिश्वत लेना अगर कला है तो रिश्वत लेते हुए न पकड़े जाना महाकला। रिश्वत के लिए पूरी तरह समर्पित होने के कारण ही मैं रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों तो छोड़िए, खाली हाथ भी नहीं पकड़ा गया। मुझ पर विश्वास नहीं तो मेरी सर्विस बुक इसकी गवाह है। हर रिश्वतखोर को रिश्वत लेने का काम इतनी ही ईमानदारी से करना चाहिए। अब ज्यादा न कहता हुआ...कल से नए अवतार में देखिएगा अपने परम स्नेही बांकेलाल जी को!'

देश दुनिया से

जनजातीय हितों का संरक्षण एवं संवर्धन

जनजातीय गौरव दिवस वनवासी स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के योगदान और बलिदानों को सम्मानित करने तथा आमजन एवं भावी नागरिकों को उनके बलिदान से प्रेरणा लेने के लिए मनाया जाता है। वर्ष 2021 को केन्द्रीय मंत्रिमंडल द्वारा 15 नवंबर को स्वतंत्रता संग्राम सेनानी भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के उपलक्ष्य में इसे जनजातीय गौरव दिवस घोषित किया व रांची में वनवासी स्वतंत्रता सेनानी संग्रहालय उद्घाटन भी शामिल हैं। इस वर्ष भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती है। सामाजिक-आर्थिक विकास, आजीविका एवं उद्यमिता, कला-संस्कृति एवं धरोहर, शिक्षा और कौशल विकास, स्वास्थ्य जनजातीय समाज की जीवन शैली है। जनजातीय गौरव दिवस का मुख्य उद्देश्य वनवासी के हितों का संरक्षण एवं संवर्धन करना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान कि भारत की वनवासी विरासत, संस्कृति, परंपराओं को जीवंत रखने के लिए व्यापक जागरूकता की अलख जगाने की आवश्यकता है और स्वतंत्रता संग्राम में वनवासी नायकों द्वारा दिए गए बलिदानों को उचित मान्यता प्रदान की जानी चाहिए। मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार पिछले 11 वर्षों से 'परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के साथ-साथ विकास' के सिद्धांत पर अथक रूप से कार्यरत है। मोदी ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारतीय ज्ञान प्रणालियों, परंपराओं और सांस्कृतिक लोकाचार के संरक्षण और प्रोत्साहन को अत्यधिक महत्व दिया है। प्रधानमंत्री के विजन के अनुसार भविष्य के सुदृढ़ आत्मनिर्भर भारत के लिए 8.6 फीसदी वनवासी समुदाय को प्रोत्साहित और सशक्त बनाना हमारा कत्र्तव्य और साझा जिम्मेदारी है। जनजातीय समाज ने हमें प्रकृति के संरक्षण का मार्ग दिखाया। जनजातीय संस्कृति में छिपी है, गहरी आध्यात्मिकता, देश के लिए संघर्ष करने की परंपरा जनजातीय परंपरा रही है। जीवन जीने की कला जनजातीय समाज से सीखनी चाहिए। सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण और राष्ट्रीय गौरव, वीरता तथा आतिथ्य के भारतीय मूल्यों को बढ़ावा देने में वनवासियों के प्रयासों को मान्यता देने हेतु प्रतिवर्ष जनजातीय गौरव दिवस का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन के खिलाफ भारत के विभिन्न क्षेत्रों में कई वनवासी आंदोलन किए। इन वनवासी समुदायों में तामार, संथाल, खासी, भील, मिजो और कोल शामिल हैं। 'जनजातीय समाज का गौरवशाली अतीत, ऐतिहासिक, सामाजिक एवं आध्यात्मिक योगदान' पर कार्यशाला आयोजित कर इसे भव्य रूप से मनाया जाए। जनजातीय समाज का गौरवशाली इतिहास रहा है। यह सोचकर गर्व होता है कि अनेक महान स्वतंत्रता सेनानियों का जन्म जनजातीय समाज में हुआ। अपने देश के लिए संघर्ष करने की परंपरा जनजातीय समाज में प्रारंभ से रही है। शहीद वीर नारायण सिंह, गैंदसिंह, गुण्डाधूर जैसे अनेक महान नायकों ने अपना बलिदान दिया। पूरी दुनिया आज जलवायु परिवर्तन की गंभीर चुनौतियों से गुजर रही है। ऐसे में प्रकृति का संरक्षण बहुत आवश्यक है। जनजातीय समाज ने हमें प्रकृति के संरक्षण का मार्ग दिखाया है, जो आज भी अनुकरणीय है। जनजातीय समाज में प्रकृति की पूजा की जाती है। जनजातीय संस्कृति में गहरी आध्यात्मिकता छिपी है। प्रकृति को सहेजकर, प्रकृति के अनुकूल जीवन जीना। बड़े-छोटे, स्त्री-पुरुष में किसी तरह का भेदभाव नहीं। सब बराबर हैं और प्रकृति का उपहार सबके लिए है। ये बातें हमें इस समाज से सीखने की आवश्यकता है। वास्तव में जीवन जीने की कला जनजातीय समाज से सीखनी चाहिए। जनजातीय समाज में दहेज जैसी सामाजिक बुराई का अस्तित्व नहीं है। भगवान बिरसा मुंडा का शौर्य हमें हमेशा जीवन में साहस की राह दिखाता है। उन्होंने शोषणमुक्त समाज का सपना देखा था। मोदी ने उन्हीं की परिकल्पना के अनुरूप प्रधानमंत्री जनमन योजना प्रारंभ कर विशेष पिछड़ी जनजाति के लोगों के जीवन में समृद्धि लाने का प्रयास किया है, जिसमें जनजातीय बहुल 63 हजार गांवों के 5 करोड़ से अधिक लोग लाभान्वित होंगे। जनजातीय लोग कभी दिखावा नहीं करते, उनकी सरलता-सहजता मन मोह लेती है। जनजातीय समाज की खानपान की शैली बीपी-शुगर जैसी लाइफ स्टाइल से जुड़ी बीमारियों से दूर रखती है। शिक्षा विभाग द्वारा जनजातीय समाज का गौरवशाली अतीत पर कार्यशाला आयोजित कर जनजातीय समाज के गौरव को पूरे समाज के सामने लाने में मील का पत्थर साबित होगी। देश के स्वतंत्रता संग्राम में जनजातीय समाज का बहुत बड़ा योगदान रहा है। इस समाज में अनेक महापुरुषों ने जन्म लिया जिन्होंने 1857 क्रांति के पहले ही अंग्रेजों के विरुद्ध संघर्ष की शुरुआत की। स्वतंत्रता संग्राम के दौरान अंग्रेजों को बड़ा नुकसान जनजातीय क्षेत्रों में हुआ, अनेक मौकों पर उन्हें मजबूर होकर पीछे हटना पड़ा। अंग्रेजों ने जब बस्तर में रेल लाईन बिछाने का काम शुरू किया, उसमें लकड़ी का उपयोग किया जाता था। जनजातीय समाज ने इसका विरोध किया और यह भाव जताया कि हमारा जंगल कोई नहीं काटेगा। सामाजिक एकजुटता के कारण बहुत कुछ संरक्षित रहा। बस्तर दशहरा सामाजिक समरसता का सबसे बड़ा प्रमाण है। इस समाज में 80 प्रतिशत परिवार संयुक्त परिवार हैं। मिलेट का उपयोग, जैविक खेती जैसी अनेक बातें जनजातीय समाज से शिक्षित समाज को सीखने की आवश्यकता है। पारंपरिक अनाज, जिन्हें भूल चुके थे भारतीय, पर आज दुनिया कहती है 'सुपर फूड' बाजार में आज ज्वार, बाजरा और क्विनोवा जैसे अनाजों की मांग बढ़ गई है और ये बेवजह नहीं है। लेकिन जिस अनाज को छोड़ हम आगे बढ़े थे, आज पूरी दुनिया फिर से उसी अनाज की तरफ वापस लौट रही है। धरती आबा बिरसा मुंडा का जन्म खूंटी के उलिहातू में 15 नवंबर 1875 को हुआ। बिरसा की प्रारंभिक शिक्षा चाईबासा के जर्मन मिशन स्कूल में हुई। पढ़ाई के दौरान ही बिरसा के क्रांतिकारी तेवर का पता चलने लगा। उनकी उपलब्धियों की सूची लंबी है। बहरहाल, देश उनकी जयंती पर उन्हें नमन करता है।

आप का नजरिया

चीखते बस रूट

न्यूनतम बस किराए पर पुनः प्राइवेट बसों के रूट चीख रहे हैं। निजी बस आपरेटरों ने परिवहन के कल-पुर्जों का कुशलक्षेम पूछने के बाबत यह मांग कर डाली है कि न्यूनतम किराया बीस रुपए किया जाए। हिमाचल की बदलती जीवन शैली और परिवहन की जरूरतों में आ रहे बदलाव को इस बिंदु पर समझना होगा कि स्थानीय यातायात के दबाव को कैसे घटाया जाए। कोविड काल के इम्तिहान ने स्थानीय स्तर पर यातायात को निजी प्रयास से ऐसे जोडा कि लोगों ने सार्वजनिक परिवहन के स्थान पर अपने वाहन खरीद लिए। हिमाचल में पुरानी गाडियों का बाजार सार्वजनिक परिवहन की संभावना और क्षमता को कमजोर ही नहीं कर रहा, बल्कि सडक़ों पर यातायात का दबाव भी बढ़ा रहा है। सार्वजनिक परिवहन को बदलते सामाजिक परिदृश्य में समझने की जरूरत के लिए एक व्यापक परिवहन नीति की जरूरत है। प्रदेश में बसों के मुकाबले निजी वाहन क्यों बढ़ रहे हैं या बस रूटों की पैमाइश में क्यों यह विकल्प सुविधाजनक एवं सार्थक बन रहा है, इसको लेकर बदलाव की जरूरत है। सरकारी बसों की आमदनी को ढोती अंतरराज्यीय बसें अगर एक स्थायी स्तंभ हैं, तो अंतरजिला बसों में सार्वजनिक बनाम प्राइवेट के बीच प्रतिस्पर्धा का आलम बढ़ रहा है। प्रदेश में सडक़ों पर वाहनों का दबाव कम करने के लिए इंटरसिटी व स्थानीय बस सेवाओं को बढ़ाने के अलावा इनके संचालन को दुरुस्त करना होगा। मौजूदा दौर में स्थानीय बस रूटों पर टिकी निजी बसें या तो ओवरलोडिंग से अपनी वित्तीय व्यवस्था को बचा रही हैं या करों के आतंक से बचने के लिए पनाह ढूंढ रही हैं। ओवरलोडिंग की ख्वाहिश के कारण सडक़ों पर बसों की अनयंत्रित गति का समाधान, परिवहन की नीति से निकल सकता है। अगर बसों की टिक्टिंग में राज्य का दखल किसी ऐप के माध्यम से हो, तो एक पारदर्शी व्यवस्था स्थापित हो सकती है। स्थानीय स्तर पर निजी और सरकारी वाहनों में कई तरह के गठजोड़ हैं। मसलन महिलाओं की सवारी अगर आधे टिकट पर सरकारी बस को प्राथमिक बनाती है, तो एक बड़ी संभावना से प्राइवेट बसें वंचित हो जाती हैं। इसी तरह अगर निजी बसें नियमित सवारियों को किराए में छूट का लालच तथा छुट्टी के दिन अपने फेरे घटा कर चलें, तो सरकारी बसों में कौन बैठेगा। ऐसे में टिक्टिंग की सारी व्यवस्था एक ऐप के जरिए होनी चाहिए ताकि संपूर्ण परिवहन को एक ढांचे में आर्थिक खुशहाली मिले। इसी परिप्रेक्ष्य में न्यूनतम किराए की मांग को देखना होगा। आज परिवहन केवल बस यात्रा नहीं है, अतः स्थानीय परिवहन को बस यात्रा में सक्षम करने की जरूरत में न्यूनतम किराए की सीमा बढ़ानी होगी। अगर टैक्सी संचालन में जनता की जरूरतों का आकलन किराए से किया जाए, तो बस यात्रा की न्यूनतम दर बीस रुपए भी न्यायोचित हो जाएगी। फर्क सिर्फ इतना है कि उस स्थिति में प्वाइंट टू प्वाइंट यात्रा की टिकट दरें घोषित होने के साथ-साथ समय की सीमा भी तय की जाए।

ट्रम्प प्रशासन में मस्क और रामास्वामी की भी होगी बड़ी भूमिका

वाशिंगटन, 13 नवंबर (एजेंसियां)।

संयुक्त राज्य अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के प्रशासन में एलन मस्क और विवेक रामास्वामी बड़ी भूमिका में होंगे। ट्रम्प के चुनाव अभियान का हिस्सा रहे इन दोनों अरबपति समर्थकों को नौकरशाहों से ऊपर रखा जाएगा।

ट्रम्प को उम्मीद है कि इससे संघीय नौकरशाही में आमूल-चूल परिवर्तन लाया जा सकेगा।

खबर के अनुसार, इन अरबपति समर्थकों को सरकारी दक्षता विभाग में रखा जाएगा। नवनिर्वाचित राष्ट्रपति ट्रम्प ने मंगलवार को कहा कि सरकारी दक्षता विभाग 4 जुलाई, 2026 तक संपूर्ण संघीय नौकरशाही में बड़ा परिवर्तन लाएगा। दोनों इस विभाग का नेतृत्व करेंगे। उन्होंने कहा कि यह इस युग का मैनहट्टन प्रोजेक्ट होगा।

यह प्रोजेक्ट 4 जुलाई, 2026 तक संघीय नौकरशाही में विकसित एजेंसियों में बड़ी कटौती और नई दक्षताओं के साथ पूरी सरकार में कठोर बदलाव लाएगा।

ट्रम्प ने एक बयान में कहा अधिक दक्षता और कम नौकरशाही के साथ एक छोटी सरकार, स्वतंत्रता की घोषणा की 250वीं वर्षगांठ पर अमेरिका के लिए सबसे अच्छा उपहार होगी। उन्होंने उम्मीद जताई कि वह इसमें सफल होंगे।

उल्लेखनीय है कि मस्क ने चुनाव से पहले कहा था कि वह निर्वाचित राष्ट्रपति को संघीय बजट से दो ट्रिलियन डॉलर की कटौती करने में मदद करेंगे।

उल्लेखनीय है कि हाल ही में मस्क को संघीय एजेंसियों के कम से कम 20 अलग-अलग जांच या मुकदमों का सामना करना पड़ा है। ट्रम्प के बयान में कहा गया कि मस्क का विभाग सरकार को बाहर से सलाह और मार्गदर्शन प्रदान करेगा।

ट्रम्प ने उम्मीद जताई है कि एलन मस्क और विवेक संघीय नौकरशाही में दक्षता को ध्यान में रखते हुए बदलाव करेंगे और साथ ही सभी अमेरिकियों के लिए जीवन को बेहतर बनाएंगे। महत्वपूर्ण यह होगा कि हम अपने वार्षिक 6.5 ट्रिलियन डॉलर के सरकारी खर्च में होने वाली बड़ी बर्बादी को रोकेंगे।

न्यूज ब्रीफ

अमेरिका के होमलैंड सुरक्षा विभाग की प्रमुख होंगी दक्षिण डकोटा की गवर्नर क्रिस्टी नोएम

वाशिंगटन। संयुक्त राज्य अमेरिका के होमलैंड सुरक्षा विभाग की सर्वेसर्वा दक्षिण डकोटा की गवर्नर क्रिस्टी नोएम होंगी। नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने मंगलवार को उन्हें होमलैंड सुरक्षा विभाग को चलाने के लिए चुना। अब क्रिस्टी नोएम पर नवनिर्वाचित राष्ट्रपति ट्रम्प की आव्रजन नीति को अमलीजामा पहनाने की जिम्मेदारी होगी। खबर के मुताबिक नोएम अमेरिकी आव्रजन, सीमा शुल्क प्रवर्तन, अमेरिकी सीमा शुल्क और सीमा सुरक्षा सहित आव्रजन कानूनों को लागू करने वाली एजेंसियों की भी प्रभारी होंगी। इस चुनाव में ट्रम्प ने नागरिकों से आव्रजन नीति को लेकर बड़े वादे किए हैं। उन्होंने कहा था कि जीत होने पर सीमा पर आक्रामक तरीके से पुलिस बल को तैनात किया जाएगा। साथ ही पूरे देश में व्यापक पैमाने पर निर्वासन अभियान भी चलाया जाएगा। ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर एक बयान में नोएम को सीमा सुरक्षा पर बहुत मजबूत कहा। उन्होंने जिक्र किया कि क्रिस्टी नोएम ने गवर्नर के रूप में टेक्सास मैक्सिको सीमा पर नेशनल गार्ड सैनिकों को भेजा था। इस बीच नोएम ने सोशल मीडिया बयान में सीमा को सुरक्षित करने और अमेरिकी समुदायों को सुरक्षा बहाल करने का वादा किया ताकि परिवारों को फिर से अमेरिकी सपने को आगे बढ़ाने का अवसर मिले।

नेपाल-भारत सीमा सुरक्षा बैठक 16-17 नवंबर को, शामिल होंगे एसएसबी के महानिदेशक

काठमांडू। नेपाल और भारत के सीमा सुरक्षा अधिकारियों की शीर्ष बैठक 16 और 17 नवंबर को नेपाल में होगी। इस बैठक में शामिल होने के लिए सीमा सुरक्षा बल (एसएसबी) के डायरेक्टर जनरल नेपाल आ रहे हैं। दोनों देशों के सीमा सुरक्षा बल के शीर्ष अधिकारियों के बीच हर वर्ष इस तरह की बैठक बारी-बारी से दिल्ली और काठमांडू में होती है। नेपाल के सशस्त्र प्रहरी बल के प्रमुख आईजीपी राजू अर्याल के निमंत्रण पर एसएसबी के डीजी अमृत मोहन प्रसाद 15 नवंबर से तीन दिन के लिए काठमांडू आने वाले हैं। आईजीपी अर्याल ने बताया कि दोनों देशों के बीच होने वाली वार्षिक सीमा सुरक्षा बैठक पिछले वर्ष नई दिल्ली में हुई थी, इसलिए इस बार बैठक का आयोजन काठमांडू में किया जा रहा है। सशस्त्र प्रहरी बल के आईजीपी ने बताया कि इस बैठक का मुख्य एजेंडा सीमा पार अपराध का नियंत्रण करने के उपायों के बारे में है। साथ ही ड्रग्स तस्करी पर लगाम लगाने में दोनों देशों के सीमा सुरक्षा अधिकारियों की भूमिका को लेकर भी चर्चा होगी। उन्होंने बताया कि खुली सीमा होने के कारण तीसरे देश के नागरिकों का नेपाल से भारत और भारत से नेपाल में प्रवेश करने से रोकने के लिए भी संयुक्त गश्त को बढ़ाने पर भी बैठक में चर्चा होगी।

पाकिस्तान में हो रहे चीनियों पर हमले से भड़का चीन- अब खुद करेगा सुरक्षा

बीजिंग। पड़ोसी देश पाकिस्तान में चीनी नागरिकों पर बार-बार हो रहे हमलों के बाद अब चीन खुद अपने नागरिकों की सुरक्षा के लिए सख्त कदम उठाने की तैयारी में है। चीन का कहना है कि पाकिस्तान में हो रहे हमलों को रोकने में पाकिस्तानी सरकार और सेना असफल साबित हो रहे हैं, जिससे बीजिंग का धैर्य अब जवाब दे रहा है। हाल के घटनाक्रम में कराची में हुए कार बम विस्फोट में दो चीनी इंजीनियरों की मौत हुई, जिससे चीन में नाराजगी और चिंता बढ़ गई है। इस हमले के बाद चीन ने पाकिस्तान पर अपने सुरक्षा कर्मियों की तैनाती का प्रस्ताव दिया है ताकि चीनी नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। गौरतलब है कि पाकिस्तान में चीन का बड़ा निवेश है, विशेष रूप से चीन-पाकिस्तान इकोनॉमिक कॉरिडोर (सीपीईसी) जैसे महत्वपूर्ण परियोजनाओं में, जिन पर आतंकियों की भी नजर है। सूत्रों के अनुसार, बीजिंग ने इस्लामाबाद को एक लिखित प्रस्ताव भी भेजा है, जिसमें अपनी सुरक्षा टीम को पाकिस्तान में तैनात करने की अनुमति मांगी है। हालांकि पाकिस्तानी अधिकारी इस प्रस्ताव को लेकर असमंजस में हैं और अभी तक उन्होंने इसे मंजूरी नहीं दी है।

श्रीलंका में संसदीय चुनाव की तैयारी पूरी आज सुबह सात बजे से होगा मतदान

कोलंबो, 13 नवंबर (एजेंसियां)।

श्रीलंका में संसदीय चुनाव-2024 की तैयारियां लगभग पूरी कर ली गई हैं। गुरुवार सुबह सात बजे से शाम चार बजे तक मतदान होगा। इसमें तरजीही मतों के जरिए 196 प्रतिनिधियों और राष्ट्रीय सूची से 29 प्रतिनिधियों का चुनाव किया जाएगा, ताकि नई 10वीं संसद के लिए 225 प्रतिनिधियों का चयन किया जा सके। इस बार 17.1 मिलियन मतदाता 22 बहु-सीट निर्वाचन क्षेत्रों में मताधिकार करने के पात्र हैं। नई संसद की पहली बैठक 21 नवंबर को आहूत की जा सकती है। राजधानी कोलंबो स्थित डीएस सेनानायके कॉलेज से आज मतपेटियों को कड़ी सुरक्षा में मतदान केंद्रों के लिए रवाना किया गया।

खबर के अनुसार श्रीलंका के चुनाव आयोग ने परिणाम देखने के लिए सार्वजनिक स्क्रीनिंग के प्रदर्शन और भीड़ के जमावड़े पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। आयोग ने नागरिकों से चुनाव परिणाम घोषित होने की अवधि के दौरान घर पर रहने का आग्रह किया गया है। आयोग ने कहा है कि घरों के अंदर ही रिजल्ट देखें।

आयोग के अध्यक्ष आरएमएएल रथनायके ने कहा कि चुनाव परिणामों की सार्वजनिक स्क्रीनिंग के दौरान होने वाले झगड़े और हिंसा को रोकने के लिए पुलिस ने प्रबंध किए हैं। लोगों को मतदान केंद्रों और मतगणना केंद्रों के पास रहने की अनुमति नहीं होगी। उन्होंने कहा कि अभी तक जिन्हें आधिकारिक मतदान कार्ड नहीं मिले हैं, वो अपने क्षेत्रों के डाकघरों से उन्हें प्राप्त कर लें। आयोग की आधिकारिक वेबसाइट से भी मतदान कार्ड के प्रिंट लिए जा सकते हैं। मताधिकार के लिए कार्ड का होना अनिवार्य नहीं है और मतदाता 2024 के मतदान रजिस्टर में अपने विवरण को सत्यापित करने के लिए पहचान का वैध प्रमाण प्रस्तुत करके अपना वोट डाल सकते हैं।

आयोग के अध्यक्ष ने कहा कि चुनाव के दिन डाक मतों की गिनती शाम 4.15 बजे शुरू होगी और नियमित वोटों की गिनती शाम 7.15 बजे के आसपास शुरू होने की उम्मीद है। मतगणना प्रक्रिया पहले प्रत्येक बॉक्स में मतपत्रों की गिनती के साथ आयोजित की जाएगी। इसके तहत प्रत्येक राजनीतिक दल या स्वतंत्र समूह के वोटों की गिनती की जाएगी, फिर प्रत्येक को आवंटित संसदीय सीटों की संख्या निर्धारित की जाएगी और अंत में व्यक्तिगत उम्मीदवारों के लिए अधिमान्य वोटों की गिनती की जाएगी। आयोग ने लोगों को मतपत्रों या मतदान प्रक्रिया की तस्वीरें या वीडियो लेने से परहेज करने की सलाह दी है।

मीडिया के लिए अधिकृत पुलिस प्रवक्ता निहाल थल्दुवा ने कहा कि चुनाव में मोबाइल गश्त के लिए एक नए इंटरनेट एप्लिकेशन का भी उपयोग किया जाएगा। संसदीय चुनाव के अवलोकन में 20 से अधिक विदेशी पर्यवेक्षक हिस्सा लेंगे। संसदीय चुनाव के कारण देश के सभी स्कूल 13 और 14 नवंबर को बंद रहेंगे। डेली मिरर अखबार के अनुसार आयोग के अध्यक्ष आरएमएएल रथनायके ने कहा कि मतगणना पूरी होने के बाद आधिकारिक नतीजे मीडिया को उपलब्ध करा दिए जाएंगे। उन्होंने मीडिया आउटलेट्स से अनौपचारिक चुनाव परिणाम जारी करने से परहेज करने का आग्रह किया है।

हूती ने अमेरिका के लिंकन और डेस्ट्रायर पर किया ड्रोन अटैक

वॉशिंगटन। यमन के हूती विद्रोहियों ने अमेरिकी एयरक्राफ्ट कैरियर अब्राहम लिंकन और दो डेस्ट्रायर को ड्रोन और मिसाइल से निशाना बनाया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, मंगलवार को एयर एंड मिसाइल यूनिट ने अमेरिकी एयरक्राफ्ट कैरियर को निशाना बनाने के लिए दो स्पेशल ऑपरेशन लॉन्च किया। एक ऑपरेशन अरब सागर में तैनात एयरक्राफ्ट कैरियर यूएसएस अब्राहम लिंकन, तो दूसरी लाल सागर में मौजूद दो डेस्ट्रायर वॉरशिप पर ड्रोन और मिसाइल हमलों के अंजाम दिया। अमेरीक सेंट्रल कमॉड की तरफ से अभी फिलहाल कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं हुआ। कुछ घंटे पहले ही एयरक्राफ़्ट कैरियर से कई एयरक्राफ्ट हूती के खिलाफ लान्च किए गए थे। उधर हूती विद्रोहियों ने एक बयान में कहा कि यह कदम अमेरिकी हमलों के जवाब में उठाया गया है। ये हमले रात में हुए थे। उन्होंने कहा कि यह कार्रवाई गाजा और लेबनान के लोगों के समर्थन में की गई है। बयान में कहा गया है कि समूह ने यूएसएस अब्राहम लिंकन को निशाना बनाने के लिए ड्रोन और क्रूज मिसाइलों का इस्तेमाल किया और 'अपने मकसद को सफलतापूर्वक हासिल किया'। बयान में कहा गया है कि लाल सागर में तैनात दो अमेरिकी विध्वंसकों को बैलिस्टिक मिसाइलों और ड्रोन से निशाना बनाया गया। हूतियों ने कहा कि यह अभियान आठ घंटे तक चला।

अमेरिका के नए रक्षा सचिव होंगे फॉक्स न्यूज के होस्ट पीट हेगसेथ, ट्रंप ने की घोषणा

वाशिंगटन, 13 नवंबर (एजेंसियां)।

संयुक्त राज्य अमेरिका के अगले रक्षा सचिव फॉक्स न्यूज के मशहूर होस्ट पीट हेगसेथ होंगे। इराक और अफगानिस्तान युद्ध पर पीट हेगसेथ के विश्लेषण चर्चा में रहे हैं। नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को उन्हें अपना अगला रक्षा सचिव चुना। पीट अमेरिका के सैन्य मुख्यालय पेंटागन और 1.3 मिलियन सैनिकों का नेतृत्व करेंगे।

खबर में कहा गया कि हेगसेथ की पसंद पारंपरिक रक्षा सचिव के मानदंडों से बाहर थी। वह ट्रंप के पहले कार्यकाल के दौरान उनके समर्पित समर्थक रहे हैं। पीट हेगसेथ ने उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग-उन के साथ अपनी बातचीत में विदेश से अमेरिकी सैनिकों को वापस बुलाने की कोशिश के ट्रंप के अमेरिका फर्स्ट एजेंडे को अपनाया।

ट्रंप ने अगले रक्षा सचिव के रूप में हेगसेथ के नाम की घोषणा करते हुए उनके युद्ध अनुभव और अमेरिकी सेना के समर्थन की प्रशंसा की। ट्रंप ने कहा कि पीट सख्त, चतुर और अमेरिका फर्स्ट में सच्चा विश्वास रखने वाले व्यक्ति हैं। पीट के नेतृत्व में अमेरिकी सेना फिर से महान होगी।

हेससेथ 2014 में फॉक्स न्यूज के नेटवर्क में शामिल हुए और वर्षों तक फॉक्स के नए साल के कवरेज के मेजबान रहे हैं। मिनेसोटा के मूल निवासी हेगसेथ प्रिंसटन विश्वविद्यालय से स्नातक हैं। रूढ़िवादी पत्रिका द प्रिंसटन टोरी के प्रकाशक रहे हैं। फॉक्स न्यूज के अनुसार, उन्होंने हार्वर्ड केनेडी स्कूल से सार्वजनिक नीति में स्नातकोत्तर की उपाधि प्राप्त की है।

हेगसेथ की जून में प्रकाशित पुस्तक द वॉर ऑन वॉरियर्स-बिहाइंड द बिट्रेयल ऑफ द मेन हू कीप अस फ्री बेस्ट सेलर रही है। अपने बयान में ट्रंप ने इस पुस्तक की प्रशंसा की है।

पाकिस्तान में 5.3 तीव्रता का भूकंप पेशावर से इस्लामाबाद तक हिली धरती

इस्लामाबाद, 13 नवंबर (एजेंसियां)।

पाकिस्तान के कई शहरों में आज भूकंप के झटके महसूस किए गए। भूकंप के झटकों से डरे लोग इमारतें खाली कर बाहर खुले में निकल गए। भूकंप के झटके पेशावर से लेकर राजधानी इस्लामाबाद में तक महसूस किए गए। हालांकि अभी तक कहीं से भी नुकसान की सूचना नहीं है। अफगानिस्तान के बदख्शां क्षेत्र में भूकंप के झटके के बाद आज खैबर पख्तूनख्वा और इस्लामाबाद के विभिन्न शहरों में झटके महसूस किए गए। संयुक्त राज्य भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (यूएसजीएस) के अनुसार, भूकंप की तीव्रता 5.1 थी, जबकि पाकिस्तान मौसम विज्ञान विभाग (पीएमडी) ने रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 5.3 बताई है। यूएसजीएस ने कहा कि भूकंप का केंद्र अफगानिस्तान के इशकाशिम शहर से 37 किलोमीटर पश्चिम-दक्षिण पश्चिम में और 220.7 किलोमीटर की गहराई में था।

खुफिया रिपोर्ट के मुताबिक कनाडा में खालिस्तानी समर्थकों के खिलाफ भारतीय समुदाय की सुरक्षा पर खतरा

वाशिंगटन, 12 नवंबर (एजेंसियां)।

कनाडा में खालिस्तानी समर्थक (पीकेके) भारतीय समुदाय को लगातार निशाना बना रहे हैं, और हालात इतने बिगड़ गए हैं कि कई भारतीय नागरिक अपनी संपत्तियां बेचकर भारत लौटने की योजना बना रहे हैं। सोशल मीडिया पर ग्रुप बनाने से लेकर सीधे भिड़ने, विरोध प्रदर्शन और भारतीयों को धमकाने तक, खालिस्तानी समर्थक अब भारतीयों को हिंसक रूप से उत्पीड़ित कर रहे हैं। भारतीय खुफिया एजेंसियों के सूत्रों के मुताबिक, खालिस्तान के नेतृत्व ने पाकिस्तानी आतंकी समूहों से मिलीभगत के बाद विरोध प्रदर्शनों को और तेज कर दिया है, विशेष रूप से उन इलाकों में जहां भारतीय नागरिकों की संख्या ज्यादा है। सूत्रों ने बताया कि नवंबर के पहले हफ्ते में हुई एक बैठक के बाद खालिस्तानी समर्थकों ने भारतीयों को धमकाना और उनके साथ मारपीट करना शुरू कर दिया है। कनाडा में भारतीयों को निशाना बनाने वाले इन खालिस्तानी तत्वों को स्थानीय पुलिस और प्रशासन का समर्थन भी मिल रहा है, जो भारतीय विरोधियों की पहचान और जानकारी इकट्ठा कर रहे हैं।

कनाडा में रह रहे कई भारतीय नागरिक अब अपनी सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं। भारतीय रेस्तरां मालिक, छात्र, और पेशेवर लोग खासतौर पर इन हमलों का शिकार बन रहे हैं। इस माहौल में भारतीयों को धमकी दी जा रही है कि वे खालिस्तान का समर्थन करें या फिर कनाडा छोड़ दें। कुछ समूहों के द्वारा यह चेतावनी दी जा रही है कि भारतीयों को खालिस्तान के पक्ष में झुकने या कनाडा से निकलने के लिए मजबूर किया जाएगा। कनाडा में रह रहे एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर, अर्पित तिवारी ने कहा, मैं 2017 से कनाडा में रह रहा हूं, लेकिन आज से पहले इस प्रकार का माहौल कभी नहीं देखा। अब भारतीय परिवारों के साथ हिंसक झगड़े हो रहे हैं और लोग अपनी सुरक्षा की खातिर देश छोड़ने को मजबूर हो रहे हैं। कनाडा की स्थानीय पुलिस पर भी भारतीयों का भरोसा अब कमजोर हो गया है, क्योंकि कई लोग मानते हैं कि कुछ पुलिसकर्मी खालिस्तानी समूहों का समर्थन करते हैं। भारतीय खुफिया एजेंसियों को आशंका है कि अगर यह स्थिति यथावत रही तो इस साल के अंत तक भारतीयों के लिए यह माहौल और भी खतरनाक हो सकता है। भारत सरकार इस स्थिति को लेकर गंभीर है और कनाडा सरकार से भारतीय समुदाय की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग कर रही है।

नेपाली पीएम ओली के चीन भ्रमण से पहले विदेश मंत्री का बीजिंग जाना तय

काठमांडू, 13 नवंबर (एजेंसियां)।

नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली के चीन भ्रमण से पहले विदेश मंत्री डॉ. आरजू राणा बीजिंग जाएंगी। उनका यह दौरा प्रधानमंत्री ओली की यात्रा का एजेंडा तय करने के लिए होगा। प्रधानमंत्री ओली के 2 दिसंबर से चीन के चार दिनों के भ्रमण पर जाएंगे, जबकि विदेश मंत्री डॉ. आरजू राणा का 30 नवंबर को तीन दिनों की यात्रा पर चीन जाना तय हो गया है।

प्रधानमंत्री ओली 2 दिसंबर से चीन के चार दिनों के भ्रमण पर जाएंगे

विदेश मंत्री डॉ. आरजू राणा का 30 नवंबर को चीन यात्रा पर जाना तय

नेपाल में चीन के राजदूत छन सोंग ने सोमवार को प्रधानमंत्री के चीन भ्रमण का प्रस्ताव स्वीकार कर लिया, जिसके बाद विदेश मंत्री की बीजिंग यात्रा तय हुई है। विदेश सचिव सेवा लम्साल ने बताया कि चीन के विदेश मंत्री वांग यी के निमंत्रण पर डॉ. आरजू राणा बीजिंग जा रही हैं। लम्साल के मुताबिक 30 नवंबर को बीजिंग पहुंचने वाली विदेश मंत्री 2 दिसंबर से प्रधानमंत्री ओली के प्रतिनिधिमंडल में वहीं से शामिल हो जाएंगी। विदेश मंत्री डॉ. आरजू राणा अपने बीजिंग भ्रमण के दौरान चीन के विदेश मंत्री के अलावा कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ चाइना के अन्य अधिकारियों से भी मुलाकात करेंगी। इनमें सीपीसी के विदेश विभाग प्रमुख और चीनी संसद के अंतराष्ट्रीय समिति के प्रमुख से मुलाकात प्रमुख है। इसके अलावा डॉ. राणा की मुलाकात चीन के एक्जिम बैंक के प्रमुख और चाइना एड के प्रमुख से भी होने की संभावना है। विदेश मंत्री का यह बीजिंग यात्रा नेपाल में बीआरआई परियोजना के कार्यान्वयन समझौते पर हस्ताक्षर की पूर्व तैयारी को लेकर भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है। चीन की तरफ से नेपाल पर बीआरआई के कार्यान्वयन समझौते पर हस्ताक्षर के लिए लगातार दबाव बनाया जा रहा है। नेपाल ने अपनी तरफ से कुछ शर्तें रखी हैं। अगर चीन ऋण के रूप में नेपाल को आर्थिक अनुदान देता है तो ही बीआरआई को स्वीकार करने की बात नेपाल सरकार की तरफ से कही जा रही है। विदेश मंत्री के चीन भ्रमण का एक और प्रमुख एजेंडा पोखरा में चीन के एक्जिम बैंक के करीब 2600 करोड़ रुपये के ऋण को अनुदान में बदलने का भी है। नेपाल सरकार की तरफ से इसके लिए चीन से औपचारिक रूप से आग्रह भी किया गया है। इस समय चीन इन ऋण पर पांच प्रतिशत का ब्याज भी ले रहा है और इस ऋण को सिर्फ 15 साल में ही वापस करने का समझौता है। नेपाल चाहता है कि यदि चीन इस ऋण को अनुदान में नहीं बदलता है तो कम से कम इसके ब्याज को पांच प्रतिशत से घटाकर 1 प्रतिशत कर दे।

फीफा वित्तीय प्रशासन कार्यशाला में भाग लेना शानदार अनुभव रहा : अनिल कुमार

नई दिल्ली, 13 नवंबर (एजेंसियां)।

अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के महासचिव अनिल कुमार ने 6 और 7 नवंबर को श्रीलंका के कोलंबो में हुई फीफा वित्तीय प्रशासन कार्यशाला में भाग लेने को शानदार अनुभव बताया है।

उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजन सदस्य संघों के वित्तीय प्रबंधन को बेहतर बनाने और मजबूत बनाने में काफी मददगार साबित होंगे।

एआईएफएफ की ओर से बुधवार को जारी बयान में अनिल कुमार ने कहा कि फीफा वित्तीय प्रशासन कार्यशाला में भाग लेना एक अमूल्य अनुभव रहा है। वित्तीय प्रबंधन में पारदर्शिता, जवाबदेही और सर्वोत्तम प्रथाओं पर साझा की गई अंतर्दृष्टि हमारे प्रशासन ढांचे को मजबूत करने के लिए आवश्यक है।

वित्तीय प्रशासन मार्गदर्शिका की प्रस्तुति से शुरू हुई कार्यशाला में हितों के टकराव, योजना और बजट तथा खरीद प्रक्रिया जैसे विषयों पर चर्चा, समूह कार्य और केस सत्र शामिल थे, साथ ही पर्याप्त सहायक दस्तावेज रखने के महत्व पर भी चर्चा की गई। सत्रों में फीफा फॉरवर्ड कार्यक्रम के संदर्भ में जवाबदेही, पारदर्शिता और जिम्मेदार वित्तीय प्रबंधन के महत्व पर जोर दिया गया। श्रीलंका में आयोजित कार्यशाला में भारत के अलावा बांग्लादेश, भूटान, ईरान, किर्गिज गणराज्य, मालदीव, नेपाल, श्रीलंका, ताजिकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान और उज्बेकिस्तान के सदस्य संघों के महासचिवों और वित्त निदेशकों ने भाग लिया। यह कार्यक्रम नव स्थापित फीफा कैम्पस के बैनर तले आयोजित किया गया, जो सदस्य संघों के लिए फीफा क्षमता विकास और शिक्षा पहलों के लिए केंद्रीय फुटबॉल शिक्षण केंद्र के रूप में कार्य करता है।

न्यूज ब्रीफ

दिल्ली कैपिटल्स के गेंदबाजी कोच बने मुनाफ

नई दिल्ली । दिल्ली कैपिटल्स ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 सत्र के लिए जेम्स होप्स की जगह मुनाफ पटेल को अपना नया गेंदबाजी कोच बनाया है। मुनाफ टीम के मुख्य कोच हेमंग बदानी और क्रिकेट निदेशक वेणुगोपाल राव के साथ मिलकर काम करेंगे। मुनाफ अपने करियर में पहली बार कोच के तौर पर नजर आयेंगे। ऑस्ट्रेलिया के होप्स ने आईपीएल 2024 के बाद अपना पद छोड़ दिया था। मुनाफ ने अपने करियर के दौरान भारतीय टीम की ओर से तीनों प्रारुपों में खेला है। उन्होंने साल 2018 में पेशेवर क्रिकेट को अलविदा कह दिया था। मुनाफ ने अपने करियर में 86 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 125 विकेट लिए हैं। वह राजस्थान रॉयल्स (2008) और मुंबई इंडियंस (2013) की आईपीएल खिताब विजेता टीम में भी रहे हैं। दिल्ली कैपिटल्स ने आने वाले सत्र के लिए 4 खिलाड़ियों अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, ट्रिस्टन स्टब्स और अभिषेक पोरेल को बरकरार रखा है जबकि अन्य को रिलीज कर दिया है।

जुरेल बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में अहम भूमिका निभा सकता है : पेन

कैनबरा । ऑस्ट्रेलिया के पूर्व टेस्ट कप्तान टिम पेन ने भारतीय क्रिकेट टीम के युवा विकेटकीपर-बल्लेबाज ध्रुव जुरेल की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में भारतीय टीम के अहम भूमिका निभा सकते हैं। जुरेल ने यहां ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ शानदार बल्लेबाजी कर सबका ध्यान खींचा है। जुरेल ने अब तक भारतीय टीम की ओर से केवल तीन मैच खेले हैं। उन्हें इस सीरीज में नियमित विकेटकीपर ऋषभ पंत के बैकअप के रूप में शामिल किया गया है। पेन ने कहा कि जुरेल ने एमसीजी मुकाबले में नंबर 6 पर बल्लेबाजी करते हुए 80 और 68 रनों की शानदार पारी खेली थी। ऑस्ट्रेलिया ए के कोच रहे पेन को लगता है कि ये युवा बल्लेबाज पर्थ में होने वाले पहले टेस्ट में एक बल्लेबाज के तौर पर शामिल किया जा सकता है। पेन ने कहा, मैंने उसे ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ बल्लेबाजी करते हुए देखा है और इतनी अच्छी बल्लेबाजी के बाद भी अगर उसे अवसर नहीं मिले तो ये हैरानी की बात होगी।

नई टीम से खेलने छोड़ी लखनऊ सुपर जायंट्स : राहुल

मुम्बई । बल्लेबाज केएल राहुल ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) टीम लखनऊ सुपर जायंट्स को छोड़ने को लेकर कहा है कि उन्होंने ये इसलिए किया क्योंकि वह एक नई टीम से खेलना चाहते थे ताकि आजादी से खेलते हुए बेहतर प्रदर्शन कर एक बार फिर राष्ट्रीय टी20 टीम में अपनी जगह पक्की कर सकें। राहुल ने पिछले 3 सत्र में लखनऊ सुपर जायंट्स की तरफ से खेला है पर अगले साल होने वाले टूर्नामेंट से पहले वह टीम से अलग हो गये हैं। अब वह इसी माह 24 और 25 नवंबर को जेद्दा में होने वाली नीलामी में उतरेंगे। राहुल को लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) की रिटेन खिलाड़ियों की सूची में शामिल नहीं किया गया है। राहुल को जब रिटेन नहीं किया गया था तभी से ये अंदाजा लगाया जा रहा था कि यह फ्रेंचाइजी का फैसला था या खिलाड़ी का अपना। इसी को लेकर राहुल ने कहा है कि यह उनकी इच्छा थी कि वे एक नई टीम की तलाश करें और भारतीय टी20 टीम में वापसी का लक्ष्य रखें। राहुल ने कहा, मैं एक नई शुरुआत करना चाहता था। मैं अपने विकल्पों का पता लगाना चाहता था। मैं वहां खेलना चाहता था जहां मुझे कुछ आजदी मिल सके और टीम का माहौल हल्का हो। इसके लिए कभी-कभी, आपको दूर भी जाना पड़ता है और अपने लिए कुछ अच्छा खोजना पड़ता है। साथ ही हा, मैं कुछ समय से टी20 टीम से बाहर हूं। मुझे पता है कि एक खिलाड़ी के रूप में मैं कहां खड़ा हूं. मुझे पता है कि मुझे वापस आने के लिए क्या करना है। मैं इस आईपीएल सत्र का इंतजार कर रहा हूं। उम्मीद है कि इससे मुझे वह मंच मिलेगा जहां मैं वापस जाकर अपने क्रिकेट का आनंद ले सकूंगा।

बीसीसीआई ने बायजूस को राहत देते हुए दिवालियापन के खिलाफ याचिका वापस ली

मुम्बई,13 नवंबर (एजेंसियां)।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने एडटेक कंपनी बायजूस को बड़ी राहत देते हुए उसके खिलाफ नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल (एनसीएलएटी) में दायर दिवालियापन के मामले को वापस लेने की याचिका लगायी है। इस मामले में बीसीसीआई ने शीघ्र सुनवाई की भी अपील की है। वहीं इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने एनसीएलएटी के उस फैसले को खारिज कर दिया था, जिसमें बोर्ड और बायजूस के बीच 158 करोड़ रुपए के बकाया को लेकर हुए समझौते को मंजूरी दी गई थी। इसके बाद से ही बायजूस की मुश्किलें बढ़ गयी थीं क्योंकि उसकी मुख्य कंपनी, थिंक एंड लर्न प्राइवेट लिमिटेड, पर फिर से दिवालिया प्रक्रिया की कार्रवाई का खतरा पैदा हो गया था। वहीं इससे पहले जुलाई में एनसीएलएटी ने बायजूस के खिलाफ दिवालियापन प्रक्रिया शुरू करने के लिए एक याचिका लगायी थी जबकि 31 जुलाई को बोर्ड और बायजूस के बीच एक समझौता हुआ था, जिसे बाद में एनसीएलएटी ने स्वीकार कर लिया था। यह समझौता 2019 में दोनों के बीच हुए उस प्रायेजन करार से जुड़ा था जिसमें बायजूस को भारतीय क्रिकेट टीम की जर्सी के लिए बोर्ड को हर बायलेटरल मैच के लिए 4.6 करोड़ रुपये का भुगतान करना था।

इससे पहले 14 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट ने अमेरिका स्थित ग्लास ट्रस्ट की याचिका पर एनसीएलएटी के उस फैसले पर रोक लगाई थी, जिसमें बायजूस को बोर्ड के साथ समझौते का भुगतान करने की अनुमति दी गई थी। सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया कि भुगतान की राशि को एक अलग खाते में रखा जाए। अमेरिका स्थित ग्लास ट्रस्ट बायजूस के कुछ लेंडर्स का प्रतिनिधित्व करता है।

वहीं 2 अगस्त को बायजूस की पेरेंट कंपनी, थिंक एंड लर्न, और बोर्ड के बीच हुए समझौते को मंजूरी दे दी थी. इसके अनुसार, बायजूस बोर्ड को 158 करोड़ रुपये का भुगतान करने के लिए सहमत हो गया था, जो 2 और 9 अगस्त को होना था। इस फैसले के बाद कंपनी का नियंत्रण बायजू रवींद्रन को वापस मिल गया था।

पाकिस्तान के पास चैंपियंस ट्रॉफी को लेकर बचे हैं ये विकल्प

लाहौर । भारतीय क्रिकेट टीम के आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान नहीं जाने के फैसले के बाद से ही पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) की मुश्किलें बढ़ गयी हैं। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने उससे पूछा है कि वह हाइब्रिड मॉडल पर टूर्नामेंट के लिए तैयार है की नहीं। वहीं माना जा रहा है कि पीसीबी इसके लिए तैयार नहीं है। ऐसे में इस टूर्नामेंट के स्थगित होने का भी खतरा है। पाक के पूर्व क्रिकेटरों के अनुसार भारतीय टीम को टूर्नामेंट से बाहर कर दिया जाए और श्रीलंका को उनकी जगह पर शामिल कर लिया जाए पर ये इतना आसान नहीं है। इसका कारण है कि आईसीसी और पीसीबी दोनों को पता है कि भारत के चैंपियंस ट्रॉफी में ना खेलने से उनको काफी ज्यादा नुकसान होगा। अब पाकिस्तान के सामने आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी को लेकर चार रास्ते बचे हैं। सबसे पहला और आसान रास्ता है कि पीसीबी टूर्नामेंट को हाईब्रिड मॉडल में कराने को तैयार हो जाए। इसके तहत ही सेमीफाइनल और फाइनल समेत भारत के सारे मुकाबले पाकिस्तान के बाहर कराए जाए। वहीं दूसरा रास्ता ये है कि पूरा टूर्नामेंट ही पाक से बाहर कराया जाए। वहीं तीसरा रास्ता है कि भारत चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर हो जाए और उनकी जगह पर श्रीलंका को शीर्ष 8 टीमों में शामिल कर लिया जाए। ऐसा हुआ तो पीसीबी ही नहीं बल्कि आईसीसी को भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है। वहीं अंतिम ये कि चैंपियंस ट्रॉफी को कुछ समय के लिए स्थगित कर दिया जाए।

17 साल के आयुष को मेगा नीलामी में खरीद सकती है सीएसके

मुम्बई, 13 नवंबर (एजेंसियां)।

इंडियन प्रीमियर लीग आईपीएल की नीलामी में इस बार चेन्नई सुपर किंग्स सीएसके की टीम मुंबई के 17 वर्षीय सलामी बल्लेबाज आयुष म्हात्रे को शामिल कर सकती है। माना जा रहा है कि इसी कारण आयुष को चयन ट्रायल के लिए बुलाया गया है। कहा जा रहा है कि पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी भी आयुष से प्रभावित हैं। रणजी ट्रॉफी का पांचवां दौर 16 नवंबर को समाप्त हो रहा है,ऐसे में सीएसके के पास ट्रायल के लिए आठ दिन का समय है।

आयुष से सीएकके का प्रबंधन भी प्रभावित है। म्हात्रे को रणजी ट्रॉफी 2024 सीजन के पांचवें दौर के अंत के बाद और सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी की शुरुआत से पहले सीएसके ने ट्रॉयल के लिए बुलाया है। दोनों के बीच छह दिन का अंतर है। इससे सीएसके को 24 और 25 नवंबर को होने वाली मेगा नीलामी से पहले आंकलन का पर्याप्त समय मिल जाएगा।

प्रबंधन और धोनी हैं खेल से प्रभावित

आयुष ने शेष भारत के खिलाफ ईरानी कप खेल में मुंबई के लिए अपना प्रथम श्रेणी पदार्पण किया था। पृथ्वी शॉ के साथ बल्लेबाजी की शुरुआत करते हुए इस युवा ने दो पारियों में क्रमश: 19 और 14 रन बनाए। मुंबई के लिए अब तक के आंकड़े उसके अच्छे हैं। उसने पांच मैचों में 35.66 की औसत से 321 रन बनाए हैं, जिसमें एक शतक और एक अर्धशतक शामिल है। उनने 176 रन महाराष्ट्र के खिलाफ बनाये थे। एक रिपोर्ट के अनुसार सीएसके के प्रबंध निदेशक और सीईओ काशी विश्वनाथन ने मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) से अनुरोध किया था कि वे आयुषको उनके नवलूर मैदान में ट्रायल में भाग लेने की अनुमति दें। सीएसके 55 करोड़ रुपए की राशि के साथ मेगा नीलामी में उतरेगा।

इंग्लैंड के खिलाफ शेष तीन टी20 मैचों से बाहर हुए रसेल, अल्जारी जोसेफ की वापसी

बारबाडोस,13 नवंबर (एजेंसियां)।

वेस्टइंडीज क्रिकेट टीम के अनुभवी ऑलराउंडर आंद्रे रसेल इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20 श्रृंखला के बाकी बचे तीन मैचों से बाहर हो गए हैं। रसेल को बारबाडोस में श्रृंखला के शुरुआती मैच के दौरान टखने में चोट लग गई थी और वह दूसरे मैच से बाहर हो गए थे। यह मैच वेस्टइंडीज सात विकेट से हार गई थी और श्रृंखला में 2-0 से पीछे हो गई है।

क्रिकेट वेस्टइंडीज ने रसेल के स्थान पर ऑलराउंडर शमर स्प्रिंगर को टीम में शामिल किया है। साथ ही तेज गेंदबाज अल्जारी जोसेफ की भी तीन मैचों के लिए 15 खिलाड़ियों की टीम में वापसी हुई है। दाएं हाथ के इस गेंदबाज को इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे एकदिवसीय मैच के दौरान मैदान पर हुई घटना के कारण दो मैचों का निलंबन मिला था।

क्रिकेट वेस्टइंडीज के अनुसार अल्जारी जोसेफ, दो मैचों का निलंबन पूरा करने के बाद शमर जोसेफ की जगह टीम में शामिल होंगे।

टी20 श्रृंखला के बाकी मैच सेंट लूसिया में खेले जाएंगे। दोनों टीमों के बीच तीसरा मुकाबला गुरुवार को खेला जाएगा।

वेस्टइंडीज टी20 टीम: रोवमैन पॉवेल (कप्तान), रोस्टन चेजज, मैथ्यू फोर्डे, शिमरोन हेटमायर, टेरेंस हिंड्स, शाई होप, अकील होसेन, अल्जारी जोसेफ, ब्रैंडन किंग, एविन लुईस, गुडाकेश मोती, निकोलस पूरन, शेरफेन रदरफोर्ड, रोमारियो शेफर्ड, शमर स्प्रिंगर।

एंडरसन को शामिल कर सकती है सीएसके : वॉन

लंदन, 13 नवंबर (एजेंसियां)।

इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने कहा है कि अनुभवी तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन साल 2025 इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) सत्र में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की ओर से खेल सकते हैं। इस साल अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने वाले एंडरसन ने अपने करियर में पहली बार आईपीएल मेगा नीलामी के लिए पंजीकरण कराया है। जिसके बारे में कहा है कि वह अपना खेल का ज्ञान बढ़ाने के लिए आईपीएल खेलना चाहते हैं। वॉन ने कहा कि सीएसके अधिकतकर अनुभवी खिलाड़ियों को खरीदती है।

ऐसे में वह एंडरसन की स्विंग क्षमता को देखते हुए उन्हें खरीद सकती है। ये तेज गेंदबाज शुरुआती ओवरों में नई गेंद से प्रभावशाली साबित हो सकता है। वॉन ने कहा, आपने जेम्स एंडरसन की बात की, मुझे हैरानी नहीं होगा अगर एंडरसन सीएसके में शामिल हो जाएं। इसका कारण ये है कि सीएसके ऐसी टीम हैं जो ऐसे खिलाड़ी को पसंद करती हैं जो पहले कुछ ओवरों में स्विंग करा सकें। उनके पास पहले भी शार्दुल ठाकुर जैसे स्विंग गेंदबाज रहे हैं, इसलिए अगर एंडरसन सीएसके में आते हैं तो ये उनके लिए बेहतर होगा।

आईपीएल नीलामी के लिए पंजीकरण करने के समय ही एंडरसन ने कहा कि वह संन्यास के बाद भी क्रिकेट खेलना जारी रखना चाहते हैं। एंडरसन ने ये भी कहा था कि उन्हें अभी भी लगता है कि उनके पास खेल को देने के लिए बहुत कुछ है। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि मैं फिर से क्रिकेट खेलना चाहता हूं। मुझे चुना जाता है या नहीं, यह अलग बात है, लेकिन मेरे अंदर निश्चित रूप से यह भावना है कि मेरे पास किसी न किसी रूप में और भी बहुत कुछ देने को है। गौरतलब है कि एंडरसन के टी20 क्रिकेट में अनुभव सीमित लेकिन उल्लेखनीय है। उन्होंने 44 टी20 मैचों में 32.14 की औसत और 8.47 की इकॉनमी से 41 विकेट लिए हैं। उन्होंने 19 टी20आई भी खेले हैं जिसमें 7.84 की औसत से 18 विकेट लिए हैं।

ऑस्ट्रेलियाई मीडिया में छाया हैं युवा यशस्वी जायसवाल का नाम

सिडनी,13 नवंबर (एजेंसियां)।

भारतीय क्रिकेट टीम बॉडर गावस्कर ट्रॉफी के लिए ऑस्ट्रेलिया पहुंच गयी है पर हैरानी की बात है कि स्थानीय मीडिया में कप्तान रोहित शर्मा और अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली की जगह पर युवा यशस्वी जायसवाल छाये हुए हैं। यशस्वी को यहां के मीडिया ने भारतीय क्रिकेट का न्यू किंग करार दिया है। अपनी शानदार बल्लेबाजी शैली, निरंतरता और जमकर रन बनाने के कारण ही यशस्वी को ये नाम मिला है।

यशस्वी साधारण शुरुआत से उबरकर जल्दी ही भारत के सबसे होनहार युवा बल्लेबाजों में से एक बने हैं। जिन्होंने घरेलू क्रिकेट और आईपीएल में अपने शानदार प्रदर्शन से प्रशंसकों और आलोचकों को समान रूप से प्रभावित किया। यशस्वी क्रिकेटर बनने कम उम्र में मुंबई चले गए। उनका शुरुआती जीवन मुश्किलों से भरा रहा। वह प्रशिक्षण के दौरान गुजारा करने के लिए छोटे-मोटे काम करके संघर्ष करते थे। जुलाई 2023 में रोसेउ में वेस्टइंडीज के खिलाफ 171 रनों की शानदार पारी खेलकर उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में जबरदस्त शुरुआत की।

इसके बाद इंग्लैंड के खिलाफ क्रमश: 209 और नाबाद 214 रनों की पारी खेलकर जायसवाल ने बड़ी पारियों के लिए अपनी भूख दिखाई। पिछले महीने इस क्रिकेटर ने 23 साल की उम्र से पहले एक कैलेंडर वर्ष में 1,000 टेस्ट रन बनाकर नया रिकार्ड बनाया। 14 टेस्ट के बाद जायसवाल ने 56.28 की औसत से 1407 रन बनाए हैं। एक ऑस्ट्रेलयाई अखबार ने यशस्वी के क्रिकेट सफर की जानकारी देते हुए उनकी तस्वीर छापी है। इसमें एक और विराट की तस्वीर जबकि दूसरी ओर यशस्वी की तस्वीर लगाकर दिखाया गया है कि ये भारत का अगला सितारा है जो विराट की जगह लेगा। रिपोर्ट में कहा गया है।

हसरंगा न्यूजीलैंड के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज से बाहर, दुशान शामिल

दांबुला । श्रीलंका को न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज से पहले ही करारा झटका लगा है। उसके मुख्य लेग स्पिनर वानिंदु हसरंगा चोटिल होने के कारण सीरीज से बाहर हो गये हैं। श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) ने कहा कि हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण हसरंगा एकदिवसीय सीरीज नहीं खेल पायेंगे। ऐसे में उनकी जगह पर दुशान हेमंथा को टीम में शामिल किया गया हैं। हसरंगा न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टी-20 मैच के दौरान गेंदबाजी करते समय चोटिल हो गये थे। हसरंगा ने दो टी-20 मैचों में छह विकेट लिए थे। मैच के बाद हसरंगा ने कहा कि इस प्रकार चोट उन्हें पहले भी लगी है। वहीं इससे पहले न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज लॉकी फर्ग्यूसन भी चोटिल होने के कारण ही एकदिवसीय सीरीज से बाहर हो गए थे।

जिंका लॉजिस्टिक्स का आईपीओ खुला निवेशक 18 नवंबर तक लगा सकेंगे बोली

नई दिल्ली,13 नवंबर (एजेंसियां)।

ट्रक मालिकों का डिजिटल प्लेटफॉर्म जिंका लॉजिस्टिक्स सॉल्यूशंस लिमिटेड का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) बुधवार को निवेशकों के लिए खुल गया। इस इश्यू के लिए निवेशक 18 नवंबर तक बोली लगा सकते हैं। कंपनी के शेयर बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर 21 नवंबर को सूचीबद्ध होंगे।

जिंका लॉजिस्टिक्स सॉल्यूशंस लिमिटेड ने आईपीओ के लिए मूल्य का दायरा 259-273 रुपये प्रति शेयर तय किया है। कंपनी के इस आईपीओ में निवेशक न्यूनतम 54 इक्विटी शेयर और उसके बाद 54 इक्विटी शेयरों के मल्टीपल में बोली लगा सकते हैं। जिंका लॉजिस्टिक्स सॉल्यूशंस की योजना इस आईपीओ के जरिए 1,115 करोड़ रुपये जुटाने की है। कंपनी पात्र कर्मचारियों को 25 रुपये प्रति इक्विटी शेयर का डिस्काउंट का ऑफर दे रही है।

कंपनी का एक रुपये फेस वैल्यू वाला यह आईपीओ 550 करोड़ रुपये के नए निर्गम और 2.06 करोड़ शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) का संयोजन है। इस आईपीओ में मूल्य दायरे के ऊपरी स्तर पर प्रवर्तकों और निवेशकों के ओएफएस का मूल्य 565 करोड़ रुपये बैठता है। जिंका लॉजिस्टिक्स सॉल्यूशंस नए निर्गम से प्राप्त 200 करोड़ रुपये की राशि का उपयोग बिक्री और विपणन पहल के लिए करेगी। इसके अलावा 140 करोड़ रुपये की राशि का इस्तेमाल ब्लैकबक फिनसर्व में निवेश के लिए किया जाएगा जबकि 75 करोड़ रुपये उत्पाद विकास से संबंधित व्यय के वित्तपोषण के लिए तथा एक हिस्सा सामान्य कंपनी अपने कामकाज में लगाएगी। उल्लेखनीय है कि जिंका लॉजिस्टिक्स सॉल्यूशंस लिमिटेड कंपनी ट्रक ऑपरेटरों (यूजर्स की संख्या के हिसाब से) के लिए भारत का सबसे बड़ा डिजिटल प्लेटफॉर्म है।

न्यूज़ ब्रीफ

मामूली लिस्टिंग के बाद स्विगी के शेयरों ने दिखाई मजबूती, आईपीओ निवेशकों के खिले चेहरे

नई दिल्ली। ऑनलाइन फूड डिलीवरी करने वाली कंपनी स्विगी के शेयर की शुरुआती चाल ने आईपीओ निवेशकों चेहरे खिला दिए हैं। स्टॉक मार्केट में कंपनी के शेयर करीब 7 प्रतिशत प्रीमियम के साथ लिस्ट हुए। आईपीओ के तहत 390 रुपये के भाव पर स्विगी के शेयर जारी किए गए थे। बीएसई पर इसकी लिस्टिंग 412 रुपये और एनएसई पर इसकी लिस्टिंग 420 रुपये के भाव पर हुई। हालांकिए लिस्टिंग के तुरंत बाद मुनाफा वसूली शुरू हो जाने की वजह से इसके शेयरों में गिरावट आ गई। लगातार हो रही बिकवाली के कारण स्विगी के शेयर 391 रुपये के स्तर तक गिर गए, लेकिन इसके बाद खरीदारी शुरू होने से इसने तेज छलांग लगा दी। खरीदारी के सपोर्ट से ये शेयर उछल कर 449 रुपये के भाव तक पहुंच गए। लगातार जारी खरीद बिक्री के बीच दोपहर 12 बजे स्विगी के शेयर 54 रुपये की मजबूती के साथ 444 रुपये के भाव पर ट्रेड कर रहे थे। स्विगी का 11,327.43 करोड़ रुपये का ये आईपीओ इस साल घरेलू शेयर बाजार में लॉन्च होने वाला दूसरा सबसे बड़ा आईपीओ है। इसके पहले अक्टूबर के महीने में हुंडई मोटर ने 27,870 करोड़ रुपये का आईपीओ लॉन्च करके घरेलू शेयर बाजार के इतिहास में सबसे बड़ा आईपीओ लॉन्च करने का रिकॉर्ड बनाया था। स्विगी का आईपीओ 6 से 8 नवंबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए ओपन हुआ था। आईपीओ के तहत 371 से 390 रुपये का प्राइस बैंड तय किया गया था, जबकि लॉट साइज 38 शेयर का था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से मिला-जुला रिस्पॉन्स मिला था। क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के अलावा दूसरी कैटेगरी में इस आईपीओ को लेकर अधिक उत्साह नजर नहीं आया था। खासकर, नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में तो सिर्फ 0.41 प्रतिशत सब्सक्रिप्शन ही आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन भी अंतिम दिन 1.14 गुना सब्सक्राइब हो सका था। स्विगी के आईपीओ के तहत 4,499 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी किए गए हैं। इसके अलावा 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 17,50,87,863 शेयरों की ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिए बिक्री हुई है। आईपीओ के जरिए नए शेयरों की बिक्री से मिले पैसों में से 164.80 करोड़ रुपये से कंपनी अपनी सब्सिडियरी स्कूट्सी के कर्ज को काम करेगी, जबकि 1,178.70 करोड़ रुपये की लागत से कंपनी के डार्क स्टोर नेटवर्क का विस्तार किया जाएगा।

दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति एलन मस्क की संपत्ति में 84.7 अरब डॉलर की वृद्धि

सैन फ्रांसिस्कों । उद्योगपति एलन मस्क इस समय दुनिया के सबसे धनी व्यक्ति बने हुए हैं। इस सप्ताह

उनकी कंपनी टेस्ला के शेयरों में 29 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई, जिससे उनकी कुल संपत्ति बढ़कर 314 अरब डॉलर तक पहुंच गई। मस्क की इस संपत्ति में 84.7 अरब डॉलर की वृद्धि हुई है। हालांकि, इस वर्ष संपत्ति में तेजी से वृद्धि के मामले में एनवीडिया के सह-संस्थापक और सीईओ जेनसेन हुआंग ने उन्हें पीछे छोड़ दिया है, जिनकी संपत्ति में इस साल 84.8 अरब डॉलर का इजाफा हुआ है। हुआंग, जो हाल ही में भारत दौरे पर भी आए थे, की कुल संपत्ति अब 129 अरब डॉलर है, जिससे वह दुनिया के शीर्ष 10 अमीरों की सूची में शामिल होने से थोड़ा पीछे रह गए और फिलहाल 11वें स्थान पर हैं।

दीपावली पर सोने पर हुआ 1,961 करोड़ का रिकॉर्ड निवेश

नई दिल्ली। गोल्ड एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड्स (ईटीएफ) में निवेशकों की बढ़ती रुचि के साथ ही अक्टूबर में

इसमें रिकॉर्ड 1,961 करोड़ रुपये का निवेश हुआ, जो सितंबर के 1,233 करोड़ रुपये से कहीं अधिक है। भारतीय म्यूचुअल फंड्स के संगठन (एएमएफआई) के अनुसार, यह अक्टूबर में गोल्ड ईटीएफ श्रेणी का मासिक शुद्ध इनफ्लो का नया रिकॉर्ड है। जनवरी 2020 से लेकर अब तक गोल्ड ईटीएफ में कुल 24,153 करोड़ रुपये का निवेश हुआ है, जो इस निवेश विकल्प की लोकप्रियता को दर्शाता है। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल के आंकड़ों के मुताबिक, भारतीय गोल्ड ईटीएफ में शुद्ध सोने की होल्डिंग पिछले चार वर्षों में लगभग दोगुनी होकर 54.5 टन तक पहुंच गई है, जबकि चार साल पहले यह केवल 27.4 टन थी।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

जालसाजी से..

रिश्वत की रकम हिंदुओं के साथ फ्रॉड करके कमाई गई रकम है, जो वोट जेहाद में लगाई जा रही है।

भाजपा नेता किरीट सोमैया ने चुनाव आयोग को पत्र लिखकर इस वोट जेहाद का संज्ञान लेने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा, अक्टूबर 2024 में सैकड़ों करोड़ रुपए के बेनामी लेन-देन हुए हैं। इनमें से काफी धन का इस्तेमाल वोट जेहाद के लिए किया गया। उन्होंने कहा, कुल 17 बैंक खातों का इस्तेमाल पैसे मंगवाने और फिर उसे महाराष्ट्र के अलग अलग हिस्से में 2 दर्जन से ज्यादा बैंक खातों में भेजने के लिए किया गया है। 25 करोड़ के हवाला लेनदेन के बारे में कुछ जानकारी मुंबई से मिली है। मुंबई और अहमदाबाद के कुछ खातों में 50 करोड़ से अधिक भेजे गए। सिराज अहमद और उसके सहयोगी नईम खान ने 125 करोड़ रुपए निकाले और उसे हवाला के जरिए अलग अलग संदेहास्पद जगहों पर भेजा।सोमैया ने कहा, मालेगांव ऐसी जगह है, जहां काफी आक्रामक तरीके से वोट जेहाद चल रहा है। उन्होंने कहा कि 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा उम्मीदवार को सिर्फ 100 वोट मिले, जबकि कांग्रेस उम्मीदवार को 194000 वोट मिले। उन्होंने आरोपी सिराज अहमद, नईम खान और उसके सहयोगियों के खिलाफ सख्त सजा की मांग की है।

60 साल तक...

मैं दरभंगा और पूरे मिथिला को इन विकास कार्यों के लिए बधाई देता हूं। हमारे देश में सबसे बड़ी आबादी गरीब और मध्यम वर्ग के लोगों के लिए है। बीमारी भी सबसे अधिक इन्हीं लोगों को प्रभावित करती है। हम सब इसी पृष्ठभूमि से आते हैं। घर में कोई बीमार पड़ता है तो कैसे पूरा परिवार संकट में आ जाता है? हम इसे समझते हैं। पहले के दौर में अस्पताल भी कम थे। डॉक्टर कम थे। दवाइयां कम थीं। सरकारें सिर्फ वादों और दावों में उलझी रहती थी। यहां बिहार में जब तक नीतीश कुमार सरकार में नहीं आए थे तब तक गरीबों की चिंता को लेकर कोई गंभीरता नहीं थी। गरीबों के पास बीमारी को सहने के अलावा कोई चारा नहीं था। हमारा देश कैसे आगे बढ़े? इसके लिए हमारी सरकार ने सोच और एप्रोच बदला। हमारा पहला फोकस बीमारी से बचाव पर है। दूसरा फोकस बीमारी के इलाज पर है। तीसरा फोकस सस्ता इलाज और दवाई। चौथा फोकस छोटे शहरों में इलाज की सुविधा देना और पांचवां फोकस टेक्नोलॉजी के जरिए इलाज की व्यवस्था करना है।पीएम मोदी ने कहा कि आजादी के 60 सालों तक देश में एक ही एम्स था। देशवासियों को दूर दराज से दिल्ली आना पड़ता था। काफी परेशानी का सामना करना पड़ता था। हमारी सरकार ने नए नए एम्स बनाए। आज देश में दो दर्जन एम्स हैं। मेडिकल कॉलेज और अस्पतालों की संख्या बढ़ी है। डॉक्टरों की संख्या में बढोतरी हुई है। पहले डॉक्टर बनना हो तो अंग्रेजी माध्यम जरूरी था। अब डॉक्टर पढ़ना है या इंजीनियरिंग पढ़ना है तो वह अपनी मातृभाषा में पढ़कर अपनी पढ़ाई पूरी कर सकते हैं। यह भारत रत्न कर्पूरी ठाकुर को सच्ची श्रद्धांजलि हैं। हमारी सरकार ने एक और बड़ा निर्णय लिया, इससे युवाओं को काफी फायदा होगा। देश में हिन्दी या अन्य भाषाओं में भी मेडिकल की पढ़ाई होगी। यानी अब दलित, गरीब और आदिवासी भी आसानी से डॉक्टर बन पाएंगे। पीएम मोदी ने कहा कि मुजफ्फरपुर में कैंसर का बड़ा अस्पताल बन रहा है। इससे एक ही छत के नीचे सभी तरह के कैंसर का इलाज होगा। जल्दी ही आंखों का अस्पताल भी बिहार में बन रहा।पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि आयुष्मान भारत योजना से लाखों गरीबों का इलाज हो रहा है। अगर यह नहीं होता तो गरीब अस्पताल ही नहीं जाते हैं। अब सरकारी के साथ प्राइवेट अस्पतालों में भी इलाज हो रहा है। सवा लाख करोड़ रुपए गरीबों के बचे हैं। एक योजना से देश के गरीबों के सवा लाख करोड़ रुपए बचे हैं। अब तो 70 साल के ऊपर के बुजुर्गों को भी आयुष्मान योजना के दायरे में लाया जा रहा है। बिहार में भी 70 साल के ऊपर के बुजुर्गों के लिए मुफ्त इलाज की सुविधा शुरू हो गई है। बहुत जल्द सभी बुजुर्गों के पास आयुष्मान वय वंदन योजना का कार्ड होगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मैथिली भाषा में मिथिलांचल वासियों को नमन किया। उनका अभिनंदन किया। कहा कि आज झारखंड में मतदान हो रहा है। झारखंड के लोगों से अपील करूंगा कि आज ज्यादा से ज्यादा संख्या में वोट करें। मैं मिथिला की बेटी स्वर कोकिला स्व. शारदा सिन्हा को नमन करता हूं। मैथिली और भोजपुरी संगीत में उनका योगदान अतुलनीय है। छठ महापर्व पर उनके गीत देश दुनिया में बजते हैं। हम विकसित भारत की तरफ तेजी से कदम बढ़ा हैं। हमारी पीढ़ी सौभाग्यशाली है कि हम इसके साक्षी बन रहे हैं और देश के विकास में अपना योगदान दे रहे हैं।पीएम मोदी ने कहा कि यह एनडीए सरकार ही है, जिसने मैथिली भाषा को आठवीं अनुसूची में शामिल किया था। झारखंड में मैथिली भाषा को दूसरे राजभाषा का दर्जा दिया। दरभंगा, सीतामढ़ी और अयोध्या रूट पर अमृत भारत टेन से काफी मदद मिली है। आज मैं दरभंगा महाराज कामेश्वर सिंह के योगदानों के प्रति भी सम्मान और आभार जताता हूं। आजादी से पहले देश के विकास में दरभंगा महाराज का काफी योगदान रहा है। मेरे संसदीय क्षेत्री काशी के विकास में भी उनका काफी योगदान रहा है। पीएम मोदी ने कहा कि मैं एक बार फिर दरभंगा एम्स और अन्य विकास योजनाओं के लिए आप सभी को बधाई देता हूं। इस मौके पर बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि एम्स बनने के बाद दरभंगा शहर का और विस्तार होगा। हमलोगों को बहुत खुशी मिली है कि दरभंगा एम्स का निर्माण हो रहा है। आप सभी लोगों से अपील है कि आपलोग हाथों को उठाकर पीएम मोदी को नमन करें। वह और भी अच्छा काम करेंगे बिहार के लिए। राज्य सरकार की ओर से जो भी मदद की आवश्यकता होगी वह मैं करूंगा।मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सभी लोगों का अभिनंदन किया। कहा कि हमलोग पीएम मोदी का स्वागत करते हैं। आज महत्वपूर्ण दिन है। दरभंगा एम्स के निर्माण कार्य का शिलान्यास हो रहा है। श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेई ने कार्यकाल में पटना एम्स के निर्माण की आधारशिला रखी गई थी। जब पीएम मोदी का कार्यकाल शुरू हुआ तो 2015 में ही दरभंगा एम्स के निर्माण की बात हुई। हमने तत्कालीन वित्त मंत्री स्व. अरूण जेटली जी से कहा था। इसके बाद सरकार ने निर्णय लिया कि पटना के बाद दरभंगा में एम्स बनेगा।

घुसपैठियों ने ...

एससी, एसटी और ओबीसी की अधिक आबादी वाले राज्यों से कांग्रेस का सफाया हो गया तो अब वह उप-जातियों को एक दूसरे के खिलाफ खड़ा कर रही है।पीएम मोदी ने कहा कि झामुमो हो, कांग्रेस हो, राजद हो, इन लोगों को सिर्फ अपने परिवार के भविष्य की चिंता है। ये इसी तिकड़म में लगे रहते हैं कि इनके परिवार का भला कैसे होगा। लेकिन मोदी को आपके परिवार की चिंता है, आप ही मेरा परिवार हैं। मैं आपको सावधान करने आया हूं, आपको जगाने आया हूं। आपको ज्यादा सावधान रहना है और याद रखना है कि एक हैं तो सेफ हैं।प्रधानमंत्री ने कहा, बांग्लादेशी घुसपैठियों के लिए रातों-रात पक्के कागज बनाए गए। आदिवासी बेटियों को शादी के नाम पर ठगा गया और उनकी जमीन हथिया ली गई। इन घुसपैठियों ने आपसे आपका रोजगार छीन लिया और आपकी रोटी भी छीन ली। लेकिन यहां की सरकार का रवैया देखिए। जेएमएम सरकार ने कोर्ट में कह दिया कि झारखंड में कोई घुसपैठ हुई ही नहीं है। पीएम ने कहा, कांग्रेस के इरादे बहुत खतरनाक हैं। कांग्रेस के शहजादे ने साफ कर दिया है कि वो एससी/एसटी/ओबीसी आरक्षण को खत्म करना चाहते हैं। इनके पिताजी जब कांग्रेस के सर्वेसर्वा थे, तभी उन्होंने आरक्षण हटाने का ऐलान कर दिया था। लेकिन एससी/एसटी/ओबीसी की एकजुटता के कारण वे तब बुरी तरह चुनाव हार गए। तब से आज तक कांग्रेस को कभी भी केंद्र सरकार में पूर्ण बहुमत नहीं मिला। आज भी जिन राज्यों में एससी/एसटी/ओबीसी की आबादी ज्यादा है, वहां कांग्रेस का पत्ता साफ हो चुका है। इसलिए कांग्रेस ने एक नई साजिश रची है। कांग्रेस ने आपकी आंखों में धूल झोंकने का एक नया खेल खेला है। ये लोग एससी/एसटी/ओबीसी की सामूहिक शक्ति को तोड़ना चाहते हैं, उसे टुकड़े-टुकड़े करना चाहते हैं। इससे सतर्क रहें।

एक्शन के...

सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि उसने शक्ति के विभाजन पर विचार किया है और यह समझा है कि कार्यपालिका और न्यायपालिका अपने-अपने कार्यक्षेत्र में कैसे काम करती हैं। न्यायिक कार्यों को न्यायपालिका को सौंपा गया है और न्यायपालिका की जगह पर कार्यपालिका को यह काम नहीं करना चाहिए। कोर्ट ने आगे कहा, अगर कार्यपालिका किसी व्यक्ति का घर केवल इस वजह से तोड़ती है कि वह आरोपी है, तो यह शक्ति के विभाजन के सिद्धांत का उल्लंघन है। कोर्ट ने कहा कि जो सरकारी अधिकारी कानून को अपने हाथ में लेकर इस तरह के अत्याचार करते हैं, उन्हें जवाबदेही के लिए जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए।इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने एक अंतरिम आदेश जारी किया था, जिसमें अधिकारियों को निर्देश दिया गया था कि जब तक कोर्ट से अगला आदेश न मिले, तब तक वे किसी भी तरह के विध्वंस अभियान को रोंके। हालांकि, यह आदेश अवैध निर्माणों खासतौर पर सड़क और फुटपाथ पर बने धार्मिक ढांचों पर लागू नहीं था। कोर्ट ने यह भी कहा था कि सार्वजनिक सुरक्षा सर्वोपरि है और किसी भी धार्मिक संरचना को सड़कों के बीच में नहीं बनना चाहिए, क्योंकि यह सार्वजनिक मार्गों में रुकावट डालता है। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने इस बात पर गौर किया था कि किसी व्यक्ति पर अपराध का आरोप लगने या उसे दोषी ठहराए जाने के आधार पर उसके घरों और दुकानों को बुलडोजर से तोड़ने का कोई आधार नहीं है। जस्टिस बी.आर. गवाई ने कहा था, हम एक धर्मनिरपेक्ष देश हैं, जो भी हम तय करते हैं, वह सभी नागरिकों के लिए करते हैं। किसी एक धर्म के लिए अलग कानून नहीं हो सकता। उन्होंने यह भी कहा था कि किसी भी समुदाय के सदस्य के अवैध निर्माण को हटाया जाना चाहिए, चाहे वह किसी भी धर्म या विश्वास का हो।

जम्मू-कश्मीर में ...

इनमें 21 आतंकवादी पाकिस्तानी थे। उत्तरी कमान प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल एमवी सुचिंद्र कुमार ने मंगलवार को व्हाइट नाइट कोर जम्मू का दौरा किया। उन्होंने यहां सैन्य परिचालन तैयारियों की समीक्षा की। उत्तरी कमान प्रमुख ने सुरक्षाबलों को आतंकियों के खिलाफ सतर्कता के साथ अभियान तेज करने के निर्देश दिए। उत्तरी कमान प्रमुख ने सेना को आतंकवाद विरोधी अभियानों में व्यावसायिकता और सतर्कता के उच्चतम मानकों को बनाए रखने के लिए कहा है। उन्होंने खतरों को खत्म करने के लिए सभी हितधारकों के बीच घनिष्ठ तालमेल पर जोर देते हुए कहा कि क्षेत्र में शांति और सुरक्षा बनाए रखने के लिए सतर्क रहें।जीओसी-इन सी का यह दौरा अहम माना जा रहा है, क्योंकि पिछले पांच दिनों से लगातार आतंकी वारदात बढ़ी है। किश्तवाड़ में इस दौरान दो घटनाओं में एक जेसीओ राकेश कुमार शहीद हो गए, जबकि दो ग्राम रक्षा गार्डों की दहशतगर्दों ने हत्या कर दी। आतंकियों की तलाश में सेना विशेष ऑपरेशन चला रही है।

वायनाड लोकसभा में ...

मेघालय की एक विधानसभा सीट के लिए उपचुनाव में 80.91 प्रतिशत मतदान हुआ।

झारखंड की 81 सदस्यीय विधानसभा के पहले चरण के लिए आज मतदान कराए गए। पहले चरण में राज्य की 43 सीट पर सुबह सात बजे से मतदान शुरू हुआ। निर्वाचन आयोग की योजना के मुताबिक आधिकारिक तौर पर शाम पांच बजे वोटिंग समाप्त हो गई। चुनाव आयोग ने बताया कि पहले चरण में 43 सीटों पर हुए मतदान में औसतन 64.86 प्रतिशत मतदान हुआ। जबकि 10 विधानसभा सीटों पर 70 फीसदी से अधिक वोटिंग हुई।चुनाव आयोग के मुताबिक बुधवार को पहले चरण में 43 सीटों में सरायकेला-खरसावां जिले में सबसे अधिक वोटिंग हुई है। यहां पांच बजे तक 77.32 फीसदी मतदान हुआ है। बुधवार को 43 में से 10 विधानसभा सीटों पर 70 फीसदी से अधिक वोटिंग हुई है। दूसरे नंबर पर बहरागोड़ा है जहां 76.15 फीसदी मतदान हुआ है। तीसरे नंबर पर लोहरदगा में 73.21 फीसदी वोटिंग हुई है। पूर्वी सिंहभूम जिले के पोटका विधानसभा सीट पर 72.29%, राजधानी रांची की मांडर विधानसभा सीट पर 72.13 फीसदी मतदान हुआ है। सरायकेला विधानसभा सीट पर 71.54%, गुमला जिले की सिसई विधानसभा सीट पर 71.21 प्रतिशत मतदान हुआ है। लोहरदगा जिले की बिशुनपुर विधानसभा सीट पर 70.06 वोटिंग हुई है। पूर्वी सिंहभूम की घाटशिला विधानसभा सीट पर 70.05% मतदान हुआ है। लातेहार में 69.7 फीसदी मतदान हुआ है।चुनाव आयोग के मुताबिक बुधवार को पहले चरण में 43 सीटों में बहरागोड़ा में सबसे अधिक वोटिंग हुई है। यहां अब तक 70.10 फीसदी मतदान हुआ है। आंकड़ों के मुताबिक में 65.99 प्रतिशत वोटिंग हुई है। सिमडेगा में 64.78 प्रतिशत मतदान हुआ है।

यूपी से कश्मीर...

नकद ट्रांजेक्शन कराना किसी बड़ी साजिश की ओर इशारा कर रहा है। जम्मू-कश्मीर से जुड़ी निजी सुरक्षा एजेंसियों द्वारा कई अन्य मीट कारोबारियों को भी सुरक्षा दिए जाने के प्रमाण मिले थे। जिसके बाद आयकर विभाग ने इन एजेंसियों के बारे में भी सुराग जुटाए तो बड़े पैमाने पर गड़बड़ी सामने आई।

रिपोर्ट के मुताबिक मीट कारोबारियों की फैक्टरी और आवास पर सुरक्षा का काम कश्मीरी युवा कर रहे हैं, जो संदेहास्पद है। यह रकम जमात-ए-उलेमा हिंद और देवबंद जैसे संगठनों को भेजी गई। 40 देशों को भैंस का मांस निर्यात करने वाली आगरा की एचएमए एग्रो की जांच में सामने आया कि उसने एक अरबी अनुवादक भी रखा है, जो खाड़ी देशों के कुछ लोगों के लगातार संपर्क में रहता है। इसके संचालक आगरा के पूर्व बसपा विधायक जुल्फिकार अहमद भुट्टो हैं। मारिया, रुस्तम और रस्तोगी ग्रुप ने राजौरी की खान सिक्योरिटी प्रोटेक्शन की सेवाएं ली हैं, जिसके अधिकतर कर्मचारी कश्मीरी युवा हैं। आगरा के एचएमए ग्रुप की सुरक्षा का काम जाफरान चौधरी सिक्योरिटी प्राइवेट लिमिटेड, हिंदुस्तान गार्ड फोर्स सिक्योरिटी सर्विसेज, सुभाना चौधरी सिक्योरिटी सर्विसेज और एशिया ग्रुप सिक्योरिटी को दिया गया। हिंदुस्तान गार्ड के मालिक जफर इकबाल और सुभाना चौधरी सिक्योरिटी के मालिक आबिद अली का पुंछ में कार्यालय है।

बीफ के निर्यात...

उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के आधिकारिक आंकड़े बताते हैं कि यूपी में 185 बूचड़खाने हैं। जिनमें से सिर्फ 45 को लाइसेंस दिया गया है। जबकि 140 बूचड़खाने बिना अनुमति के चल रहे हैं। इससे अलग पूरे यूपी में 500 से ज्यादा बूचड़खाने अवैध रूप से चल रहे हैं। एग्रीकल्चरल एंड प्रोसेस्ड फूड प्रोडक्ट्स एक्सपोर्ट डेवलपमेंट अथॉरिटी का कहना है कि यूपी में 38 बूचड़खाने हैं। जिसमें से 7 अलीगढ में, 5 गाजियाबाद में और अन्य मेरठ, मुरादाबाद, रामपुर, और बिजनौर में हैं। यूपी का कोई जिला ऐसा नहीं है, जहां अवैध बूचड़खाना नहीं चल रहा हो।

देशभर में कुल 72 बूचड़खाने हैं जिसे लाइसेंस प्राप्त हैं, इनमें से अकेले यूपी में 38 बूचड़खाने हैं। चार बूचड़खाने ऐसे भी हैं जिसे सरकार खुद चलाती है, जो आगरा, सहारनपुर में है। दो अन्य बूचड़खाने लखनऊ और बरेली में है। अलीगढ़ में हिंद एग्रो आईएमपीपी पहला बूचड़खाना है जिसे 1996 में शुरु किया गया था। यहां यह समझने वाली बात यह है कि खाड़ी के देशों में भैंस के मांस की काफी मांग है और भारत इसके लिए सबसे कारगर देश है, इसकी सबसे बड़ी वजह है कि यहां सस्ता मांस मिलता है और विक्रेता को इस बात का भरोसा मिलता है कि उसे हलाल मांस ही दिया जा रहा है। इसी के चलते यूपी में अवैध बूचड़खाने काफी ज्यादा पनपे हैं।उत्तर प्रदेश से बफैलो (भैंसे का) मीट निर्यात महज कुछ वर्षों में दोगुना हो गया। पिछले वर्ष 17 हजार करोड़ से ज्यादा का भैंसे के मीट का निर्यात किया गया। वहीं इस वर्ष छह महीने में ही 9 हजार करोड़ का मांस निर्याततित हो चुका है। संदेह है कि प्रशासन की मिलीभगत से भैंसों के मांस में गोवंशीय पशुओं का मांस भी बड़े पैमाने पर मिलाया जा रहा है। मांस उत्पादन में इतनी तेज प्रगति ने शासन के कान खड़े कर दिए हैं कि कहीं मानकों और नियमों को ताक पर रखकर तो मांस का कारोबार नहीं किया जा रहा!उत्तर प्रदेश के स्लॉटर हाउसों को एनओसी देने में जमकर धांधली की गई है। अनुमति देने में पैसे का खुला खेल खेला गया। निर्धारित संख्या से दस गुना तक ज्यादा पशुओं को काटे जाने की शिकायतों के बावजूद अधिकारी आंखें मूंदे रहे। यह भी एक वजह है कि पूरे भारत से होने वाले मीट निर्यात में यूपी की हिस्सेदारी 50.34 प्रतिशत हो गई। ये आंकड़े कृषि एवं प्रसंस्करण खाद्य उत्पाद निर्यात प्राधिकरण (एपीडा) के हैं। अकेले यूपी से दुनिया के लगभग 82 देशों में मांस का निर्यात होता है। उन्नाव स्थित एओवी एक्सपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड और अलहक फूड प्राइवेट लिमिटेड के अतिरिक्त गाजियाबाद के अल नासिर स्लॉटर हाउस को एनओसी देने में बरती गई अनियमितता के बाद अफसरों पर गाज गिरी है। यूपी से इस वित्तीय वर्ष में अप्रैल से अगस्त तक 2.41 लाख किलो बफैलो मीट का निर्यात किया जा चुका है। इसकी कीमत करीब 6769 करोड़ रुपए है। वहीं पिछले वित्त वर्ष में 7.36 लाख किलो मांस का निर्यात किया गया था। इस मांस की कीमत करीब 17682 करोड़ रुपए है। मांस निर्यात में यूपी आंध्र प्रदेश और पश्चिम बंगाल से भी आगे निकल गया है। यूपी के केवल पांच जिलों अलीगढ़, गाजियाबाद, आगरा, मेरठ और उन्नाव को मिला कर 22.15 प्रतिशत मांस का निर्यात हो रहा है। पूरे यूपी से कुल 50.34 प्रतिशत बीफ की सप्लाई हो रही है। आश्चर्य की बात यह है कि यूपी से बकरे और भेड़ के गोश्त का निर्यात नाममात्र का है। इस वित्तीय वर्ष में अप्रैल से अगस्त के बीच महज 15 करोड़ रुपए का निर्यात हुआ। वहीं पिछले वर्ष 38 करोड़ का निर्यात हुआ था। प्रोसेस्ड मीट की बात करें तो केवल 3.16 करोड़ रुपए का निर्यात किया गया। बकरे के मीट के निर्यात में स्लॉटर हाउसों का रुझान कम है, जबकि भैंसों और भारी पशुओं के मांस का धंधा स्लॉटर हाउसों का पसंदीदा है।

कर्ज से न हो परेशान, भगवान गणेश की पूजा से समस्या से मिलेगी मुक्ति

महादेव के पुत्र भगवान गणेश को चतुर्थी तिथि समर्पित है। हर माह के कृष्ण और शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि को व्रत किया जाता है। ऐसी मान्यता है कि चतुर्थी तिथि का व्रत करने से जातक को सभी विघ्न से मुक्ति मिलती है। माना जाता है कि गणाधिप संकष्टी चतुर्थी के दिन सच्चे मन से ऋणहर्ता श्री गणेश स्तोत्र का पाठ करने से जातक को गणपति बप्पा की कृपा प्राप्त होती है। साथ ही कर्ज से छुटकारा मिलता है और धन संबंधी समस्या दूर होती है। आइए पढ़ते हैं ऋणहर्ता श्री गणेश स्तोत्र का पाठ।

।। ऋणहर्ता श्री गणेश स्तोत्रम् ।।

कैलाशपर्वते रम्ये शम्भुं चन्द्रार्धशेखरम्।
षडाम्नायसमायुक्तं पप्रच्छ नगकन्यका।।

।। पार्वत्युवाच ।।

देवश परमेशान सर्वशास्त्रार्थपारग।
उपायमृणनाशस्य कृपया वद साम्प्रतम्।।

।। शिव उवाच ।।

सम्यक् पृष्टं त्वया भद्रे लोकानां हिकाम्यया।
तत्सर्वं सम्प्रवक्ष्यामि सावधानावधारय।।

।। विनियोग ।।

ॐ अस्य श्रीऋणहरणकर्तृगणपतिस्तोत्रमन्त्रस्य सदाशिव ऋषिः
अनुष्टुप् छन्दः श्रीऋणहरणकर्तृगणपतिर्देवता ग्लौं बीजम्
गः शक्तिः गों कीलकम्मम सकलऋणनाशने जपे विनियोगः।

।। ऋष्यादिन्यास ।।

ॐ सदाशिवऋषये नमः शिरसि।
ॐ अनुष्टुप् छन्दसे नमः मुखे।
ॐ श्रीऋणहर्तृगणेश देवतायै नमः हृदि।
ॐ ग्लौं बीजाय नमः गुह्ये।
ॐ गः शक्तये नमः पादयोः।
ॐ गों कीलकाय नमः सर्वांगे।

।। करन्यास ।।

ॐ गणेश अंगुष्ठाभ्यां नमः।
ॐ ऋणं छिन्धि तर्जनीभ्यां नमः।
ॐ वरेण्यम् मध्यमाभ्यां नमः।
ॐ हुं अनामिकाभ्यां नमः।
ॐ नमः कनिष्ठिकाभ्यां नमः।
ॐ फट् करतलकर पृष्ठाभ्यां नमः।

।। हृदयादिन्यास ।।

ॐ गणेश हृदयाय नमः।
ॐ ऋणं छिन्धि शिरसे स्वाहा।
ॐ वरेण्यम् शिखायै वषट्।
ॐ हुं कवचाय हुम्।
ॐ नमः नेत्रत्रयाय वौषट्।
ॐ फट् अस्त्राय फट्।

।। ध्यान ।।

सिन्दूरवर्णं द्विभुजं गणेशंलम्बोदरं पद्मदले निविष्टम्।
ब्रह्मादिदेवैः परिसेव्यमानंसिद्धैर्युतं तं प्रणमामि देवम्।।

।। स्तोत्र पाठ ।।

सृष्ट्यादौ ब्रह्मणा सम्यक् पूजितः फलसिद्धये।
सदैव पार्वतीपुत्र ऋणनाशं करोतु मे।।
त्रिपुरस्य वधात्पूर्वं शम्भुना सम्यगर्चितः।
सदैव पार्वतीपुत्र ऋणनाशं करोतु मे।।
हिरण्यकश्यपादीनां वधार्थे विष्णुनार्चितः।

मार्गशीर्ष माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि 18 नवंबर, शाम 06 बजकर 55 मिनट से शुरू हो रही है, जो अगले दिन यानी 19 नवंबर दोपहर को शाम 05 बजकर 28 मिनट पर समाप्त होगी। ऐसे में गणाधिप संकष्टी चतुर्थी का व्रत 18 नवंबर को किया जाएगा।

सदैव पार्वतीपुत्र ऋणनाशं करोतु मे।।
महिषस्य वधे देव्या गणनाथः प्रपूजितः।
सदैव पार्वतीपुत्र ऋणनाशं करोतु मे।।
तारकस्य वधात्पूर्वं कुमारेण प्रपूजितः।
सदैव पार्वतीपुत्र ऋणनाशं करोतु मे।।
भास्करेण गणेशस्तु पूजितश्छविसिद्धये।
सदैव पार्वतीपुत्र ऋणनाशं करोतु मे।।
शशिना कान्तिसिद्ध्यर्थं पूजितो गणनायकः।
सदैव पार्वतीपुत्र ऋणनाशं करोतु मे।।
पालनाय च तपसा विश्वामित्रेण पूजितः।
सदैव पार्वतीपुत्र ऋणनाशं करोतु मे।।

अगर आप बिजनेस में सफलता प्राप्त करना चाहते हैं, तो संकष्टी चतुर्थी के दिन भगवान गणेश को 21 दुर्वा की गांठ के साथ गुड़ के लड्डू का भोग लगाए। ऐसा माना जाता है कि इस उपाय को करने से जातक को बिजनेस में अपार सफलता प्राप्त होती है।

इदं त्वृणहरं स्तोत्रं तीव्रदारिद्र्यनाशनम्।
एकवारं पठेन्नित्यं वर्षमेकं समाहितः।।
दारिद्र्यं दारुणं त्यक्त्वा कुबेरसमतां व्रजेत्।
फडन्तोऽयं महामन्त्रः सार्धपञ्चदशाक्षरः।।
अस्यैवायुतसंख्याभिः पुरश्चरणमीरितम।
सहस्रावर्तनात् सद्यो वाञ्छितं लभते फलम्।।
भूत-प्रेत-पिशाचानां नाशनं स्मृतिमात्रतः।।
।। इति श्रीकृष्णयामलतन्त्रागत-उमामहेश्वरसंवादे ऋणहर्ता श्री गणेश स्तोत्रम् सम्पूर्णम् ।।

मार्गशीर्ष में कब है उत्पन्ना और मोक्षदा एकादशी

क्या है पूजा का शुभ मुहूर्त?

सनातन धर्म में सभी माह को महत्वपूर्ण माना गया है। अब जल्द ही मार्गशीर्ष माह शुरू होने वाला है। पंचांग के अनुसार, इस बार मार्गशीर्ष माह की शुरुआत 16 नवंबर से होगी। वहीं, इसका समापन 15 दिसंबर को होगा। ये हिंदू पंचांग का नौवां महीना है। इस माह में कई महत्वपूर्ण व्रत और पर्व मनाए जाते हैं। साथ ही इस माह में 2 एकादशी का व्रत किया जाता है। धार्मिक मान्यता है कि एकादशी के दिन सच्चे मन से भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी की पूजा-अर्चना करने से दुख-दर्द से छुटकारा मिलता है। साथ ही जीवन में सुख-समृद्धि में वृद्धि होती है। आइए इस आर्टिकल में हम आपके बताएंगे कि मार्गशीर्ष में माह में पड़ने वाली एकादशी की डेट और शुभ मुहूर्त के बारे में।

मार्गशीर्ष माह में कौन-कौन सी एकादशी है?

मार्गशीर्ष माह भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी की कृपा प्राप्त करने के लिए शुभ माना जाता है। इस माह में कृष्ण में पक्ष में उत्पन्ना एकादशी और शुक्ल पक्ष में मोक्षदा एकादशी का व्रत किया जाता है।

उत्पन्ना एकादशी समय और शुभ मुहूर्त

पंचांग के अनुसार, मार्गशीर्ष माह के कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि 26 नवंबर को देर रात 01 बजकर 01 मिनट पर शुरू होगी। वहीं, इस तिथि का समापन अगले दिन यानी 27 नवंबर को देर रात 03 बजकर 47 मिनट पर होगा। ऐसे में 26 नवंबर को उत्पन्ना एकादशी व्रत किया जाएगा। वहीं, उत्पन्ना एकादशी व्रत का पारण द्वादशी तिथि पर यानी 27 नवंबर को दोपहर 01 बजकर 12 मिनट से लेकर 03 बजकर 18 मिनट के मध्य कर सकते हैं।

इस चालीसा के पाठ से विवाह में आ रही बाधा होगी दूर, जल्द बजेगी शहनाई

मार्गशीर्ष माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि को गणाधिप संकष्टी चतुर्थी के नाम से जाना जाता है। ऐसी मान्यता है कि इस दिन शुभ मुहूर्त में भगवान गणेश की पूजा-अर्चना और व्रत करने से जातक के सभी विघ्न दूर होते हैं और कार्यों में सफलता प्राप्त होती है। अगर आप भगवान गणेश की कृपा प्राप्त करना चाहते हैं, तो गणाधिप संकष्टी चतुर्थी के दिन विधिपूर्वक गणेश चालीसा का पाठ करें। इसका पाठ करने से जातक का जीवन खुशहाल होता है और विवाह में आ रही बाधा दूर होती है। इस बार गणाधिप संकष्टी चतुर्थी का व्रत 18 नवंबर को किया जाएगा।

।।गणेश चालीसा।।

।।दोहा।।

जय गणपति सदगुणसदन, कविवर बदन कृपाल।
विघ्न हरण मंगल करण, जय जय गिरिजालाल।।

।।चौपाई।।

जय जय जय गणपति गणराजू।
मंगल भरण करण शुभ काजू।।
जय गजबदन सदन सुखदाता।
विश्व विनायक बुद्धि विधाता।।
वक्र तुण्ड शुचि शुण्ड सुहावन।
तिलक त्रिपुण्ड भाल मन भावन।।
राजत मणि मुक्तन उर माला।
स्वर्ण मुकुट शिर नयन विशाला।।
पुस्तक पाणि कुठार त्रिशूलं।
मोदक भोग सुगन्धित फूलं।।
सुन्दर पीताम्बर तन साजित।
चरण पादुका मुनि मन राजित।।
धनि शिवसुवन षडानन भ्राता।
गौरी ललन विश्व-विख्याता।।
ऋद्धि-सिद्धि तव चंवर सुधारे।
मूषक वाहन सोहत द्वारे।।
कहौ जन्म शुभ-कथा तुम्हारी।
अति शुचि पावन मंगलकारी।।
एक समय गिरिराज कुमारी।
पुत्र हेतु तप कीन्हो भारी।।

मनोकामना को पूरी करने के लिए गणाधिप संकष्टी चतुर्थी शुभ मानी जाती है। इस दिन सुबह स्नान करने के बाद भगवान गणेश की पूजा करें और मोदक समेत आदि चीजों का भोग लगाएं। जीवन में सुख-शांति की प्राप्ति और मनोकामना पूरी होने के लिए कामना करें। ऐसा माना जाता है कि इस उपाय को करने से गणपति बप्पा जातक की सभी मुरादें पूरी करते हैं।

भयो यज्ञ जब पूर्ण अनूपा।
तब पहुंच्यो तुम धरि द्विज रुपा।।
अतिथि जानि कै गौरि सुखारी।
बहुविधि सेवा करी तुम्हारी।।
अति प्रसन्न है तुम वर दीन्हा।
मातु पुत्र हित जो तप कीन्हा।।
मिलहि पुत्र तुहि, बुद्धि विशाला।

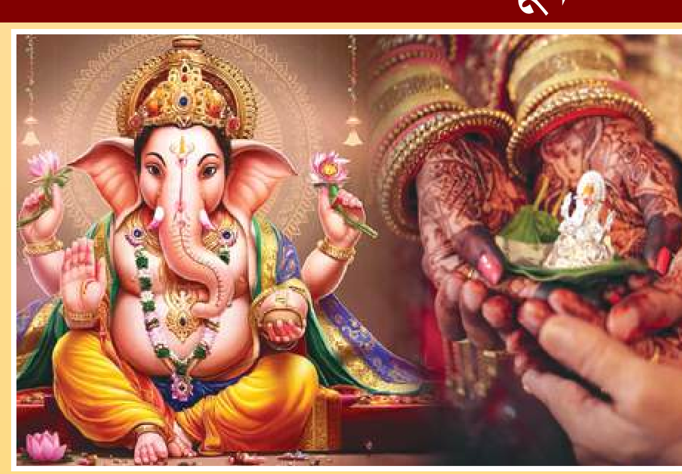

बिना गर्भ धारण, यहि काला।।
गणनायक, गुण ज्ञान निधाना।
पूजित प्रथम, रुप भगवाना।।
अस कहि अन्तर्धान रुप है।
पलना पर बालक स्वरुप है।।
बनि शिशु, रुदन जबहिं तुम ठाना।
लखि मुख सुख नहिं गौरि समाना।।
सकल मगन, सुखमंगल गावहिं।
नभ ते सुरन, सुमन वर्षावहिं।।
शम्भु, उमा, बहु दान लुटावहिं।
सुर मुनिजन, सुत देखन आवहिं।।
लखि अति आनन्द मंगल साजा।
देखन भी आये शनि राजा।।
निज अवगुण गुनि शनि मन माहीं।
बालक, देखन चाहत नाहीं।।
गिरिजा कछु मन भेद बढ़ायो।
उत्सव मोर, न शनि तुहि भायो।।
कहन लगे शनि, मन सकुचाई।
का करिहौ, शिशु मोहि दिखाई।।
नहिं विश्वास, उमा उर भयऊ।
शनि सों बालक देखन कहाऊ।।
पडतहिं, शनि दृग कोण प्रकाशा।
बोलक सिर उड़ि गयो अकाशा।।
गिरिजा गिरीं विकल हुए धरणी।
सो दुख दशा गयो नहीं वरणी।।
हाहाकार मच्यो कैलाशा।
शनि कीन्हो लखि सुत को नाशा।।
तुरत गरुड़ चढ़ि विष्णु सिधायो।
काटि चक्र सो गज शिर लाये।।
बालक के धड़ ऊपर धारयो।
प्राण, मंत्र पढ़ि शंकर डारयो।।
नाम गणेश शम्भु तब कीन्हे।
प्रथम पूज्य बुद्धि निधि, वन दीन्हे।।
बुद्धि परीक्षा जब शिव कीन्हा।
पृथ्वी कर प्रदक्षिणा लीन्हा।।
चले षडानन, भरमि भुलाई।
रचे बैठ तुम बुद्धि उपाई।।
धनि गणेश कहि शिव हिय हरषे।
नभ ते सुरन सुमन बहु बरसे।।
चरण मातु-पितु के धर लीन्हें।

अगर आप विवाह में बाधा का सामना कर रहे हैं, तो गणाधिप संकष्टी चतुर्थी के दिन भगवान गणेश को गुड़ से मिश्रित मालपुएं का भोग लगाएं। मान्यता है कि इस टोटके को करने से विवाह संबंधी समस्या से छुटकारा मिलता है।

तिनके सात प्रदक्षिण कीन्हें।।
तुम्हरी महिमा बुद्धि बड़ाई।
शेष सहसमुख सके न गाई।।
मैं मतिहीन मलीन दुखारी।
करहुं कौन विधि विनय तुम्हारी।।
भजत रामसुन्दर प्रभुदासा।
जग प्रयाग, ककरा, दुर्वासा।।
अब प्रभु दया दीन पर कीजै।
अपनी भक्ति शक्ति कछु दीजै।।
श्री गणेश यह चालीसा।
पाठ करै कर ध्यान।।
नित नव मंगल गृह बसै।
लहे जगत सन्मान।।

।।दोहा।।

सम्वत अपन सहस्त्र दश, ऋषि पंचमी दिनेश।
पूरण चालीसा भयो, मंगल मूर्ति गणेश।।

सपने में धन की चोरी होते दिखना शुभ या अशुभ?

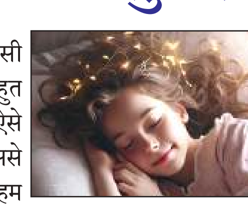

सपनों के संसार में कभी ऐसी चीजें दिखती हैं, जो बहुत डरावनी होती हैं। कई बार ऐसे खुशनुमा पल दिखाई पड़ जाते हैं, जिससे मन पूरे दिन प्रसन्न रहता है। कई बार हम खुद अंबानी जितना अमीर पाते हैं, लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि सपनों में दिखने वाले इन दृश्यों का हकीकत से कोई रिश्ता होता है। जी हां, यह आपके जीवन में होने वाली घटनाओं के संकेत देते हैं।

स्वप्न शास्त्र के अनुसार आप सपने में अपने धन को चोरी होता या फिर किसी को आपसे धन मांगते देखते हैं, तो इसका अर्थ है कि आपको निकट भविष्य में बहुत धन मिलने वाला है। इस तरह के सपने को देखने के बाद मंदिर में जाकर भगवान की पूजा करनी चाहिए।

सपने में फटे-पुराने नोटों का दिखना

स्वप्न शास्त्र के अनुसार आपको अगर सपने में फटे-पुराने नोट दिखाई पड़ रहे हैं, तो यह बहुत ही अशुभ संकेत हैं। आपको निकट भविष्य में आर्थिक तंगी से जूझना पड़ सकता है। इस तनाव भरे माहौल के प्रभाव को खत्म करने के लिए आपको किसी जरूरतमंद की आर्थिक मदद करनी चाहिए। ऐसा करने से आपके ऊपर आने वाली विपदा का प्रभाव कम हो जाएगा।

स्वप्न में सिक्कों के खड़कने की आवाज सुनना

स्वप्न शास्त्र के अनुसार आप समने में सिक्कों को खड़कते हुए देखते हैं। उनकी यह आवाज भविष्य में होने वाले आर्थिक नुकसान के शोर को सुनाते हैं। परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। इस बात की भी आशंका बनी रह सकती है। ऐसे में दान पुण्य कर आप इसके प्रभाव को कम कर सकते हैं।

गुरुवार को पूजा के समय करें ये सरल उपाय

बन जाएंगे सारे बिगड़े काम

सनातन धर्म में गुरुवार का दिन जगत के पालनहार भगवान विष्णु की पूजा की जाती है। इसके साथ ही देवगुरु बृहस्पति की उपासना की जाती है। देवगुरु बृहस्पति की पूजा करने से पद-प्रतिष्ठा में वृद्धि होती है। साथ ही मनोवांछित फल की प्राप्ति होती है। ज्योतिष भी जीवन में तरक्की और उन्नति पाने के लिए गुरुवार के दिन भगवान विष्णु की पूजा करने की सलाह देते हैं। ज्योतिष शास्त्र में गुरुवार के दिन विशेष उपाय करने का भी विधान है। इन उपायों को करने से सभी बिगड़े काम बन जाते हैं। साथ ही धन संबंधी परेशानी भी दूर हो जाती है। अगर आप भी आर्थिक विषमता से निजात पाना चाहते हैं, तो गुरुवार के दिन पूजा के समय ये उपाय (त्रींीुरि घश णरि) जरूर करें।

गुरुवार के उपाय

अगर आप वास्तु दोष से निजात पाना चाहते हैं, तो गुरुवार के दिन घर पर दक्षिणावर्ती शंख लाएं। वहीं, पूजा के समय दक्षिणावर्ती शंख में केसर युक्त दूध से भगवान विष्णु का अभिषेक करें। इस उपाय को करने से आर्थिक तंगी भी दूर होती है। साथ ही वास्तु दोष से छुटकारा मिलता है।

अगर आप जीवन में व्याप्त दुखों से निजात पाना चाहते हैं, तो गुरुवार के दिन स्नान-ध्यान के बाद विधि विधान से भगवान विष्णु की पूजा करें। वहीं, पूजा के समय विष्णु सहस्रनाम का पाठ करें। विष्णु सहस्रनाम के पाठ से जीवन में सुखों का आगमन होता है। साथ ही सभी प्रकार के मनोरथ सिद्ध हो जाते हैं।

विवाहित और अविवाहित महिलाएं मनोवांछित फल की प्राप्ति के लिए गुरुवार का व्रत रखें। इस दिन भक्ति भाव से भगवान विष्णु की पूजा करें। साथ ही पूजा के समय गुरुवार व्रत कथा का पाठ करें। गुरुवार का व्रत करने से सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं।

सनातन धर्म में दान का विशेष महत्व है। अतः गुरुवार के दिन जरूरतमंदों को दान अवश्य दें। आप गुरुवार के दिन पीले रंग की चीजों का दान कर सकते हैं। चने की दाल, केला, पपीता, मूंग की दाल और पीले रंग के वस्त्र का दान करें। इन चीजों के दान से भगवान विष्णु की कृपा बरसती है।

ज्योतिष कुंडली में गुरु मजबूत करने और गुरु चांडाल दोष दूर करने के लिए गुरुवार के दिन पीले रंग के चंदन का टीका लगाने की सलाह देते हैं। अतः गुरुवार को स्नान-ध्यान के बाद पूजा के समय पीले रंग का टीका ग्रीवा या माथे पर अवश्य लगाएं। इस उपाय को करने से शुभ फल की प्राप्ति होती है।

घर हेतु भूमि खरीदते समय इन बातों का जरूर रखें ध्यान, वरना जीवन भर रहेंगे परेशान

सनातन धर्म में वास्तु शास्त्र का विशेष महत्व है। इस शास्त्र के माध्यम से ही गृह का निर्माण किया जाता है। साथ ही गृह में भी वास्तु नियमों का पालन किया जाता है। ज्योतिष भी गृह निर्माण से लेकर प्रवेश तक वास्तु नियमों का पालन करने की सलाह देते हैं। अनदेखी करने से जीवन में नाना प्रकार की परेशानियों का सामना करना पड़ता है। साथ ही धन संबंधी परेशानी आती है। कई अवसर पर अनहोनी का भी खतरा रहता है। इसके लिए वास्तु नियमों का पालन जरूरी है। अगर आप भी गृह निर्माण हेतु भूमि खरीदने की सोच रहे हैं, तो वास्तु के इन बातों का जरूर ध्यान रखें।

वास्तु टिप्स

अगर आप घर खरीदने की सोच रहे हैं और इसमें आपको सफलता नहीं मिल रही है या भूमि खरीदने में परेशानी आ रही है, तो भगवान विष्णु और उनके विभिन्न रूपों की पूजा करें। इसके लिए भगवान विष्णु के नामों का मंत्र जप भी कर सकते हैं। इस उपाय को करने से अवश्य ही सफलता मिलती है।

वास्तु शास्त्र में निहित है कि समतल और जीवित भूमि (हरे भरे) गृह के लिए उत्तम होता है। आसान शब्दों में कहें तो जिस भूमि पर हरे भरे पेड़-पौधे और घास हैं। साथ ही खेती होती है, तो ऐसी भूमि जीवित मानी जाती है। गृह निर्माण के लिए उत्तम भूमि है।

ऐसी भूमि जो ऊसर है, चूहों का निवास स्थान है, उबड़-खाबड़ है, गृह निर्माण या गृह के लिए उत्तम नहीं मानी जाती है। इस भूमि का तत्काल से त्याग कर देना चाहिए। ऊसर भूमि पर निवास करने से धन का नाश होता है।

अगर आप भूमि खरीदने की सोच रहे हैं या भूमि खरीद रहे हैं, तो भूमि की वास्तु जांच के लिए एक हाथ चौड़ा, लंबा और गहरा गड्ढा करें। इसके बाद गड्ढे को भर दें। अगर मिट्टी डालने के बाद भी शेष बच जाए, तो गृह निर्माण के लिए उत्तम भूमि है। इस भूमि पर गृह निर्माण यानी घर बनाने से धन और सौभाग्य में वृद्धि होती है।

वास्तु जानकारों की मानें तो चूहे के बिल वाले स्थान पर घर बनाने से धन का नाश होता है। दीमक के रहने वाले स्थान पर गृह बनाने से पुत्र वियोग मिलता है। दरार और बंजर स्थान वाले भूमि पर घर बनाने से अनहोनी का खतरा रहता है।

शक्तिमान बन फिर धूम मचाएंगे मुकेश खन्ना

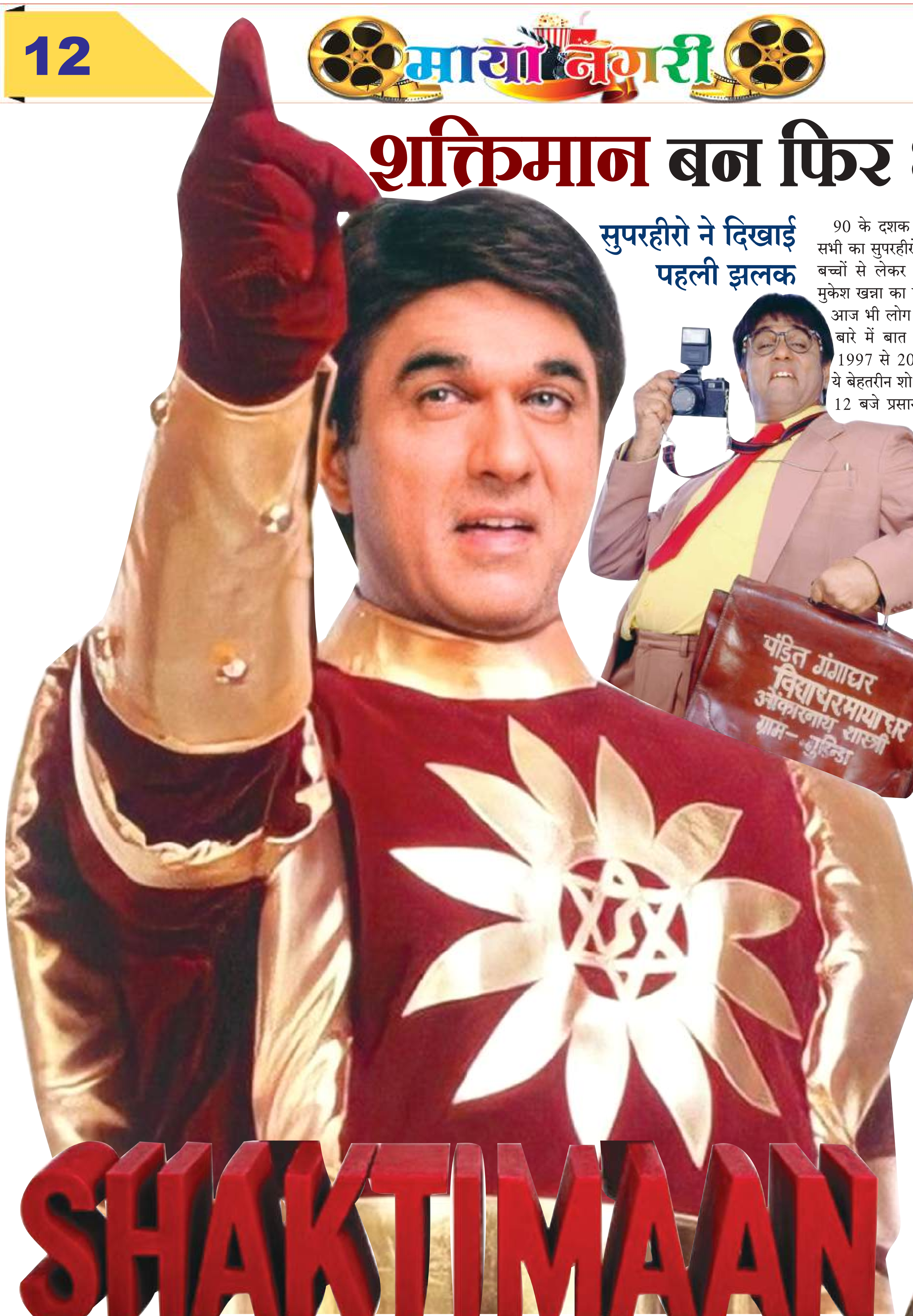

सुपरहीरो ने दिखाई पहली झलक

90 के दशक में धमाका कर शक्तिमान सभी का सुपरहीरो से सुपर टीचर बन गया। बच्चों से लेकर बड़ों तक हर किसी को मुकेश खन्ना का किरदार इतना पसंद है कि आज भी लोग उनके इस धारावाहिक के बारे में बात करते रहते हैं। टीवी पर 1997 से 2005 तक राज करने वाला ये बेहतरीन शो रविवार के दिन दोपहर के 12 बजे प्रसारती होता था। इसी वजह से इसे दूरदर्शन का सबसे कल्ट शो माना जाता है। अब एक बार फिर शक्तिमान लोगों के बीच चर्चा में आ गया है। इस मशहूर शो के साथ देश के सबसे पसंदीदा सुपरहीरो मुकेश खन्ना वापसी करने के लिए तैयार हैं।मुकेश खन्ना ने अपने सोशल मीडिया पर प्रशंसकों को एक खुशखबरी दी है और

अपने आधिकारिक यूट्यूब चैनल भीष्म इंटरनेशनल पर एक टीजर भी शेयर किया है। टीजर के साथ उन्होंने लिखा, उनके लौटने का समय आ गया है। हमारे पहले भारतीय सुपर टीचर- सुपर हीरो का। हां! जैसा कि अंधकार और बुराई आज के बच्चों पर हावी हो रही है... उनके लौटने का समय आ गया है। वह एक संदेश लेकर लौटे हैं। वह एक शिक्षा लेकर लौटे हैं। आज की पीढ़ी के लिए। उनका स्वागत करें। दोनों हाथों से !!!!! अभी देखें टीजर।आयरन मैन, स्पाइडर मैन और बैटमैन जैसे सुपरहीरो के भारत में छाने से पहले एक ऐसे सुपरहीरो का बोलबाला था, जिसे शायद कभी कोई नहीं भूल सकता है और उनका नाम शक्तिमान है। ये हीरो स्क्रीन पर एक बार फिर रोमांचक वापसी करने के लिए पूरी तरह से तैयार है। क्लिप में मुकेश को शक्तिमान के रूप में दिखाया गया है। वह एक स्कूल परिसर में उतरते दिखाई दे रहे हैं जहां वह गाना शुरू करता है, आजादी के दीवानों ने जंग लड़ी फिर जाने दी, अंग अंग कट गए मगर अंच वतन पर न आने दी... वह चंद्रशेखर आजाद, भगत सिंह और सुभाष चंद्र बोस जैसे नायकों की तस्वीरों को देखते हुए यह गीत गाते हैं।

शक्तिमान एक टीवी सीरीज थी जो 1997 में दूरदर्शन पर प्रसारित हुई थी। मुकेश खन्ना द्वारा अभिनीत इस शो में किटू गिडवानी, वैष्णवी, सुरेंद्र पाल और टॉम ऑल्टर जैसे कलाकार थे। ये 90 के दशक का सबसे पॉपुलर शो रहा और लगभग आठ वर्षों में 450 एपिसोड प्रसारित हुए। शक्तिमान का किरदार एक सुपरह्यूमन है, जिसमें रहस्यमयी और अलौकिक शक्तियां हैं जिसे संतों के एक रहस्यमयी संप्रदाय द्वारा दुनिया में बुराई से लड़ने का काम सौंपा गया है।

फ्रीडम एट मिडनाइट सीरीज का ट्रेलर हुआ रिलीज

भारत की आजादी के अंतिम क्षणों की कहानी कहता है वेब सीरीज

देशभक्ति से भरी एक नई वेब सीरीज आने वाली है जिसका मेकर्स ने ट्रेलर रिलीज कर दिया है. आगामी स्ट्रीमिंग सीरीज फ्रीडम एट मिडनाइट का ट्रेलर सामने आया है. यह भारत की स्वतंत्रता के अंतिम क्षणों में क्या हुआ इसकी एक झलक दिखाता है. यह सीरीज ऐतिहासिक कहानी कहने का दावा करती है.फ्रीडम एट मिडनाइट के ट्रेलर की शुरुआत ब्रिटेन के तत्कालीन प्रधानमंत्री क्लेमेंट एटली द्वारा भारत की स्वतंत्रता की घोषणा से होती है. इसके बाद जवाहरलाल नेहरू, महात्मा गांधी, सरदार वल्लभभाई पटेल और पाकिस्तान के पूर्व गवर्नर जनरल मोहम्मद अली जिन्ना जैसी शख्सियतें कैसे भविष्य को लेकर उधेड़बुन में उलझी रहती हैं इसे दिखाने की कोशिश की गई है.इसके बाद इस ट्रेलर में दिखाया गया है कि कैसे जिन्ना की ओर से एक अलग देश पाकिस्तान के निर्माण की मांग उठती है. तो दूसरी तरफ ब्रिटिश अधिकारी भारत को आजाद करने और भारत-पाकिस्तान को बांटने की रणनीति बना रहे हैं.वेब सीरीज में सिद्धांत गुप्ता ने जवाहरलाल नेहरू, चिराग वोहरा ने महात्मा गांधी, राजेंद्र चावला ने सरदार वल्लभभाई पटेल, आरिफ जकारिया ने मोहम्मद अली जिन्ना, इरा दुबे ने फातिमा जिन्ना, मलिष्का मेंडोंसा ने सरोजिनी नायडू, राजेश कुमार ने लियाकत अली खान, केसी शंकर ने वीपी मेनन, ल्यूक मैकगिबनी ने लॉर्ड लुईस माउंटबेटन, कॉर्डेलिया बुगेजा ने लेडी एडविना माउंटबेटन, एलिस्टेयर फिनले ने आर्चीबाल्ड वेवेल, एंड्रयू कुल्लुम ने क्लेमेंट एटली, रिचर्ड टेवरसन ने सिरिल रैडक्लिफ के किरदार अदा किए हैं.फ्रीडम एट मिडनाइट के प्रोडक्शन हाउस की बात करें तो इसे स्टूडियो नेक्स्ट के सहयोग से एम्मे एंटरटेनमेंट ने बनाया है. वहीं इसके डायरेक्टर निखिल आडवाणी हैं. यह सीरीज लैरी कॉलिन्स और डोमिनिक लैपियर की इसी नाम की किताब पर आधारित है. फ्रीडम एट मिडनाइट 15 नवंबर से सोनी लिव पर स्ट्रीम होने वाली है।

सिकंदर का मुकद्दर की रिलीज तारीख से उठा पर्दा, पहला पोस्टर आया सामने

अभिनेत्री तमन्ना भाटिया मौजूदा वक्त में अपनी आगामी फिल्म सिकंदर का मुकद्दर को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं।इस फिल्म में उनके साथ जिमी शेरगिल भी मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। अविनाश तिवारी भी इस फिल्म का अहस हिस्सा हैं।अजय देवगन और तब्बू की फिल्म औरों में कहां दम था का निर्देशन कर चुके नीरज पांडे ने सिकंदर का मुकद्दर के निर्देशन की कमान संभाली है।अब सिकंदर का मुकद्दर की रिलीज तारीख से पर्दा उठ गया है।सिकंदर का मुकद्दर सिनेमाघरों में नहीं, बल्कि ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज होने जा रही है। इस फिल्म को आप 29 नवंबर, 2024 से नेटफ्लिक्स पर देख सकते हैं।

इसके साथ सिकंदर का मुकद्दर का पहला पोस्टर भी सामने आ चुका है, जिसमें तमन्ना, जिमी और अविनाश की तिकड़ी कमाल दिख रही

है।नेटफ्लिक्स इंडिया ने पोस्टर साझा करते हुए कैप्शन में लिखा, तीन अरोपी, लेकिन कौन अप्राधि? केस जल्दी ही खुल जाएगा।स्पेशल 26, बेबी और एमएस धोनी: द अनटोल्ड स्टोरी जैसी फिल्में बना चुके नीरज पांडे आखिरी बार अजय देवगन और तब्बू की औरों में कहां दम था में नजर आए थे। इस नई फिल्म की कहानी 60 करोड़ के हीरे की चोरी, उसकी तलाश और एक पुलिस इंस्पेक्टर की जिद के इर्द-गिर्द घूमती है।तमन्ना भाटिया इस साल स्त्री 2 में अपने कैमियो और आइटम डांस नंबर आज की रात से काफी चर्चा में रही हैं। वह तेलुगु फिल्म ओडेला 2 में भी नजर आएंगी, जिसकी शूटिंग पूरी हो चुकी है। इसके अलावा वह करण जौहर के बैनर तले बनी डेयरिंग पार्टनर्स में भी नजर आएंगी।

बिग बॉस 18 में अदिति मिस्त्री की वाइल्ड कार्ड एंट्री

टीवी रियलिटी शो बिग बॉस 18 में वाइल्ड कार्ड के तौर पर अदिति मिस्त्री की एंट्री हुई है। अदिति के घर में आते ही घर का तापमान बढ़ गया है। अदिति की बोल्ड तस्वीरें सोशल मीडिया पर धमाल मचा रही है। बिग बॉस के घर में भी अदिति का बोल्ड अंदाज ही नजर आ रहा है। इंस्टाग्राम पर

अदिति मिस्त्री का अकाउंट वेरीफाइड नहीं है लेकिन उनके फॉलोअर्स की संख्या 2.4 मिलियन है। इसी से उनकी लोकप्रियता का अंदाजा लगाया जा सकता है।सोशल मीडिया पर अदिति मिस्त्री की बेहद बोल्ड तस्वीरें मौजूद हैं। आदिति मिस्ट्री की तस्वीर ऐसी हैं कि उनके फैंस की नजर तस्वीरों पर से हटती ही नहीं। अदिति मिस्त्री इस समय बिग बॉस के घर में घर का तापमान बढ़ा रही हैं। उनकी बोल्ड अदाएं दर्शकों को कितनी पसंद आएगी यह आने वाले वक्त में पता चलेगा। लेकिन फिलहाल बिग बॉस के घर में मेल कंटेस्टेंट पर बिजलियां गिरा रही हैं। उन्हें मिली जुली प्रतिक्रिया मिल रही है, सोशल मीडिया पर लोग कह रहे हैं कि अदिति मिस्त्री के आने से शो की अश्लीलता बढ़ जाएगी। वहीं कुछ लोगों का यह कहना भी है कि उनके आने से ग्लैमर का तड़का लगेगा। मतलब रिस्पांस मिला-जुला है।बोल्ड तस्वीरों से आदिति मिस्ट्री के इंस्टाग्राम अकाउंट भरा पड़ा है। हर तस्वीर पर ढेर सारे कमेंट है कुछ कमेंट अच्छे हैं तो कुछ भद्दे भी हैं।अदिति मिस्त्री को फिलहाल लोग बिग बॉस के घर में वाइल्डकार्ड एंट्री के तौर पर पहचान रहे हैं। लेकिन वह एक बिजनेस वूमेन हैं और इनफ्लुएंसर हैं, जो कई सारे काम करती हैं। अदिति मिस्त्री फाइन आर्ट से जुड़ी हुई है और वह अपने फैंस को भी इसके बारे में बताती रहती हैं, इसी वजह से वह कई लोगों के लिए प्रेरणा भी बनी हुई है। एक्टर साहिल खान को डेट कर रही थी ऐसी खबरें भी सामने आई थी। फिलहाल उनका स्टेटस सिंगल है या फिर वो रिलेशनशिप में है यह क्या पाना अभी मुश्किल है, लेकिन बिग बॉस के घर में कहां कोई बात छिपती है। इस बात का पता चल ही जाएगा। लेकिन बिग बॉस के घर में इस समय तापमान बढ़ा हुआ है यह कहा जा सकता है।

लहंगा चोली पहन अवनीत कौर ने कैमरे के सामने दिए पोज

टीवी से बॉलीवुड तक का सफर तय करने वाली एक्ट्रेस अवनीत कौर आज किसी भी पहचान की मोहताज नहीं हैं। उन्होंने अपनी हॉटनेस और स्टाइलिश फैशन स्टेटमेंट्स से फैंस को इस कदर दीवाना बनाया है कि लोग उनकी तारीफ करते नहीं थकते हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट एथनिक लुक से सोशल मीडिया का तापमान बढ़ा दिया है। इन फोटोज में उनकी कातिलाना अदाएं देखकर फैंस मंत्रमुग्ध हो गए हैं।23 साल की अवनीत कौर आए दिन फैंस को अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर के विजुअल ट्रीट देती रहती हैं। उनकी हॉटनेस देखकर अक्सर फैंस अपने होश खो बैठते हैं। अब हाल ही में अवनीत कौर ने अपनी लेटेस्ट एथनिक वियर में फोटोज शेयर की हैं। इन तस्वीरों में उनका कातिलाना अंदाज देखकर लोग उनकी तारीफों के पुल बांधते नहीं थक रहे हैं।अवनीत कौर ने लेटेस्ट फोटोशूट के दौरान ब्लू कलर का लहंगा पहना हुआ था, जिसमें वो बला की खूबसूरत नजर आ रही थीं। उनका ये कातिल अवतार इंटरनेट पर आते ही तबाही मचाने लगा।कानों में इयररिंग्स और ग्लैम मेकअप कर के एक्ट्रेस अवनीत कौर ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया। इस दौरान उनकी शोख अदाओं ने फैंस के बीच महफिल लूट ली।फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस अवनीत कौर कैमरे के सामने प्यारी सी स्माइल देते हुए हॉट फोटोशूट करवा रही हैं।

उनके चेहरे पर प्यारी सी मुस्कान उनके इस लुक पर चार चांद लगा रही है।बताते चलें कि एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। फैंस भी उनकी हर एक फोटोज के पोस्ट होने का इंतजार बेसब्री से करते हैं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

बदलती परिस्थितियों के कारण आप नई रणनीति चुनेंगे. आपकी छवि में निखार आएगा. भागेदारी में आप में से कुछ नवीन व्यवसाय आरंभ कर सकते हैं. आप में से जो किसी बैंक या वित्तीय संस्थान से ऋण की तलाश कर रहे हैं, उन्हें सफलता प्राप्त होने की पूर्ण संभावना है. आपका स्वास्थ्य संतोषजनक रहेगा, लेकिन आपको पेट से संबंधित बीमारियों के लिए सावधानी बरतनी चाहिए. प्रियजनों के साथ लंबी दूरी की यात्रा लाभद-ायक होगी. आप में से कुछ के जीवन में प्रेम प्रवेश कर सकता है.

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

अच्छी प्लानिंग और सोच–विचार के उपयोग से आपको बड़ा फायदा हो सकता है. सोचे हुए कुछ खास काम पूरे होने के योग बन रहे हैं. आपको नौकरी या दिनचर्या में थोड़ा बदलाव करने के बारे में विचार करना चाहिए. आपके लिए खरीदारी भी फायदेमंद हो सकती है. अपनी योजनाओं से आप सबको प्रभावित कर सकते हैं. स्टूडेंट्स को सफलता मिल सकती है. धन लाभ के भी योग बन रहे हैं.

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

आज आप जिम्मेदारियों को बखूबी निभाने में सफल हो सकते हैं. आज आप घर के लिए कुछ नया सामान खरीद सकते हैं. आप जीवनसाथी की मदद कर सकते हैं. जीवन में आगे बढ़ने के नए रास्ते खुलेंगे. इस राशि के कारोबारियों के लिए धन लाभ के योग बन रहे हैं. नए कार्य प्रारंभ करने का मन बन सकता है. अगर आप कला के क्षेत्र से जुड़े हैं, तो आपको तरक्की के कई नये रास्ते खुले नजर आएंगे. इस राशि के स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन फेवरेबल है. आपको किसी समस्या को सुलझाने का तुरंत रास्ता मिल सकता है. गायत्री मंत्र का पाठ करें, तरक्की के नए रास्ते खुलेंगे.

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज निजी मामलों में आपके विचारों को आसपास के लोगों का समर्थन मिलेगा. मेहनत ज्यादा करनी पड़ेगी. आत्मविश्वास से परिपूर्ण रहेंगे. पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा. मित्रों का सहयोग मिलेगा. कुछ नए अवसर आपके सामने आ सकते हैं. आप बहुत बातूनी मूड में हो सकते हैं. आर्थिक मामलों में भाग्य का साथ मिलेगा जिस से आय के साधनों में वृद्धि होगी. नई नौकरी या बिजनेस की रूपरेखा आज बन सकती है.

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आप लगातार सिरदर्द और कुछ अन्य बीमारियों के कारण पीड़ित हो सकते हैं. आपके जीवनसाथी का स्वास्थ्य भी बिगड़ सकता है. चूंकि आपको चोटों का खतरा है, इसलिए वाहन चलाते समय सावधानी बरतें. आप अथक प्रयासों के साथ लंबित कार्यों को पूरा करेंगे. आप एक नया संभावित प्रोजेक्ट शुरू कर सकते हैं, जो आपको भविष्य में अच्छा लाभ प्रदान करेगा. आपकी वित्तीय स्थिति स्थिर होगी और व्यावसायिक क्षेत्र में आप अच्छी प्रगति करेंगे.

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

ऑफिस में आज आप कई मामलों में सफल हो सकते हैं. करियर से जुड़े कुछ उलझे हुए मामलों में समाधान मिल सकता है. आप परेशान न हों. ऑफिस में आपके काम की तारीफ हो सकती है. प्रमोशन मिलने के योग हैं. गिफ्ट मिल सकता है. नए दोस्तों से मुलाकात होसकती है. बिजनेस करने वाले लोगों को रुका हुआ पैसा मिल सकता है. अधिकारी आपके कामकाज से खुश हो सकते हैं.

तुला – र,री,रु,रे,रो,ता,ति,तू,ते

माता–पिता के स्वास्थ्य में सुधार आयेगा. आज बच्चे पार्क में खेलने जा सकते हैं. आपका पैसा कहीं अटक सकता है. बढ़ता खर्च आपको थोड़ा परेशान कर सकता है. जीवनसाथी के साथ कहीं हील स्टेशन पर घूमने की प्लांनिग कर सकते हैं. किसी काम में ज्यादा मेहनत और समय लग सकता है. आप रिश्तों में सुधार लाने की कोशिश कर सकते हैं. आज आपको कोई भी फैसला सोच–समझकर लेना चाहिए, बेहतर रहेगा. परिवार वालों का सहयोग मिलता रहेगा. बहते जल में तिल प्रवाहित करें, आपका दिन अच्छा बीतेगा.

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज आपके आत्मविश्वास में वृद्धि होगी तथा घर–परिवार की स्थिति सामान्य रहेगी. पार्टी व पिकनिक का कार्यक्रम बन सकता है. स्वादिष्ट भोजन का आनंद प्राप्त होगा. रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे. पठन–पाठन व लेखन के काम में मन लगेगा. काम को लेकर काफी उत्साह बना रहेगा. पुराने दोस्तों से मिलने का संयोग बन सकता है. पको आपके काम के लिए सराहा जाएगा, इससे आपको बहुत खुशी होगी. आपको कोई इनाम भी मिल सकता है.

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

इस समय आप अपनी कार्यशैली में नया प्रयोग कर सकते हैं. आपके कार्यों को प्रशंसा मिलेगी. आपके काम सफ़ल होंगे. आपको थोड़ी सी सावधानी बरतनी होगी. कुछ अनावश्यक खर्चे भी सामने आ सकते हैं. आज आप धर्म या समाज से जुड़ा कोई कार्य कर सकते हैं. सप्ताह के मध्य भाग में बेकार की यात्राओं से बचें और घर परिवार का ख्याल रखें. स्त्री वर्ग से पूर्ण सहयोग मिलेगा।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

बहुत धैर्य और नियमितता के साथ आपने जो मेहनत की थी, उसका नतीजा आपके ही फेवर में होगा. पुराने दोस्तों से बातचीत होगी या मुलाकात की संभावना है. आपकी जिम्मेदारियां पूरी हो सकती है. सोचे हुए काम पूरे हो जाएंगे. पैसा कमाना आपके लिए सरल है.कामकाज और यात्रा को लेकर आपके पास एक से ज्यादा विकल्प हो सकते हैं. साथ के लोगों का ध्यान आप पर रहेगा. ऑफिस में कोई नई चीज सीखने का मौका आपको मिल सकता है.

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज आपको कोई महत्वपूर्ण समाचार मिलेगा. कोर्ट–कचहरी के मामलों में जीत हासिल होगी. आपके मान–प्रतिष्ठा में बढ़ोतरी होगी. कारोबार में कुछ नए लोग आपसे जुड़ सकते हैं. किसी महिला मित्र का सहयोग प्राप्त होगा. आर्थिक पक्ष पहले से बेहतर रहेगा. करियर में आगे बढ़ने के नए अवसर सामने आएंगे. सोचे हुए कुछ जरूरी काम पूरे होंगे. आप बड़े ही खुश नजर आयेंगे. तकनीकी क्षेत्र के स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन फेवरेबल है. शिवलिंग पर जल अर्पित करें, जीवन के हर क्षेत्र में सफलता प्राप्त होगी.

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

मीन राशि वालों की आय में वृद्धि होगी. सौंदर्य से संबंधित वस्तुओं पर पैसा और समय खर्च हो सकता है. शारीरिक कष्ट की वजह से बाधा संभव है. उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे. वरिष्ठ जनों का सहयोग तथा मार्गदर्शन प्राप्त होगा. पूरी कोशिश कर के भी आप सबको संतुष्ट नहीं कर सकेंगे. वाणी में ओजस्विता के चलते जैसी सफलता चाहें हासिल करें, आज व्यापारी हैं तो और अच्छा लाभ मिलेगा. किसी नई जगह पर भी जाने के योग हैं.

गुरुवार का पंचांग

दिनांक : 14 नवंबर 2024 ,
विक्रम संवत : 2081
मास : कार्तिक , शुक्ल पक्ष
तिथि : त्रयोदशी प्रात: 09:45 तक
नक्षत्र : अश्विनी रात्रि 12:33 तक
योग : सिद्धि प्रात: 11:29 तक
करण : तैतिल प्रात: 09:45 तक
चन्द्रराशि : मेष
सूर्योदय : 06:20, सूर्यास्त 05:40 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:18 , सूर्यास्त 05:50 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:11 , सूर्यास्त 05:41 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:10 सूर्यास्त 05:33 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
शुभ : 06:00 से 07:30
चल : 10:30 से 12:00
लाभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : दोपहर 01:30 से 03:00
शुभ : 04:30 से 06:00
दिशाशूल : दक्षिण दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : वैकुंठ चतुर्दशी, नेहरु जयंती
बाल दिवस , गण्डमूल रात्रि 12:33 तक

※ पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें ※

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

हरियाणा में नौकरियों में अनुसूचित जाति में वर्गीकरण का फैसला लागू : सीएम

चंडीगढ़,13 नवंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय गान के साथ हरियाणा विधानसभा में सदन की कार्यवाही शुरू हो गई है। सदन में राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने अभिभाषण दिया। राज्यपाल ने अपने अभिभाषण में कहा कि सीईटी पास करने वाले ऐसे युवा जिन्हें एक साल तक नौकरी नहीं मिली, उन्हें अगले दो साल तक नौ हजार मासिक मानदेय दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि मुझे विश्वास है कि विधायक के तौर पर चुनकर आए सभी सदस्य अपनी जिम्मेदारी का सही निर्वहन करेंगे।

प्रदेश में नौकरियों में अनुसूचित जाति वर्गीकरण का फैसला आज से ही लागू कर दिया जाएगा। यह बात सीएम नायब सैनी सत्र के दौरान कही है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने विधानसभा में घोषणा करते हुए कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने सरकारी नौकरियों में अनुसूचित जाति के आरक्षण के वर्गीकरण को लेकर फैसला दिया था। इस फैसले को हमारी कैबिनेट ने पहले ही पास कर दिया था। सरकारी नौकरियों में अनुसूचित जाति के आरक्षण में वर्गीकरण का यह फैसला आज से लागू हो जाएगा। शाम 5 बजे से मुख्य सचिव की वेबसाइट पर इस आदेश देखा जा सकता है।

इससे पहले राज्यपाल ने अपने अभिभाषण में कहा कि सदन में 40 सदस्य पहली बार जीतकर आए हैं, मैं उनका स्वागत करता हूं। इस बार विधानसभा में 13 महिलाएं जीतकर आई हैं। गवर्नर ने कहा कि हरियाणा में शांतिपूर्वक चुनाव के लिए जागरूक मतदाताओं और अधिकारियों–कर्मचारियों को बधाई देता हूं। राज्यपाल के अभिभाषण के बाद सदन आधे घंटे के लिए स्थगित कर दिया गया है। विधानसभा में दिवंगत आत्माओं के लिए सीएम नायब सैनी और पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने शोक प्रस्ताव पढ़ा।सदन में हाल ही में मंत्री अनिल विज के उस बयान का मुद्दा भी उठा जिसमें उन्होंने चुनाव के समय जान के खतरे की बात कही थी और अधिकारियों की कारगुजारी पर प्रश्न उठाए थे। अशोक अरोड़ा ने ये मुद्दा उठाया। इसके बाद रघबीर कादियान ने कहा कि ये गंभीर बात है, इस पर संज्ञान लेना चाहिए।

भूपेन्द्र हुड्डा ने सीएम नायब सैनी की ओर देखते हुए कहा कि विज को गृहमंत्रालय दे दीजिए सब ठीक हो जाएगा। संसदीय कार्यमंत्री महिपाल ढांडा ने कहा कि मामला नोटिस में आ गया है अब राज्यपाल अभिभाषण पर चर्चा शुरू होनी चाहिए।विधानसभा अध्यक्ष हरविंद्र कल्याण ने कैथल से कांग्रेस विधायक आदित्य सुरजेवाला की सदन में तारीफ की। अध्यक्ष ने कहा आदित्य सबसे युवा विधायक हैं और इन्होंने बहुत अच्छे से ढंग से अपनी बात रखी। अपने संबोधन के दौरान विधायक सावित्री जिंदल ने कहा कि 14वीं विधानसभा में शामिल हुई 9 महिला विधायकों को राज्यपाल ने अपने अभिभाषण के दौरान नवरत्न कहकर संबोधित किया, जिसने हमें गौरवांवित किया है। राज्यपाल के अभिभाषण से नई ऊर्जा और विश्वास मिला है। राज्यपाल का अभिभाषण प्रदेश की प्रगति की दिशा तय कर रहा है। सावित्री जिंदल ने कहा बीते वर्षों में सरकार ने कई योजनाएं शुरू की हैं, जिनका जिक्र राज्यपाल अभिभाषण में हुआ हैं।

दिल्ली से झज्जर के बीच 20 साल बाद चलेगी डीटीसी की बस

झज्जर,13 नवंबर (एजेंसियां)। झज्जर शहर के लोग जल्द ही दिल्ली परिवहन निगम डीटीसी की बसों में सफर कर सकेंगे। शुक्रवार से डीटीसी की पांच से छह बसें दिल्ली और झज्जर के बीच चलने की उम्मीद है। दिल्ली सरकार की तरफ से यह शुरुआत की गई है।

लगभग 20 साल के बाद झज्जर–दिल्ली के बीच डीटीसी की बस सेवा शुरू हो रही है। हालांकि बादली से दिल्ली के बीच कुछ माह पहले डीटीसी की सेवा शुरू की गई थी, लेकिन अब इसे झज्जर बस अड्डे से शुरू किया जा रहा है।

शुक्रवार को इसके लिए बादली के मिग्यानों वाली चौपाल में कार्यक्रम का आयोजन भी रखा गया है, जिसमें दिल्ली के परिवहन मंत्री कैलाश गहलौत को आमंत्रित किया गया है। वह बसों को झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। बताया जा रहा है कि झज्जर से दिल्ली के लिए कुल छह बजे चलाई जाएगी, जिसमें महिलाएं फ्री यात्रा कर सकेंगी। इसमें किसी प्रकार का कोई पास मान्य नहीं होगा। फिलहाल बसों की टाइमिंग फाइनल नहीं हो सकी है। उम्मीद है कि वीरवार या शुक्रवार तक टाइमिंग भी फाइनल हो जाएगी। उसके बाद यात्रियों को यात्रा करने में और भी आसानी होगी। यह बस झज्जर से वाया बादली, ढांसा बॉर्डर, नजफगढ़ तक जाएगी।डीटीसी के अधिकारियों ने भी बुधवार को झज्जर बस अड्डे का दौरा किया। इसके अलावा अधिकारियों से मुलाकात कर टाइमिंग को लेकर भी चर्चा की। इसके अलावा झज्जर से नजफगढ़ तक आने वाले स्थानों पर बसों के रुकने की टाइमिंग और किराये पर भी चर्चा की गई।

हरियाणा के नौ शहरों की हवा जहरीली

देश का तीसरा सबसे प्रदूषित शहर भिवानी, एक्यूआई 375

चंडीगढ़,13 नवंबर (एजेंसियां)। हरियाणा में सांसों पर संकट बढ़ता जा रहा है। सूबे में बच्चे, बुजुर्गों और मरीजों की सांसों पर प्रदूषित हवा गहरा संकट बनता जा रहा है। देश के 28 बेहद प्रदूषित शहरों में हरियाणा के 9 शहर हैं। इन शहरों की हवा खतरनाक हो चुकी है। देश में तीसरा सबसे प्रदूषित शहर भिवानी का एक्यूआई 375 क्यूबिक मीटर तक पहुंच गया है। जबकि पहले नंबर पर दिल्ली (418) और दूसरे पर बिहार के हाजीपुर (417) है, दोनों की शहरों में प्रदूषण गंभीर स्तर पर है।

विशेषज्ञ के मुताबिक प्रदेश में बिना वजह घर से बाहर तक निकलना जान के लिए खतरा हैं। साथ ही प्रदेश की राजधानी चंडीगढ़ में लगातार हवा गुण-वत्ता खतरनाक बनी हुई है। बुधवार को चंडीगढ़ का एक्यूआई 372 दर्ज किया गया है।

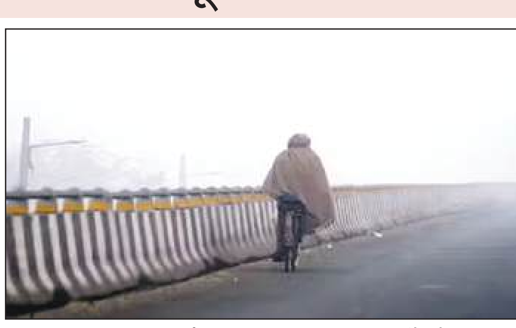

इसके अलावा पानीपत की हवा बेहद खराब है, वहां एक्यूआई 370 पहुंच गया। प्रदेश की आर्थिक राजधानी गुरुग्राम का 321, सोनीपत 338, रोहतक 303, जींद 321, चरखी–दादरी 307, बल्लभगढ़ 307 एक्यूआई के साथ खतरनाक स्थिति बनी हुई है।

जबकि 12 नवंबर को भिवानी का एक्यूआई 158 था, यानी 24 घंटे के अंदर दो गुना से ज्यादा शहर का एक्यूआई बढ़कर 375 पहुंच गया। इसी तरह एक दिन पहले पानीपत का एक्यूआई 185 था, जबकि बुधवार को दोगुना से ज्यादा बढ़कर 370 हो गया। सोनीपत, जींद और बहादुरगढ़ के एक्यूआई में 24 घंटे के अंदर तेजी से वृद्धि दर्ज की गई है।

10 जिलों का एक्यूआई 200 पार, तीन रेड जोन के बेहद करीब

देश के 50 शहरों का एक्यूआई 200 से 300 के बीच है। इसमें प्रदेश के 10 जिले शामिल हैं, इनमें भी तीन जिलों का एक्यूआई रेड जोन (300) के बेहद करीब है। इन प्रदूषित जिलों में अंबाला 284, बहादुरगढ़ 285, फरीदाबाद 262, हिसार 277, कैथल 221, करनाल 236, कुरुक्षेत्र 264, पंचकूला 295, सिरसा 259 और यमुनानगर 254 है।

पीजीआई चंडीगढ़ में सामुदायिक चिकित्सा विभाग के प्रोफेसर रविंद्र खैवाल ने बताया कि हरियाणा में मौसम में बदलाव के साथ हवा की गति में परिवर्तन दर्ज किया गया है। इसी कारण प्रदेश में प्रदूषण का ग्राफ तेजी से ऊपर चढ़ा है। यह प्रदूषण स्तर घर से बाहर निकलने, सुबह शाम सैर या व्यायाम करने, बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं और बच्चों को तेजी के लिए हवा में घुले हुए जहर के बराबर है। ऐसे में जरा सी सावधानी हटी तो तुरंत स्वास्थ्य संबंधित दुर्घटना घट सकती है।

उच्चैन में दो महिलाओं ने भिखारी के भेष में लाखों के गहनों पर किया हाथ साफ

भरतपुर,13 नवंबर (एजेंसियां)। भरतपुर के उच्चैन थाना इलाके में दिनदहाड़े दो महिलाएं भिखारी के भेष में घर के अंदर घुसीं और लाखों रुपये के गहनों पर हाथ साफ कर दिया। यह घटना बुधवार को उस वक्त हुई जब घर की महिलाएं नोहरे में नहाने और कपड़े धोने के लिए बाहर गईं थीं।

मानसिंह नामक व्यक्ति ने बताया कि वह और उनका भतीजा बगल एक ही मकान में रहते हैं। इसी दौरान चार महिलाएं भिखारी का भेष रखकर गांव में आईं और घर–घर जाकर भीख मांगने लगीं। इनमें से दो महिलाएं मानसिंह के घर भी आईं और चबूतरे पर बैठकर खाना खाया। काफी देर तक घर के चबूतरे पर बैठने के बाद, दोनों महिलाएं जबरन घर में घुस गईं और कमरे के ताले तोड़कर गहनों से भरे बक्से और अलमारी का ताला तोड़ लिया। चोरी करने के बाद, दोनों महिलाएं सभी गहनों को निकालकर घर की सीढ़ियों में रखी डिब्बियों में फेंक आईं। जब घर की महिलाएं नहाकर घर लौटीं तो उन्होंने देखा कि कमरों के ताले टूटे हुए थे और सामान बिखरा पड़ा था। इस पर उन्होंने घटना की जानकारी मानसिंह और बुगल को दी।

घटना के बाद, जब पुलिस ने जांच की तो पाया कि दोनों महिलाएं घर के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गईं। चोरों ने मानसिंह के घर से डेढ़ तोला सोने की बिजली, अंगूठी, चांदी के गहने, झूमर, झाल, और बुगल के घर से छह अंगूठियां, लर, झाले, पायल और 10 हजार रुपये नगद चोरी किए। इनमें मानसिंह की बेटी के गहने भी शामिल थे। घटना के बाद, गांव वालों ने महिलाओं को तलाशने का प्रयास किया, लेकिन उनका कुछ पता नहीं चला। पुलिस को सूचना दी गई, लेकिन अभी तक चोरों का कोई सुराग नहीं मिल सका है। उच्चैन थाना इलाके में चोरी की वारदातें लगातार बढ़ रही हैं और पुलिस इन वारदातों पर काबू पाने में नाकाम साबित हो रही है। 11 नवंबर को भी इलाके के पांच घरों को चोरों ने निशाना बनाया था, लेकिन पुलिस दो दिन बाद भी चोरों को पकड़ने में सफल नहीं हो पाई है।

श्री श्याम बाबा का जन्मोत्सव पर नोटों से किया बाबा का शृंगार

108 किलो के मिल्क केक का लगाया भोग

केकड़ी,13 नवंबर (एजेंसियां)। लाखों श्रद्धालुओं की आस्था के केंद्र खाटू श्याम के प्रतिरूप माने जाने वाले केकड़ी के सुप्रसिद्ध श्याम बाबा के जन्मोत्सव पर मंगलवार को सुबह मंदिर में मंगला आरती के बाद दर्शन आरंभ किए गए। उसके बाद मंदिर में भक्तों का तांता लग गया। दर्शनों का यह सिलसिला देर रात तक चलता रहा। बाबा श्याम को श्रद्धालुओं द्वारा बड़ी संख्या में मिल्क केक अर्पित किए गए तथा मंदिर परिसर में विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। जन्मोत्सव का यह कार्यक्रम श्याम प्रेमी सेवा समिति व पोकी नाड़ी विकास समिति के तत्वावधान में आयोजित हुआ।

श्रद्धालुओं ने बाबा श्याम के दरबार के सामने भजनों व नृत्य प्रस्तुत किए।

इस अवसर पर मंगलवार को सुबह शहर के प्राचीन चारभुजा मंदिर से निशान यात्रा निकाली गई। निशान यात्रा में शहरवासियों सहित आसपास के गांवों के लोग शामिल हुए। इस निशान यात्रा का शहरवासियों ने जगह–जगह पुष्पवर्षा कर स्वागत किया गया। यात्रा में महिला–पुरुष, आबाल–वृद्ध हाथों में बाबा श्याम का ध्वज लेकर चल रहे थे। यात्रा के दौरान आकर्षक आतिशबाजी भी की गई।

श्याम बाबा के जन्मोत्सव पर उनके विग्रह का नोटों से अनूठा शृंगार किया गया। इसके अंतर्गत दस, बीस, पचास, सौ, दो सौ व पांच सौ के नोटों को कलात्मक ढंग से गूंथकर रंग–बिरंगी मालाएं बनाई गईं और फिर उन मालाओं को करीने से श्याम बाबा के विग्रह पर सजाया गया। साथ ही मंदिर परिसर में विराजमान भगवान लक्ष्मीनारायण व बालाजी का भी शृंगार किया गया, इसके लिए कुल 6 लाख रुपयों के नोट उपयोग हुए।

बाबा के जन्मोत्सव पर श्रद्धालुओं ने काजू, बादाम, पिस्ता से बनाया गया 108 किलो मिल्क केक का भोग लगाया। भोग लगाने के पश्चात केक का प्रसाद श्रद्धालुओं में वितरण किया गया।

अज्ञात वाहन की चपेट में आने से युवक की मौत

अलवर,13 नवंबर (एजेंसियां)। अलवर के मालाखेड़ा थाना अंतर्गत स्थानीय महुआ टोल टैक्स के समीप अज्ञात वाहन की चपेट में आने से एक 29 वर्षीय छात्र की दर्दनाक मौत हो गई। एक्सीडेंट किस वाहन से हुआ है, इस बारे में कोई जानकारी नहीं मिल पाई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार दौसा के सुरेर पाडली गांव निवासी रेलवे कर्मचारी हीरू मीणा का 29 वर्षीय पुत्र रवि कुमार मीणा मंगलवार को अलवर के रूपवास स्थित अपनी बहन के घर से रवाना हुआ था। यहां वह अपने किसी दोस्त की शादी में शामिल होने आया था और शादी होने के बाद वह अपनी बहन के घर से वापस बाइक से अपने गांव लौट रहा था कि रास्ते में किसी अज्ञात वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी, जिससे रवि कुमार की मौके पर ही मौत हो गई।युवक की असमय मौत से परिजन और रिश्तेदार सदमे में हैं। मालाखेड़ा थाना पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सुपुर्द कर दिया है।

केवाईसी के नाम पर पैसे वसूलने पर भाजपाइयों ने जताया आक्रोश

सिरोही,13 नवंबर (एजेंसियां)। जिले में खाद्य सुरक्षा लाभार्थी और बीपीएल परिवारों के लोगों से केवाईसी के नाम पर पैसे वसूलने से बुधवार को भाजपाइयों का आक्रोश फूट पड़ा। इसके बाद एक प्रतिनिधिमंडल ने जिला रसद प्रवर्तन अधिकारी सहीराम से मुलाकात की तथा इस पर आपत्ति जताई। इसके साथ ही एक ज्ञापन देकर दोषियों के विरुद्ध कारवाई करने की मांग की गई।

जिला रसद प्रवर्तन अधिकारी सहीराम से मुलाकात के दौरान भाजपा जिला प्रवक्ता रोहित खत्री सहित भाजपाइयों का कहना था कि केंद्र व राज्य सरकार की मंशा है कि गरीब एवं वंचित लोगों को महत्वाकांक्षी जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिले। लेकिन कांग्रेस मानसिकता वालो लोग उन योजनाओं का लाभ आमजन तक नहीं पहुंचने दे रहे हैं।

कुछ कांग्रेसी राशन डीलर उज्ज्वला योजनाओं के लाभार्थी को सब्सिडी के लिए केवाईसी करने में सहयोग नहीं कर रहे हैं। ये लोग केवाईसी करने के नाम पर 100 से 200 रुपये तक वसूल रहे हैं। ऐसे राशन डीलर और गैस एजेंसी वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की गई। इस पर पर प्रवर्तन अधिकारी सहीराम द्वारा इसे गंभीरता से लेते हुए तत्काल राशन डीलर व गैस एजेंसी को फ़ोन भविष्य में इस प्रकार के शिकायतें नहीं आने देने के लिए पाबंद किया गया। इसके साथ ही चेतावनी भी दी कि यदि कोई राशन डीलर इस आदेश की पालना नहीं करते तथा अव–हेलना करते हुए पाया गया तो नियमानुसार अग्रिम कारवाई की जाएगी। उन्होंने राशन डीलरों को केंद्र व राज्य सरकार की योजन–ाओं का लाभ सभी पात्रता रखने वालों को मिले तथा किसी को कोई असुविधा नहीं हो इसके लिए भी सभी आवश्यक प्रबंध करने के आदेश दिए।

वाहन बैटरी चोर गिरोह का भंडाफोड़, दो आरोपी गिरफ्तार

केकड़ी,13 नवंबर (एजेंसियां)। केकड़ी जिले की सावर थाना पुलिस ने वाहनों में से बैटरियां चोरी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने चोरी का सामान भी बरामद किया है। अब पुलिस आरोपियों से अन्य चोरियों के बारे पूछताछ कर रही है। केकड़ी जिले में चोरी और नकबजनी जैसी घटनाओं पर लगाम लगाने के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत सावर पुलिस ने चोर गिरोह के दो सदस्यों को गिरफ्तार किया है। ये आरोपी रात्रि के समय खड़े वाहनों से बैटरियां चोरी किया करते थे।

सावर निवासी परिवादी राजदीप सिंह शक्तावत ने पुलिस थाना सावर में रिपोर्ट दर्ज करवाई थी कि सावर में देवली तिराहा पर स्थित उनकी फर्म श्री देवनारायण एंटरप्राइजेज के सामने खड़े उनके वाहन पिकअप, कैम्पर, कार, जेसीबी, एलएनटी और डम्पर से कुल 6 बैटरियां चोरी हो गई। इस पर पुलिस ने धारा 303 (2) बीएनएस 2023 के तहत मामला दर्ज कर अनुसंधान प्रारंभ किया।

थानाधिकारी सावर के नेतृत्व में गठित टीम ने संदिग्ध व्यक्तियों की पहचान और पूछताछ की। मुखबिर की सूचना पर दो संदिग्ध व्यक्तियों सावर निवासी मिहिर भोज पुत्र रतनलाल गुर्जर व पिंटू पुत्र रायचंद माली को हिरासत में लिया गया। पूछताछ में आरोपियों ने चोरी की वारदात करना स्वीकार कर लिया। गहन पूछताछ के बाद इन अभियुक्तों को गिरफ्तार कर उनके पास से चोरी का सामान बरामद किया गया। पुलिस आरोपियों से अन्य वारदातों के बारे में पूछताछ कर रही है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी की गई चार बैटरी व अन्य उपकरण बरामद किए हैं। आरोपी रात के समय खड़े रहने वाले वाहनों से बैटरी व अन्य उपकरण चोरी करते थे। पुलिस अधीक्षक वंदिता राणा के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रामचंद्र सिंह और पुलिस उपाधीक्षक हर्षित शर्मा के सुपरविजन में सावर थाना पुलिस ने यह कार्रवाई सफलतापूर्वक अंजाम दी। कार्रवाई करने वाली टीम में थाना अधिकारी सुमन चौधरी, कांस्टेबल महेंद्र, शिवदयाल, गोपाल व कोमल शामिल थे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.